हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 19 नवंबर 2025

नगर कीर्तन एवं समागमों का विवरण

श्रीनगर से श्री आनंदपुर साहिब
(19-22 नवंबर, 2025)

पड़ाव
- दिन 1 – जम्मू (19 नवंबर, 2025)
- दिन 2 – पठानकोट (20 नवंबर, 2025)
- दिन 3 – होशियारपुर (21 नवंबर, 2025)

गुरदासपुर से श्री आनंदपुर साहिब
(20-22 नवंबर, 2025)

पड़ाव
- दिन 1 - श्री अमृतसर साहिब (20 नवंबर, 2025)
- दिन 2 – जालंधर (21 नवंबर, 2025)

फ़रीदकोट से श्री आनंदपुर साहिब
(20-22 नवंबर, 2025)

पड़ाव
- दिन 1 – लुधियाना (20 नवंबर, 2025)
- दिन 2 – फ़तेहगढ़ साहिब (21 नवंबर, 2025)

तख़्त श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो से श्री आनंदपुर साहिब
(20-22 नवंबर, 2025)

पड़ाव
- दिन 1 – संगरूर (20 नवंबर, 2025)
- दिन 2 - साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (21 नवंबर, 2025)

श्री आनंदपुर साहिब में होने वाले समागमों का विवरण

23 नवंबर, 2025
- आरंभ श्री अखंड पाठ साहिब
- श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन
- सर्व धर्म सम्मेलन
- विरासत-ए-खालसा, भाई जैता जी मेमोरियल और पंज प्यारा पार्क का गाइडेड टूर
- ड्रोन शो
- कथा एवं कीर्तन दरबार

24 नवंबर, 2025
- शीश भेंट नगर कीर्तन (कीरतपुर साहिब से श्री आनंदपुर साहिब)
- श्री आनंदपुर साहिब में हैरिटेज वॉक
- श्री आनंदपुर साहिब में श्री गुरु तेग़ बहादुर जी को समर्पित विशेष विधानसभा सत्र
- ढाडी, कविशर दरबार
- गुरु साहिब के जीवन एवं शिक्षाओं पर आधारित नाटक/पाठ/कविता
- गतका और अन्य कार्यक्रम
- ड्रोन शो
- कथा एवं कीर्तन दरबार

25 नवंबर, 2025
- श्री अखंड पाठ साहिब के भोग की संपूर्णता
- राज्य स्तरीय रक्तदान मुहिम
- 3.50 लाख पौधे लगाने की राज्य स्तरीय मुहिम
- गुरुवाणी कीर्तन
- सरबत दा भला एकत्रता
- ड्रोन शो

धार्मिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों के संरक्षक, करुणा, त्याग और साहस के प्रतीक नौवें पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर जी आज भी सम्पूर्ण मानवता के लिए एक प्रकाश-स्तंभ बने हुए हैं। आइए, अपने परिवारों सहित इस पवित्र धरती पर श्रद्धा से नतमस्तक होकर इन दिव्य आयोजनों का हिस्सा बनें।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

हिंसा और आतंक का नक्सली चेहरा था हिड़मा, 350 लोगों की हत्या या साजिश में शामिल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों में बरसों बरस के हिंसा और आंतक का पर्याय बना रहा दुर्दांत नक्सली माडवी हिड़मा आखिरकार पुलिस की गोली से मारा गया, लेकिन अपने पीछे वह एक ऐसी कहानी भी छोड़ गया है, जो पूरी तरह रक्त रंजित है। इस कुख्यात नक्सली ने अपने हिंसाकाल के दौरान कई बड़ी-बड़ी वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक वह 215 सुरक्षा कर्मियों समेत करीब साढ़े तीन सौ लोगों की मौत या मौत की साजिश रचने का जिम्मेदार था।

कुख्यात नक्सली का काला कारनामा

हिड़मा के हिंसक कारनामों की काली सूची

पुलिस के हाथों मारे गए हिड़मा ने करीब 35 साल की हिंसक नक्सली गतिविधियों के दौरान जो वारदातें कीं, वह खून से सनी हुई हैं। इन सभी वारदातों की काली सूची इस प्रकार है।

2005 – इनिजरम आईईडी वस्फोट हमलाः 6 सुरक्षाकर्मी शहीद।
2006 – दरभागुड़ा (एराबोर) सलवा जुडूम आंदोलन वाहन विस्फोट : 28 नागरिक मारे गए और 28 घायल।
2006 – मानकोंटा (एराबोर) सलवा जुडूम आंदोलन पर हमलाः 15 नागरिक मारे गए और 18 घायल।
2006 – कोटाचेरू आईईडी विस्फोट हमलाः 9 सुरक्षाकर्मी शहीद।
2007 – उरपाल मेट्टा हमला (एराबोर): 23 जवान शहीद।
2007 – एराबोर राहत शिवर पर हमला और आगजनी, 33 ग्रामीण मारे गए, सुरक्षाकर्मी भी शहीद हुए।
2007 – मेटागुड़ा एराबोर आईईडी विस्फोट हमला, 8 सुरक्षाकर्मी शहीद।
2007 – ताड़मेटला पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 12 सुरक्षाकर्मी शहीद।
2007 – तारलागुड़ा गोलापल्ली पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 12 सुरक्षाकर्मी शहीद।
2009 – मनपा चिंतागुफा पुलिस-नक्सली मुठभेड़ः 10 सुरक्षाकर्मी शहीद, 7 घायल।
2009 – आसरगुड़ा इनिजरम आरओपी ड्यूटी राशन ट्रैक्टर पर आईईडी विस्फोट से हमलाः 7 सुरक्षा कर्मी शहीद, 4 ग्रामीण मारे गए।
2010 – ताड़मेटला चिंतागुफा हमलाः 76 जवान शहीद।
2014 - पेंटापड़-भेज्जी में पुलिस पर गोलीबारी, 3 जवान घायल।
2014 – कासलपाड़ किस्टाराम पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 14 सुरक्षाकर्मी शहीद।
2015 – पडमेल चिंतागुफा पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 7 सुरक्षाकर्मी शहीद, 14 घायल।
2017 – बुरकापाल चिंतागुफा हमलाः 25 सुरक्षाकर्मी शहीद।
2017 – बंकुपारा भेज्जी पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 12 सुरक्षाकर्मी शहीद, 2 घायल।
2020 – मनपा चिंतागुफा हमला 17 जवान शहीद।
2021 – टेकलगुडेम मुठभेड़ः 22 सुरक्षा कर्मी शहीद।
2024 – धरमावरम कैंप हमला।

कौन था खूंखार नक्सली माड़वी हिड़मा

बस्तर में नक्सल आतंक का पर्याय बन चुके कुख्यात नक्सली माड़वी हिड़मा को संतोष उर्फ इंदमुल उर्फ पोडियाम भीमा जैसे कई और नामों से भी जाना जाता था। सुकमा उसका गढ़ था। वह माओवादी संगठन की केंद्रीय कमेटी का मेंबर था। बस्तर में होने वाली सभी नक्सल गतिविधियों पर उसका नियंत्रण रहता था। वह वर्ष 1990 में नक्सलियों के संगठन से जुड़ा। पिछले कई साल से सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश में जुटी थीं। छत्तीसगढ़ में कई नक्सली हमलों को अंजाम देने वाले इस दुर्दांत नक्सली का जन्म सुकमा जिले के पूवर्ती गांव में हुआ था। यह गांव दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच स्थित है।

खबर संक्षेप

ओडिशा भेजा जा रहा 5.70 लाख का मक्का किया जब्त

जगदलपुर। जिला प्रशासन के निर्देश पर मंडी की टीम ने ओडिशा भेजा जा रहा 5.70 लाख का अवैध मक्का को जैतगिरी में जब्त किया गया। इस पर मंडी अधिनियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबीर की सूचना पर जगदलपुर के कृषि उपज मंडी के सचिव जितेन्द्र दुबे के नेतृत्व में निरीक्षक वीरेन्द्र दिल्लीवार की टीम ने जैतगिरी में सुबह ट्रक को रोका और तलाशी की। तलाशी में 300 क्विंटल 5.70 लाख रुपएलागत का मक्का मिला। ट्रक चालक से पूछताछ करने से पता चला कि यह मक्का उड़ीसा भेजा जा रहा था, लेकिन इसका कोई दस्तावेज नहीं मिला। इस पर मंडी की टीम ने जप्त कर मंडी के नियमानुसार कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 23 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई।

स्थगित की गई है 17 से 19 नवंबर तक होनी वाली प्राचार्य पदोन्नति काउंसिलिंग

नियमों के फेर में उलझे शिक्षक, 50 फीसदी से अधिक आपत्ति काउंसिलिंग क्रम को लेकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

17 नवंबर से प्राचार्य पद पर व्याख्याताओं और प्रधान पाठकों को पदोन्नत करने काउंसिलिंग प्रारंभ की जानी थी, लेकिन इसके स्थान पर इन तिथियों में दावा आपत्ति स्वीकार की जा रही है। दरअसल, लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी कर 17 से 19 नवंबर तक का समय काउंसिलिंग के लिए तय किया था। इसके पूर्व कई शिक्षकों, व्याख्याताओं और प्रधान पाठकों द्वारा आवेदश पेश किया गया कि उन्हें दावा आपत्ति के लिए समय नहीं दिया गया है। आवेदनों की संख्या को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने अवकाश के दिन आदेश जारी कर काउंसिलिंग स्थगित कर दी थी।

■ कमेटी के पास आ रही दावा आपत्तियों में अधिकतर काउंसिलिंग में नाम पीछे आने की शिकायत

सूची पर दावा आपत्ति पेश करने बुधवार को अंतिम दिन है। सूत्रों के अनुसार, 100 के करीब दावा आपत्तियां आ चुकी हैं। इनमें से अधिकतर काउंसिलिंग सूची में क्रम को लेकर है। पदोन्नत होने वाले कई भावी प्राचार्यों का आरोप है कि काउंसिलिंग सूची में उनका नाम ऊपर होना चाहिए, लेकिन उनके नाम के आगे भी कई नाम दर्ज हैं। गौरतलब है कि काउंसिलिंग सूची में जो नाम ऊपर होते हैं, उन्हें पहले बुलाया जाता है। इसी क्रम में सारी काउंसिलिंग पूर्ण होती है। जिन्हें पहले आमंत्रित किया जाता है, उन्हें शाला चयन के लिए अपेक्षाकृत अधिक विकल्प मिलते हैं।

इसलिए उलझे शिक्षक

काउंसिलिंग 2:1:1 में होनी है। अर्थात 2 नियमित व्याख्याता, एक एलबी वर्ग के व्याख्याता और एक प्रधान पाठक को काउंसिलिंग के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इनमें भी पहले जल्द रिटायर होने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके पश्चात दिव्यांगों को, महिलाओं को तथा अंत में पुरूष कैंडिडेट को मौका मिलेगा। इस नियम को लेकर ही शिक्षकों में असमंजस की स्थिति है। एक वर्ग इस नियम की व्याख्या उचित रूप से नहीं समझ सके। उनके मुताबिक, पहले सभी नियमित व्याख्याताओं की काउंसिलिंग होनी चाहिए। इसके पश्चात एलबी वर्ग के व्याख्याताओं की और अंत में प्रधान पाठकों की। उनके अनुसार, काउंसिलिंग के लिए वरिष्ठता सूची भी इसी आधार पर जारी होनी थी। नियमों के इन फेर में उलझने के कारण ही बड़ी संख्या में दावा आपत्तियां आई हैं।

पीएससी ने अनुमोदित की है सूची

प्राचार्य पदोन्नति के लिए जारी की गई सूची में किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश ना रहे, इसलिए राज्य लोक सेवा आयोग की भी मदद ली गई है। प्राचार्यों की सूची पीएससी द्वारा अनुमोदित की गई है। इस सूची के माध्यम से ही ट्राइबल वर्ग के शिक्षकों को प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया जा चुका है। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, सूची में जिन नामों को प्राचार्य पद पर पदोन्नत करने शामिल किया गया है, उनमें अधिक विवाद नहीं है। दस्तावेजों के सत्यापन और विभागीय जांच-पड़ताल के बाद ही सूची तैयारी की गई है। छग शिक्षक संघ ने इनका निपटान जल्द करने की मांग की है। प्रांताध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, सूची पीएससी ने तैयार की है। जब इस सूची के आधार पर ट्राइबल वर्ग के शिक्षकों की काउंसिलिंग हो चुकी है, तो अन्य वर्ग में आपत्ति नहीं आनी चाहिए।

किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं : हाईकोर्ट

बिलासपुर। दयालबंद में सार्वजनिक आवागमन के रास्ते को कुछ लोगों द्वारा बंद करने पर मंगलवार को जिला प्रशासन ने हाईकोर्ट में कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें बताया कि रास्ते में बना निर्माण तोड़ दिया गया है। रास्ता आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। शासन की पेश रिपोर्ट में कहा गया है कि सीमांकन के बाद साफ हुआ है कि जमीन वाजिब-उल-अर्ज़ में दर्ज है। साथ ही कलेक्टर की ओर से कहा गया है कि इस तरह की किसी भी गलत हरकत पर नजर रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। कोर्ट ने मामले को मानिटरिंग के लिए रखा है। साथ ही कोर्ट ने इसका स्थायी समाधान करने के निर्देश दिए हैं ताकि दोबारा कोई इस तरह सार्वजनिक जमीन पर अतिक्रमण न कर सके। गौरतलब है कि कोर्ट ने पिछली सुनवाई में बिलासपुर कलेक्टर को व्यक्तिगत शपथपत्र प्रस्तुत कर बताने के निर्देश दिए थे।

उल्लेखनीय है कि दयालबंद पुल के नीचे रहने वाले 15 परिवारों के लिए इस्तेमाल होने वाले चिह्नित फुटपाथ को कुछ लोगों ने अवरुद्ध कर दिया। इन लोगों ने पहले उस जगह से लगी ज़मीन खरीदने की कोशिश की थी। विफल रहने पर उन्होंने वहां एक लोहे का गेट और दीवार खड़ी कर दी, जिस पर एक धमकी भरा नोट भी चिपका है कि उस रास्ते से गुजरने वालों को उचित उपचार दिया जाएगा। हरिभूमि ने इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। हाईकोर्ट ने इसे संज्ञान में लिया और आरोपियों के रवैए और धमकी देने पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त की थी। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि दीवार पर लिखा संदेश वस्तुतः राज्य के अधिकार के लिए एक सीधी चुनौती है, क्योंकि किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹91457/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹111700/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹121931/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels Pandri, Raipur

नर्सिंग काउंसलिंग प्रारंभ

बी.एस.सी (N), एम.एस.सी (N)

पोस्ट बेसिक बी.एस.सी (N)

ऑनलाइन चॉइस फिलिंग की तिथि

17-11-25 से 22-11-25 तक

श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स

7222910430/72

श्री रावतपुरा सरकार कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर

7222910473

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कुम्हारी

7222910451

रविशंकर इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग, नया रायपुर

7222910424

बड़े हमलों में शामिल हिड़मा

वर्ष 2010
दंतेवाड़ा हमले में 76 सीआरपीएफ जवान शहीद

वर्ष 2013
झीरम घाटी नरसंहार में 27 लोग मारे गए। जिनमें शीर्ष कांग्रेसी नेता शामिल

वर्ष 2021
सुकमा-बीजापुर मुठभेड़ में भी, जिसमें 22 सुरक्षा कर्मी शहीद हुए थे।

चार राज्यों में आतंक का पर्याय रहा मोस्ट वांटेड खूंखार नक्सली हिड़मा पत्नी भी ढेर

छत्तीसगढ़ समेत चार राज्यों में मोस्ट वांटेड खूंखार नक्सली कमांडर हिड़मा मारा गया। सुकमा जिला के पड़ोसी राज्य आंध्रप्रदेश की मारेडपल्ली घाटी में मंगलवार की सुबह चली मुठभेड़ में सुरक्षा जवानों ने सेंट्रल कमेटी मेंबर बटालियन नम्बर एक के कमांडर हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित 6 नक्सलियों को मार गिराया। हिड़मा वही खूंखार नक्सली था, जिसने दरभा घाटी में 26 कांग्रेसी नेताओं को एंबुश में फंसाकर मारा था। उसके खिलाफ कई संगीन मामले हैं। हिड़मा की मौत नक्सलवाद की बुनियाद हिलाने वाली है।

215 सुरक्षा जवानों समेत 350 की मौत का जिम्मेदार था हिड़मा

अबूझ आतंक का अंत!

मारा गया टॉप नक्सली कमांडर हिड़मा, दरभा नरसंहार समेत 26 बड़े हमलों में था शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/ कोंटा

आंध्र पुलिस ने रमपा सोडावारम में हिड़मा उसके पत्नी एवं अन्य नक्सलियों का शव रखा हुआ है। इस मुठभेड़ से छत्तीसगढ़ सहित आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा राज्य के पुलिस महकमे तथा खूफिया विभाग में खुशी का माहौल है। सुकमा जिला में दर्जनों बड़ी घटनाओं शामिल रहने वाले दुर्दांत नक्सली के मारे जाने बाद फटाके फोड़ आतिशबाजी कर नक्सलवाद मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। जानकारी के मुताबिक हिड़मा को हिड़मन्ना, हिड़मालू और देवा जैसे कई उपनामों से भी जाना जाता था। वह छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सक्रिय सबसे कुख्यात माओवादी कमांडरों में से एक था। सुकमा जिले के जगारगुंडा थाना क्षेत्र के पूवर्ती गांव का निवासी हिड़मा वर्ष 1991 में बाल संघम कैडर के रूप में भर्ती हुआ था।

खास खबर

उसके क्रूर और अमानवीय कृत्यों ने उसे सेंट्रल कमेटी में पहुंचा दिया और वह पीएलजीए की बटालियन नंबर एक का कमांडर बना, जो पूरे सीपीआई माओवादी संगठन की सबसे हिंसक इकाई मानी जाती है। हिड़मा कई दशकों तक बर्बर हमलों, हत्याओं और बड़े पैमाने की घात लगाकर की जाने वाली वारदातों को अंजाम दिया, जिससे दंडकारण्य क्षेत्र की शांति और स्थिरता पर लगातार गंभीर खतरा बना रहा। सरकार और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा ▶▶|शेष पेज 5 पर

छह राज्यों का इनामी नक्सली था हिड़मा

नक्सली हिड़मा छह राज्यों का इनामी नक्सली था उसकी गिरफ्तारी के लिए लाखों रुपयों का इनाम घोषित किया गया था। इसमें 40 लाख (छत्तीसगढ़) 50 लाख (महाराष्ट्र) 25 लाख (ओडिशा) 25 लाख (आंध्रप्रदेश) 25 लाख (तेलंगाना) 15 लाख (मध्यप्रदेश) शामिल है।

आंध्रप्रदेश के एडीजी व एसपी ने की पुष्टि

आंध्रप्रदेश के एडीजी महेश चंद्र लड्ढा एवं एसपी अमित बर्दर ने इस सफल ऑपरेशन के बाद पत्रकारों से कहा, छग में नक्सलियों के विरुद्ध चल रहे लगातार ऑपरेशनों के बीच आंध्रप्रदेश पुलिस को लगातार यह जानकारी मिल रही थी कि छग से नक्सली आंध्रप्रदेश के जंगलों एवं शहरों में अपना ठिकाना ढूंढ रहे है। बीते 15 दिनों से मिल रही जानकारी के अनुसार एएसआर के सुरक्षा बलों ने आज सुबह साढ़े छह बजे से साढ़े सात बजे तक मारेडपल्ली की उत्तर दिशा में नक्सलियों को घेरा और मुठभेड़ में छह ▶▶|शेष पेज 5 पर

एक नजर इधर भी

माओवादी आंदोलन को मिला करारा झटका

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पैट्टिलंगम ने बताया कि बस्तर में लगातार और समन्वित सुरक्षा दबाव के कारण माड़वी हिड़मा, राजे और उनका निकट समूह अपने सुरक्षित अड्डों को छोड़ने पर मजबूर हो गए थे। विश्वसनीय सूत्रों ने पुष्टि की थी कि वे पिछले कई महीनों से कारे गुट्टा पहाड़ियों और छत्तीसगढ़-तेलंगाना अंतरराज्यीय सीमा के आसपास छिपे हुए थे और दंडकारण्य में मिली लगातार पराजयों के बाद एक स्थान से दूसरे स्थान पर भागते फिर रहे थे। 18 नवम्बर को अल्लूरी ▶▶|शेष पेज 5 पर

हथियार व विस्फोटक एवं अन्य सामग्री बरामद

सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के बाद एके-47 राइफल 2, पिस्टल एक, रिवॉल्वर एक एवं सिंगल-बोर हथियार एक, विस्फोटक, डेटोनेटर और अन्य सामग्री बरामद की है। बरामद विस्फोटकों की प्रकृति और मात्रा स्पष्ट दर्शाती है कि हिड़मा और उसकी टीम सीमा क्षेत्र में बड़े प्रतिशोधात्मक हमलों की योजना बना रहे थे। उनकी निष्क्रियता से इन संभावित हमलों को रोका जा सका ▶▶|शेष पेज 5 पर

ऐसा रहा हिड़मा का सफर

16 की उम्र में थामा हथियार और संतोष से बन गया हिड़मा

खूंखार नक्सली माड़वी हिड़मा ने 16 की उम्र में नक्सली संगठन में शामिल होकर हथियार उठाया था। इसके बाद उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। छत्तीसगढ़ में हुई तमाम बड़ी नक्सली घटनाओं में वह शामिल रहा है। 43 की उम्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे का मार गिराया है। कुख्यात माओवादी कमांडर माड़वी हिडमा 26 घातक हमलों में शामिल रहा है। इसमें 76 सीआरपीएफ जवानों की हत्या से लेकर दरभा घाटी नरसंहार तक में उसका नाम शामिल है। लंबे समय से सुरक्षाबल उसकी तलाश कर रहे थे। ▶▶|शेष पेज 5 पर

बड़े हमलों में शामिल रहा हिड़मा

हिड़मा वर्ष 2010 दंतेवाड़ा हमले में 76 सीआरपीएफ जवान शहीद, वर्ष 2013 झीरम घाटी नरसंहार में 27 लोग मारे गए। जिनमें शीर्ष कांग्रेसी नेता शामिल एवं वर्ष 2021 सुकमा-बीजापुर मुठभेड़ में भी, जिसमें 22 सुरक्षा कर्मी शहीद हुए थे।

मां की पुकार नहीं सुनी

हिड़मा को मूल धारा में लौटने की अपील करते हुए उसकी मां ने मार्मिक पुकार लगाई थी। अपनी बोली में उसने कहा था- कहां पर हो कि आ जाओ कह रही हूं, नहीं आ रहा है तो मैं कैसे करूं, कहीं आसपास रहने से ढूढ़ने भी जाती जंगल में। और क्या कहूं बेटा, आजा। नहीं आ रहा है तो मैं कैसे करूं आ जा ही बोल रही हूं। घर आजा बोल रही हूं। ढूढ़ने जाती आसपास कहीं रहने से जाकर ले आती। कहां हो कि बेटा घर आ जाओ, कमाई करके खाएंगे, जियेंगे यहां। जनता के साथ जी लेना आ जाओ। मां की यह पुकार रह गई अधूरी।

बस्तर में लौट रहा शांति का वसंत...

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, छत्तीसगढ़–आंध्र प्रदेश सीमा पर सुरक्षाबलों के सफल ऑपरेशन में शीर्ष नक्सली लीडर और सीसी मेम्बर माडवी हिड़मा सहित छह नक्सलियों का न्यूट्रलाइज होना नक्सलवाद के विरुद्ध हमारी लड़ाई में एक निर्णायक उपलब्धि है। इसके लिए हमारे सुरक्षाबल के जवानों के अदम्य साहस को नमन। हिड़मा वर्षों से बस्तर में रक्तपात, हिंसा और दहशत का चेहरा था। आज उसका अंत न सिर्फ एक ऑपरेशन की उपलब्धि है, बल्कि लाल आतंक पर गहरी चोट है, साथ ही यह क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता को और सशक्त करता है। बीते महीनों में सैकड़ों नक्सलियों का आत्मसमर्पण, टॉप कैडर की गिरफ्तारियाँ और लगातार सफल ऑपरेशन्स बताते हैं कि नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में हमारी सुशासन सरकार बस्तर में शांति, विश्वास और विकास की नई धारा बहा रही है। नियद नेल्ला नार, नक्सलियों के लिए पुनर्वास नीति, नवीन सुरक्षा कैंप की स्थापना, इन कदमों ने जनविश्वास को मजबूत किया है और बस्तर के हर गांव में नया आत्मविश्वास भरा है। हमें पूरा विश्वास है कि केंद्र–राज्य की संयुक्त रणनीति के साथ मार्च 2026 तक भारत पूर्णतः नक्सलमुक्त होगा।

पाकिस्तान के आईएसआईएस से जुड़े रायपुर-भिलाई के दो नाबालिगों को एटीएस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कई संवेदनशील क्षेत्रों का नक्शा बरामद

आतंकवाद विरोधी गतिविधियों में एटीएस की पहली एफआईआर

सोशल मीडिया के माध्यम से भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के मिले प्रमाण

आतंकवाद विरोधी दस्ता (एटीएस) ने आईएसआईएस से जुड़े दो किशोरों को भिलाई तथा टिकरापारा थाना क्षेत्र से पकड़ा है। इन किशोरों के भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। किशोरों को आतंकी गतिविधियों में शामिल आईएसआईएस ने इस्लामिक शिक्षा देने के नाम पर ब्रेन वाश कर अपने झांसे में लिया था। दोनों किशोरों को आतंकी संगठन ने सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क कर अपने जाल में फंसाया है।

खास खबर

सूत्रों के मुताबिक सोशल मीडिया की निगरानी के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम में कई छद्म नाम से अकाउंट संचालित करने वालों के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद उनसे जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटाई गई तो रायपुर तथा भिलाई के दो किशोरों के नाम सामने आए। उन दोनों किशोरों के आईपी एड्रेस ट्रेस कर एटीएस ने दोनों को रविवार को उठाया। पता चला है, आईएसआईएस ने दोनों किशोरों को धार्मिक शिक्षा देने के नाम पर भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल करने राजी कर लिया था।

एटीएस ने जिन दो किशोरों को उठाया है, उनके लैपटॉप तथा मोबाइल से कई आपत्तिजनक सामग्री मिली हैं। सभी सामग्री पाकिस्तान से भेजी गई हैं। छात्रों को अपने धर्म के प्रति समर्पित होकर कार्य करने निर्देश दिए गए थे। सूत्रों के मुताबिक आतंकी संगठन दोनों किशोरों की ▶▶|शेष पेज 5 पर

आने वाले दिनों में और लोगों पर कसेगा शिकंजा

एटीएस सूत्रों के मुताबिक दोनों से पूछताछ में और लड़कों के नाम सामने आए हैं। इनको पकड़े गए किशोरों ने सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क कर अपने साथ जोड़ा है। आने वाले दिनों में एटीएस आईएसआईएस नेटवर्क से जुड़े और लोगों को गिरफ्तार कर सकती है।

धार्मिक उन्माद फैलाने के निर्देश

पाकिस्तान से जुड़े आतंकी संगठन के कहने पर दोनों लड़कों को धार्मिक आयोजन पर उन्माद फैलाने निर्देश दिए गए थे। इसके अलावा सोशल मीडिया के माध्यम से अपने हम विचार लोगों को जोड़ने के लिए कहा गया था। साथ ही छद्म नाम से आईडी बनाकर अपने संपर्क तेज करने निर्देश दिए गए थे। एटीएस सूत्रों के मुताबिक आईएसआईएस ने दोनों किशोरों को संवेदनशील जगहों की नक्शा भेजने के लिए कहा था। पकड़े गए दोनों किशोरों के कब्जे से एटीएस ने संवेदनशील स्थानों का नक्शा जब्त किया था। नक्शा तथा जानकारी किशोरों के लैपटॉप में स्टोर था।

एटीएस की पहली एफआईआर

छत्तीसगढ़ में एटीएस का गठन वर्ष 2017 में हुआ है। आतंवाद विरोधी गतिविधियों में एटीएस की यह पहली एफआईआर है। इसके पूर्व एटीएस जो कार्रवाई करती थी, मामले की जांच पूरी करने के बाद केस थाना के सुपुर्द कर देती थी। एटीएस की कार्रवाई के आधार पर आने वाले दिनों में एनआईए की टीम भी जांच में शामिल हो सकती है

साबरमती जेल में वारदात

रिसिन जहर मामले में बंद आतंकी को कैदियों ने पीटा

एजेंसी ▶▶| साबरमती

गुजरात की साबरमती जेल में कैदियों रिसीन जहर से लोगों को मारने की साजिश रचने के आरोप में बंद (इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत) आईएसकेपी से जुड़े आतंकी डॉ. अहमद पर जेल में हमला हुआ है। जानकारी के मुताबिक, हाई सिक्यूरिटी सेल में बंद अन्य कैदियों ने उस पर अचानक हमला कर दिया और उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी। सूत्रों के अनुसार, ▶▶|शेष पेज 5 पर

आठ नवंबर को आतंकी हुए थे गिरफ्तार

गौरतलब है कि 8 नवंबर को गुजरात एटीएस ने डॉ. अहमद समेत आईएसकेपी के दो और आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इन पर देश में जहरीले पदार्थ का इस्तेमाल करके बड़े पैमाने पर लोगों को मारने की योजना बनाने का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट का फरमान

बाघों के निवास वाले हिस्से में टाइगर सफारी बैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह और ए.एस. चंदुरकर की पीठ द्वारा एक ऐतिहासिक आदेश पारित किया गया है। इस आदेश में देशभर के वन प्रबंधन, टाइगर रिज़र्व संचालन और मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित परिवारों के लिए नई दिशा तय कर दी है। आदेश में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं, जिनमें ▶▶|शेष पेज 5 पर

बफर जोन में कुछ गतिविधियां बंद, कुछ चलेंगी

बफर और फ्रिंज क्षेत्रों में प्रमुख गतिविधियां जिस पर रोक रहेगी जैसे वाणिज्यिक खनन, प्रदूषणकारी उद्योग, वाणिज्यिक जलाऊ लकड़ी का उपयोग, प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएं, खतरनाक पदार्थ का उत्पादन, कम उड़ान वाले विमान और पर्यटन विमान।

एक पते से 9 शेल कंपनियां, जिनका कोई रिकॉर्ड नहीं, अल-फलाह के 25 ठिकानों पर ईडी की रेड

नई दिल्ली। दिल्ली लालकिला ब्लास्ट को लेकर जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसियों ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े व्यक्तियों के 25 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच के दौरान टीम को कई अनियमितताएं मिलीं। जिसमें 9 शेल कंपनियां एक ही पते पर रजिस्टर्ड पाई गईं। कई कंपनियों में एक ही ▶▶|शेष पेज 5 पर

अलफलाह के फाउंडर को ईडी ने किया अरेस्ट

प्रवर्तन निदेशालय ने अल फलाह यूनिवर्सिटी के फाउंडर जवाद अहमद सिद्दीकी को मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया है। ईडी इस मामले में और जांच कर रही है।

75 लाख वेबसाइट्स पर असर

क्लाउडफ्लेयर डाउन होने से दुनिया भर में चैटजीपीटी और एक्स हुआ घंटों बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स मंगलवार को अचानक से डाउन हो गया। जिसके बाद यूजर्स को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बता दें कि भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में एक्स अचानक ठप पड़ गया। इसके अलावा एडब्ल्यूएस और क्लाउडफ्लेयर सर्विस भी प्रभावित हुई। एक्स वेबसाइट और ऐप के खोलने पर पेज 'रिफ्रेश' करने को कहा जा रहा था। जिसके बाद कुछ समय के लिए ठीक हुआ लेकिन बाद में फिर डाउन हो गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, एआई चैटबॉट चैटजीपीटी और कैनवा की सर्विसेज देशभर में करीब 2 घंटे से ज्यादा बंद रहीं। ये सर्विसेज ▶▶|शेष पेज 5 पर

खास खबर

जानकारी देने वाली वेबसाइट भी हुई बंद

सर्वर डाउन होने की जानकारी देने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर भी बंद है। सर्वर प्रोवाइडर क्लाउडफ्लेयर के डाउन होने के कारण यह दिक्कत आई है। सर्वर डाउन होने के कारण भारत समेत दुनियाभर में यूजर्स को लॉगिन, साइनअप, पोस्ट करने और देखने के अलावा प्रीमियम सर्विसेज सहित प्रमुख सुविधाओं का उपयोग करने में दिक्कत महसूस हुई।

नाराज शिंदे सेना के कई मंत्री कैबिनेट बैठक में नहीं हुए शामिल

पार्टी कार्यकर्ताओं को भाजपा में शामिल कराने का लगाया आरोप

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भाजपा और शिवसेना के बीच की तल्खियां और इतनी बढ़ गई है। आलम ये है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की कैबिनेट बैठक में एकनाथ शिंदे के अलावा शिवसेना का एक भी मंत्री इस बैठक में नहीं पहुंचा। जिसके बाद महाराष्ट्र में सियासी गलियारों में हलचल मच गई है। माना जा रहा है कि शिंदे गुट और भाजपा के बीच पिछले कई दिनों से मनमुटाव चल रहा है। दरअसल, कैबिनेट मीटिंग मंत्रालय भवन की सातवीं मंजिल पर होती है, जबकि शिवसेना के सभी मंत्री छठी मंजिल पर स्थित मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर में मौजूद थे उन्होंने कैबिनेट बैठक में हिस्सा नहीं लिया।

ऐसे बढ़ा तनाव

दरअसल, अब महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले बीजेपी अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। राज्य के कई जिलों में विभिन्न पार्टियों के कार्यकर्ता और नेता बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। इसी क्रम में, कल्याण-डोंबिवली में शिवसेना के दोनों गुटों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल हो गए, जिससे शिवसेना (शिंदे गुट) और बीजेपी के बीच तनाव उत्पन्न हो गया। इस घटना के विरोध में, ऐसी खबरें थीं कि शिवसेना के मंत्रियों ने 18 नवंबर को मुंबई में हुई कैबिनेट बैठक का बहिष्कार किया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को छोड़कर शिवसेना का कोई भी मंत्री इस बैठक में मौजूद नहीं था।

बावनकुले की आई सफाई

विवाद की खबरों को हालांकि, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य भर में स्थानीय निकाय चुनावों की सरगर्मी है और कई मंत्रियों को विभिन्न जिलों का प्रभार सौंपा गया है। बावनकुले के अनुसार, 'कई मंत्री अपने-अपने जिलों में व्यस्त हैं, जिसके कारण आज की बैठक में तीनों पार्टियों के मंत्रियों की संख्या कम थी। मंत्रियों की अनुपस्थिति का कोई और कारण नहीं था।' उन्होंने आगे बताया कि इन मंत्रियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अनुमति ली थी और उसके बाद ही वे अपने-अपने क्षेत्रों में गए थे।

शिवसेना के ये नेता भाजपा में शामिल

महाराष्ट्र की राजनीति में बीते रविवार को उस समय बड़ा उलटफेर देखने को मिला था जब शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के मुख्य यूथ लीडर दीपेश महात्रे अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। महाराष्ट्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने उनका स्वागत किया। माना जा रहा था कि इससे न सिर्फ शिवसेना यूबीटी को झटका लगा। साथ ही शिवसेना के दूसरे गुट को भी नुकसान पहुंचा. नाराजगी की शुरुआत यहीं से हुई थी। वहीं, भाजपा को ज्वाइन करने वालों में एक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व निगम पार्षद संतोष केने में शामिल थे।

खबर संक्षेप

180 किमी के रफ्तार से दौड़ी वंदे भारत स्लीपर

नई दिल्ली। आरडीएसओ ने दूसरे वंदे भारत स्लीपर रेक का ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह नई ट्रेन बीईएमएल द्वारा आईसीएफ टेक्नॉलाजी का इस्तेमाल करके विकसित की गई है। इस नई सेमी-हाई-स्पीड स्लीपर ट्रेन से पूरे भारत में लंबी दूरी की रेल यात्रा में बड़े बदलाव आने की उम्मीद है। परीक्षणों के दौरान तीन रेलवे जोन में 16-कोच वाले प्रोटोटाइप स्लीपर रेक-2 पर कई गति पर विस्तृत ऑसिलेशन ट्रायल और आपातकालीन ब्रेकिंग डिस्टेंस परीक्षण किए।

सोनभद्र हादसा : रेस्क्यू बंद, 7 शव बरामद

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के ओबरा स्थित बिल्ली-मारकुंडी खनन क्षेत्र में बीते 15 नवंबर को हुए हादसे के बाद करीब 72 घंटे से चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन आज बंद कर दिया गया। इस बचाव कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सीआईएसएफ और स्थानीय पुलिस के साथ-साथ ग्रामीण भी शामिल थे। सोनभद्र के डीएम बद्रीनाथ सिंह के मुताबिक अभी तक 7 शवों को बरामद किया गया है। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने पूरी खदान की दो बार जांच की। डीएम बद्रीनाथ सिंह ने पुष्टि की कि मलबे के नीचे से सात शवों के अलावा और कोई डेड बॉडी या घायल व्यक्ति नहीं मिला है।

एनडीए की आठवीं सरकार के गठन की प्रक्रिया हुई तेज

नीतीश 20 मंत्रियों के साथ कल लेंगे शपथ, मिनिस्टर भी हो गए तय!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की आठवीं सरकार के गठन की प्रक्रिया बुधवार को विधायक दल का नेता चुनने के बाद तेजी हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि नीतीश 20 नवंबर को एनडीए के पांच दलों के लगभग 20 मंत्रियों के साथ दसवीं बार बिहार के सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। 202 विधायकों की जीत से एनडीए के पास दो तिहाई से भी ज्यादा बहुमत है, लेकिन विधानसभा में बहुमत परीक्षण (फ्लोर टेस्ट) की औपचारिकता पूरी करने के बाद कैबिनेट विस्तार में बाकी को मौका मिलेगा। नीतीश के साथ शपथ लेने वाले मिनिस्टर की संख्या और सूची पर दिल्ली में भाजपा नेता और गृहमंत्री अमित शाह के साथ जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की मुलाकात हुई है।

भाजपा ने केशव मौर्य को बनाया पर्यवेक्षक | गृहमंत्री शाह बुधवार को पहुंच रहे पटना

शाह करेंगे लिस्ट फाइनल

नीतीश की नई सरकार में डिप्टी सीएम की संख्या और नेता पर भी अमित शाह के साथ चर्चा की संभावना है। अमित शाह शपथ ग्रहण से एक दिन पहले बुधवार की शाम को ही पटना पहुंच रहे हैं। माना जा रहा है कि सरकार में शामिल होने वाले बीजेपी के मंत्रियों की लिस्ट को अमित शाह पटना आकर फाइनल करेंगे। बीजेपी ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को बिहार का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। उनके साथ अर्जुन राम मेघवाल, साध्वी निरंजन ज्योति को सह–पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

भाजपा जदयू से होंगे 14-16 मंत्री

सूत्रों का कहना है कि सरकार गठन के पुराने तौर-तरीकों से पहले फ्लोर टेस्ट होगा और फिर कैबिनेट विस्तार में खाली जगह भरे जाएंगे। 20 मंत्रियों की लिस्ट में बीजेपी व जेडीयू से कुल 14-16 मंत्री हो सकते हैं जबकि पासवान, मांझी और कुशवाहा के कुल 4 मिनिस्टर बन सकते हैं।

गृहमंत्रालय पर रस्साकशी

जानकारी के मुताबिक एनडीए गठबंधन की प्रमुख पार्टियां बीजेपी, जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी के बीच मंत्रालयों का बंटवारा लगभग हो चुका है, लेकिन बिहार के 'पावर सेंटर' यानी गृह मंत्रालय पर पेंच फंसा हुआ है, जिसे लेकर अभी तक एनडीए गठबंधन किसी भी नतीजे पर नहीं पहुंच सका है। गृह मंत्रालय नीतीश कुमार की राजनीतिक मजबूती का 'कोर सेंटर' माना जाता है। 2005 से लेकर अब तक वे गृह विभाग को अपने नियंत्रण में रखते आए हैं और यही वजह है कि वे इसे छोड़ने के मूड में नहीं हैं।

डिप्टी सीएम की रेस में कौन आगे?

डिप्टी सीएम की दौड़ में एक बार फिर सम्राट चौधरी का नाम आगे है। उन्हें विधायक दल का नेता भी बनाया जा सकता है। दूसरी तरफ अगड़ी जाति से डिप्टी सीएम बनने की उम्मीद के चलते नीतीश मिश्रा, नितिन नवीन और मंगल पांडे जैसे चेहरों के नाम भी चर्चा में हैं।

स्पीकर किसे बनाया जाएगा?

स्पीकर पद के लिए प्रेम कुमार और राम कृपाल यादव जैसे नाम सामने आ रहे हैं। वहीं, एक्सपेरिमेंट के तौर पर दीघा के पहली बार के विधायक संजीव चौरसिया को भी स्पीकर बनाया जा सकता है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह साफ नहीं है और कई नाम दौड़ में चल रहे हैं।

यूनुस सरकार का फैसला

हसीना के खिलाफ इंटरपोल की मदद लेगा बांग्लादेश

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में राजनीतिक हलचल एक नई दिशा ले चुकी है। इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान को मौत की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद अब उन्हें देश वापस लाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। प्रॉसिक्यूटर गाजी मुनावर हुसैन तमीम ने आज बताया कि प्रॉसिक्यूशन इंटरपोल की सहायता लेने के लिए अपनी पुरानी अर्जी अपडेट कर रहा है। जल्द ही विदेश मंत्रालय के माध्यम से एक नया अनुरोध भेजा जाएगा, जिसके आधार पर इंटरपोल नोटिस जारी किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा, 'इस प्रक्रिया पर काम शुरू हो चुका है।'

मौत की सजा सुनाई गई है हसीना को : ट्रिब्यूनल-1 ने शेख हसीना और असदुज्जमान को पिछले साल जुलाई में हुए जनविद्रोह के दौरान कथित मानवता-विरोधी अपराधों के लिए दोषी करार दिया है। दोनों नेताओं को गैरहाजिर रहने पर मौत की सजा सुनाई गई, जबकि उस वक्त देश के पुलिस प्रमुख रहे चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को पांच साल की सजा दी गई।

प्रत्यर्पण पर भारत ने यह कहा

बांग्लादेश द्वारा भारत सरकार से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग पर भारत सरकार ने टिप्पणी नहीं की है। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संबंध में बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा सुनाए गए फैसले पर ध्यान दिया है। हम इस दिशा में सभी हितधारकों के साथ हमेशा रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।' क्या भारत हसीना को प्रत्यर्पित करेगा?

आतंकवाद को लेकर नहीं चलेगी कोई लीपापोती

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली। लालकिले के पास हुए बम धमाके के बाद विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर शंघाई सहयोग संगठन के मंच से पाकिस्तान सहित पूरी दुनिया को एक कड़ा संदेश दिया है। जिसमें उन्होंने कहा कि आतंकवाद पर किसी भी तरह की कोई लीपापोती, बहाना या सफाई नहीं दी जा सकती है। विश्व को आतंकवाद को उसके तमाम रूपों और अभिव्यक्तियों के साथ किसी भी सूरत में कतई बर्दाश्त न करने की नीति यानी शून्य सहिष्णुता को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना चाहिए।

दिल्ली के रामलीला मैदान में

दिसंबर में एसआईआर के खिलाफ होगी विशाल रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने चुनाव आयोग द्वारा भाजपा के इशारे पर की जा रही विशेष गहन पुणरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान करते हुए फैसला लिया है कि दिसंबर माह में दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली आयोजित की जाएगी। यह फैसला इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई बैठक में लिया गया। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया वाले 12 राज्यों से संबंधित सीडब्ल्यूसी सदस्यों, प्रदेश अध्यक्षों, विधायक दल के नेताओं, महासचिवों, प्रभारियों और प्रभारी सचिवों ने हिस्सा लिया।

बैठक के उपरांत कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल और पार्टी के मीडिया एवं पब्लिसिटी के चेयरमैन पवन खेड़ा ने बताया कि दिसंबर के पहले सप्ताह में यह रैली कर चुनाव आयोग के राजनीतिकरण का पर्दाफाश किया जाएगा।

खड़गे ने निष्पक्षता पर उठाए सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ रणनीति समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद खड़गे ने कहा किएसआईआर प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग का रवैया अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को तुरंत यह सिद्ध करना होगा कि वह सत्ताधारी दल के दबाव या प्रभाव में नहीं, बल्कि अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों और जनहित के प्रति उत्तरदायी है।

एनआईए कसेगी शिकंजा, भारत में है मोस्ट वांटेड

लॉरेंस बिश्नोई का 'पावर सेंटर' खत्म, भाई अनमोल डिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए अमेरिका से एक बहुत बड़ी बुरी खबर आई है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई जिसे पावर सेंटर माना जाता था, उसे अमेरिका ने मंगलवार को भारत डिपोर्ट कर दिया है। अनमोल बिश्नोई महाराष्ट्र के विधायक बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में एक अहम साजिशकर्ता है। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने खुद सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को इस डिपोर्टेशन की जानकारी दी है। जीशान ने एक ईमेल का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें साफ लिखा है, 'यह ईमेल आपको सूचित करने के लिए है कि संघीय सरकार द्वारा अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से हटा दिया गया है। अपराधी को 18 नवंबर 2025 को हटाया गया।'

अनमोल पर दर्ज हैं 18 संगीन मामले

अनमोल बिश्नोई भारत में कई गंभीर और हिंसक अपराधों को लेकर वांटेड है। इसमें अक्टूबर 2024 में हुए बाबा सिद्दीकी की हत्या और मई 2022 में पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या शामिल है। इसके अलावा, अप्रैल 2024 में बॉलीवुड स्टार सलमान खान के मुंबई वाले घर के बाहर हुई फायरिंग के सिलसिले में भी उसकी तलाश है। पिछले साल नवंबर में, अनमोल को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • कैमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैटनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास
M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. नमित नंदे
MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. रजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डायबिटिज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:- 7987119756, 9303508130

रायपुर, बुधवार 19 नवंबर 2025 | अगहन कृष्ण पक्ष अमावस्या | वर्ष : 24, अंक : 121 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ह्यूमन ट्रैफिकिंग...6 साल बाद मिली आजादी, अंधेरे कमरे में रखते थे, सूर्यास्त के बाद भोजन नहीं

तीन महीने पहले जिस मशरूम यूनिट से बाल मजदूर मुक्त कराए गए, वहां फिर मिले 120 बाल मजदूर

11 साल की उम्र में लाया गया था बच्चों को, अब भी नाबालिग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सोमवार देर रात रायपुर के आउटर में मशरूम फैक्ट्री से मुक्त कराए गए बाल मजदूरों के बारे में चौंकाने वाली दर्दनाक जानकारी सामने आई है। ये बाल मजदूर ह्यूमन ट्रैफिकिंग का शिकार हुए हैं। इनमें से अधिकतर को 11 साल की उम्र में यहां लाया गया था। अधिकतर अब भी नाबालिग हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस व ⏭शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

कई बच्चे कुपोषित

एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन का कहना है कि इन बच्चों का गंभीर रूप से शोषण हो रहा था। उनकी आवाजाही पर पाबंदी थी और उन्हें डरा-धमकाकर रखा जाता था। उन्हें जिन कमरों में ठहराया गया था, उनमें से अधिकतर में रोशनी की कोई व्यवस्था नहीं थी। इसके अलावा रात को उन्हें खाना कभी-कभी ही मिलता था। एक समय ही भोजन मिलने के कारण कई बच्चे कुपोषित रह गए हैं। एवीए ने लगभग बंधुआ मजदूर जैसे हालत में रखे ⏭शेष पेज 5 पर

दिनभर चलती रही काउंसिलिंग

सोमवार देर रात फैक्ट्री से बच्चों को छुड़वाने के बाद उन्हें माना के बाल कल्याण गृह में रखा गया था। इतनी बड़ी संख्या में बाल मजदूर मिलने से अधिकारी और कर्मचारी भी हैरान रहे। मंगलवार सुबह से इन बच्चों की काउंसिलिंग शुरू की गई। देर रात तक बच्चों की काउंसिलिंग की जाती रही, जहां उनसे उनके परिवार सहित अन्य व्यक्तिगत जानकारियां ली गई। फैक्ट्री में हो रही यातनाओं के विषय में भी बच्चों ने विस्तार से काउंसलर्स को बताया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

हाईटेक स्वदेशी चिप के साथ आया नया 'ई-पासपोर्ट'

नई दिल्ली। भारत ने तकनीक की मदद से 'ई-पासपोर्ट' बनाने का काम बड़े पैमाने पर शुरू कर दिया है। स्वदेश में बनाई गई इस हाईटेक चिप के कारण हवाईअड्डों पर मौजूद सिस्टम में चिप को लगाते ही उसमें मौजूद व्यक्ति के डेटा का वेरिफिकेशन हो जाएगा। कोई भी दो पासपोर्ट नहीं बनवा सकेगा। इस प्रक्रिया के साथ ही पुराने पासपोर्ट 2035 तक या अपनी वैधता की पुरानी समय अवधि तक मान्य रहेंगे।

दंपति समेत पांच गिरफ्तार 22 किलो हेरोइन जब्त

जम्मू। जम्मू कश्मीर के जम्मू, उधमपुर और पुंछ जिलों में विभिन्न स्थानों से एक दंपति समेत पांच कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि अमजद खान उर्फ तैया और उसकी पत्नी शमशाद अख्तर उर्फ पुट्टी को जम्मू के बिश्नाह के सकिंदरपुर कोठी इलाके में मादक पदार्थ के संदिग्ध अड्डे से गिरफ्तार किया गया।

विधानसभा के पुराने भवन में 25 साल की यादगारी पर होती रही चर्चा

अजय चंद्राकर ने कहा- रमन का कार्यकाल स्वर्णिम

विधानसभा के पुराने भवन के आखिरी सत्र में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा, अब बिजली बिल हॉफ योजना की सीमा को 100 यूनिट से बढ़ाकर 200 यूनिट किया जाएगा। इससे प्रदेश के 42 लाख बिजली उपभोक्ताओं को फायदा होगा। राज्य सरकार ने विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाते हुए कई बड़े निर्णयों और उपलब्धियों की जानकारी सार्वजनिक की है।

पुराने विस भवन में आखिरी सत्र, साय का बड़ा ऐलान, अब 200 यूनिट तक बिजली बिल हॉफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा के विशेष सत्र में नई बिजली योजना की घोषणा की। अब प्रदेश के ऐसे घरेलू उपभोक्ताओं को जिनका 200 यूनिट तक विद्युत खपत है उन्हें 200 यूनिट तक हाफ बिजली का पूरा लाभ प्राप्त होगा। इस निर्णय से राज्य के 36 लाख घरेलू उपभोक्ता सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। 200 से 400 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को भी अगले 1 वर्ष तक 200 यूनिट तक हॉफ बिजली बिल का लाभ मिलेगा, इससे 6 लाख उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इन उपभोक्ताओं को 1 वर्ष ⏭शेष पेज 5 पर

खास खबर

25 साल के सफर को किया याद

विधानसभा के विशेष सत्र में राज्य के 25 वर्ष के सफर पर चर्चा के दौरान किए गए कार्यों को याद किया गया। इसकी शुरुआत भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने की। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल को स्वर्णिम युग बताया। उन्होंने सदन में मौजूद ⏭शेष पेज 5 पर

नमन तुझे मेरी विधानसभा....

कुछ इस तरह विदाई दी विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने।

डॉ. रमन का कार्यकाल स्वर्णिम युग

श्री चंद्राकर ने कहा, उसके बाद भाजपा की सरकार आई, डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने। डॉक्टर रमन सही में डॉक्टर हैं, उन्होंने राज्य की नब्ज पकड़ ली। तीन कार्यकाल में 15 साल राज्य की जनता को 1 रुपए किलो में चावल और जीरो प्रतिशत ब्याज का ऐतिहासिक निर्णय लिया। राज्य को शून्य से उठाकर ऊंचाई तक ले गए। रमन के कार्यकाल को उन्होंने स्वर्णिम युग बताया।

संसदीय यात्रा का इतिहास लिखने जा रहा छत्तीसगढ़-महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, छत्तीसगढ़ विधान सभा भी अपने 25 वर्षों की संसदीय यात्रा उच्च आदर्शों एवं परम्पराओं के पालन में प्रदेश एवं देश के लिए मिशाल कायम की है। छत्तीसगढ़ विधान सभा अपने 25 वर्ष के संसदीय यात्रा के दौरान आयोजित संसदीय, सांस्कृतिक एवं अन्य प्रशासनिक कार्यक्रमों के आयोजन में सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष के नेता को उनकी गरिमा के अनुरूप स्थान एवं महत्व प्रदान करता रहा है। अधिपत्य में लेकर 25 वर्षों तक प्रदेश की षष्ठम विधान सभा का सांतवा सत्र आज इस ⏭शेष पेज 5 पर

लखमा को जेल भेजे जाने पर उठाए सवाल

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने जेल में बंद कोंटा विधायक कवासी लखमा को याद किया। उन्होंने लखमा को जेल भेजे जाने को लेकर भी सवाल किया। उन्होंने कहा, इस गौरवशाली पल में हमारे विधायक साथी कवासी लखमा नहीं हैं। कौन से गंभीर अपराध में जेल भेजा गया है? चाहते तो उनको यहां लाया जा सकता था।

नए भवन में शीत सत्र 14 से पुराने भवन की हुई विदाई

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र दिसंबर में आयोजित किया जाएगा। वहीं एक दिन के विशेष सत्र में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पुराने भवन को विदाई दी गई।

- नए विधानसभा में सत्र की शुरुआत रविवार को, चार दिन का रखा सत्र

छत्तीसगढ़ विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र में पुराने भवन को विदाई दी गई। अब छत्तीसगढ़ विधानसभा का कार्यकाल नए भवन में संचालित होगा, इसके लिए एक दिन के विशेष सत्र में नए भवन में संचालन का प्रस्ताव भी पास किया गया, जिस पर सभी ने सहमति जताई। वहीं छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तारीख भी तय ⏭शेष पेज 5 पर

4 दिन चलेगा शीतकालीन सत्र

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 4 दिनों तक आयोजित होगा, जो 14 से 17 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें अलग-अलग विषयों पर चर्चा होगी। यह सत्र नए विधानसभा भवन में आयोजित होगा। सत्र के पहले दिन 'विकसित भारत 2047' विषय पर भी चर्चा होगी।

विदा हुआ पुराना भवन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने संवाददाताओं से चर्चा में बताया कि अब से नियमित शीतकालीन सत्र नए विधानसभा भवन में ही आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कार्य संचालन को पूर्ण रूप से नए भवन में शिफ्ट करने का प्रस्ताव भी सदन में रखा, जिस पर चर्चा की गई। विशेष सत्र के अंत में मौजूदा सभी विधायकों का एक समूह फोटो लिया गया, जिसे विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ का प्रतीकात्मक दस्तावेज माना जाएगा।

गुजरात में दर्दनाक हादसा

एम्बुलेंस में लगी आग, नवजात पिता, डॉक्टर समेत 4 जिंदा जले

एजेंसी ⏭ सूरत

गुजरात के अरवल्ली जिले के मोडासा शहर के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां एक चलती एम्बुलेंस में आग लग गई, जिसमें एक नवजात शिशु, उसका पिता, एक डॉक्टर और एक नर्स की जलने से मौत हो गई। पुलिस निरीक्षक डीबी वाला ने बताया कि मोडासा-धनसुरा रोड पर एम्बुलेंस में आग रात करीब एक बजे लगी, जब जन्म के बाद बीमार नवजात बच्चे को आगे के इलाज के लिए मोडासा स्थित एक अस्पताल से अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया जा रहा था। चालक और मोची के दो रिश्तेदार, घायल होने से बच गए।

हादसे में इनकी हुई मौत

इस हादसे में बच्चे, उसके पिता जिग्नेश मोची, अहमदाबाद निवासी डॉक्टर शांतिलाल रेंतिया और अरवल्ली निवासी नर्स भूरीबेन मनात की मौत हुई है। मोची के दो रिश्तेदार, निजी एम्बुलेंस चालक और तीन अन्य लोग झुलस गए है। उन्हें पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सऊदी में ही दफनाए जाएंगे हादसे में मृत 45 भारतीयों के शव

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- मुआवजा भी मुश्किल, भारत से भेजे गए परिजन

सऊदी अरब के मक्का–मदीना हाईवे पर रविवार देर रात हुए भीषण बस हादसे में जान गंवाने वाले 45 भारतीय नागरिकों के शव अब भारत नहीं लाए जाएंगे। ये सभी उमरा यात्रा के लिए सऊदी गए थे। तेलंगाना मंत्रिमंडल ने घोषणा की है कि मारे गए सभी भारतीयों को उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार सऊदी अरब में ही दफनाया जाएगा। इसके लिए हर पीड़ित परिवार से दो लोगों को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सऊदी भेजा गया।

सीआरपीएफ स्कूलों समेत दो कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में एक फिर से दो सीआरपीएफ स्कूलों और दो कोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिन स्थानों के लिए धमकी मिली उनमें द्वारका का सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल, प्रशांत विहार का सीआरपीएफ स्कूल, साकेत कोर्ट परिसर व रोहिणी कोर्ट परिसर शामिल हैं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

धमकी जैश-ए-मोहम्मद के नाम से भेजी गई

सूत्रों के मुताबिक, धमकी भरा ईमेल जैश-ए-मोहम्मद नाम के आतंकी संगठन की ओर से भेजा गया बताया जा रहा है। इससे सुरक्षा एजेंसियां और ज्यादा सतर्क हो गई हैं। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ईमेल की तकनीकी जांच कर रही है।

तुरंत खाली कराए गए पूरे क्षेत्र

धमकी की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीमें तुरंत घटनास्थलों पर पहुंच गईं। दोनों स्कूलों और कोर्ट को एहतियात के तौर पर खाली कराया गया। पूरे परिसर में सघन तलाशी ली गई। जांच में किसी भी स्कूल या कोर्ट से कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

एनटीए ने बढ़ाई अंतिम तिथि

सीमैट के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अब 24 तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीमैट 2026 में शामिल होने का मौका उम्मीदवारों के लिए अब और बढ़ गया है। बता दें कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि आगे बढ़ा दी है। ऐसे उम्मीदवार जो अब तक आवेदन नहीं कर सके थे, वे अब निर्धारित नई तिथि तक अपना फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन से जुड़ी विस्तृत जानकारी और आधिकारिक नोटिस उम्मीदवार सीएमएटी की वेबसाइट cmat.nta.nic.in पर जाकर देख सकते हैं। इसके अलावा, आवेदन शुल्क का अंतिम भुगतान भी 24 नवंबर तक किया जा सकेगा।

नई अंतिम तिथि 24 नवंबर तय

एनटीए द्वारा जारी सूचना के अनुसार, उम्मीदवार अब 24 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पहले निर्धारित तिथि के बाद कई अभ्यर्थियों ने आवेदन की समय-सीमा बढ़ाने की मांग की थी, जिसके बाद एनटीए ने यह निर्णय लिया। आवेदन में सुधार 26 नवंबर से 28 नवंबर तक खुली रहेगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम समय का इंतजार न करें और रजिस्ट्रेशन कराएं।

चिंतन

एनसीआर बना गैस चैंबर क्यों जहरीली हुईं सांसें

देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर का हाल बेहाल है। दिवाली के बाद से शुरू हुआ प्रदूषण कम होने का नाम नहीं ले रहा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर के अधिकांश शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाज़ियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहर घने प्रदूषण की चादर में ढके हुए हैं। आम आदमी का सांस लेना दुभर हो गया है तो फिर छोटे बच्चों और मरीजों की हालत का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। मंगलवार को कई जगहों पर तो एयर क्वालिटी इंडेक्स का लेवल 600 से ज्यादा ही दर्ज किया गया। बच्चे, बूढ़े सभी सांस की दिक्कत, गले में खराश, आंखों में जलन जैसी किसी न किसी परेशानी से जूझ रहे हैं। जानलेवा प्रदूषण के स्तर को देखते हुए पूरे दिल्ली एनसीआर में ग्रैप-4 लागू करने की तैयारी है। ग्रैप 3 लगने के बाद भी प्रदूषण के स्तर में सुधार होने की बजाए पूरा एनसीआर गैस चैंबर में तब्दील हो गया है। इसका खासकर बच्चों पर अधिक प्रभाव हो रहा है, जिनका इस प्रदूषण में कोई दोष नहीं है। जन्म के साथ ही उन पर प्रदूषण की काली छाया पड़ जा रही है। नतीजतन शारीरिक ही नहीं मानसिक बीमारियां भी उन पर हावी हो रही हैं। छोटे बच्चों में अस्थमा जैसे लक्षण पाए जा रहे हैं। इन्हें अस्थमा नहीं कहा जा सकता है। लेकिन कई सालों तक प्रभाव में रहने के कारण अस्थमा भी हो सकता है। द लैंसेट पत्रिका की 2023 की एक रिपोर्ट में तो यहां तक दावा किया गया है कि भारत में हर साल प्रदूषण के कारण पांच साल से कम उम्र के 1.7 लाख बच्चों की मौत हो रही है। बच्चे ही क्यों बड़ों का भी हाल बेहाल है। जबसे प्रदूषण का स्तर बढ़ा है, इसी अनुपात में अस्पतालों में मरीजों की भीड़ भी बढ़ी है। इसमें खांसी-जुकाम के साथ अस्थमा और सांस लेने में तकलीफ के मामले अधिक हैं। पहले खांसी-जुकाम पांच से सात दिनों में ठीक हो रहे थे। लेकिन प्रदूषण के कारण इनकी अवधि बढ़ गई है। कई मामलों में ठीक होने के तुरंत बाद फिर से असर दिखने लगा है। असल में वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से मानव कोशिकाओं में ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन पैदा होती है, जो दीर्घकालिक बीमारियों और कैंसर का कारण बन सकती है। 2013 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन की अंतराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी ने वायु प्रदूषण को मानव कैंसरकारी कारक के रूप में वर्गीकृत किया था। कई अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि बाहरी वायु प्रदूषण के उच्च स्तर के संपर्क में आने से अल्पकालिक जोखिम बढ़ सकता है। फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी, अस्थमा, हृदय संबंधी समस्याएं, आपातकालीन विभाग में जाना और अस्पताल में भर्ती होने से जुड़ा है। अब प्रश्न है कि प्रदूषण कम कैसे हो। इसके लिए सरकार तो अपने स्तर पर प्रयास कर रही है, हर नागरिक को भी आगे आने की जरूरत है। जहां तक हो सके सार्वजनिक परिवहन सुविधा का उपयोग करें। ऐसा कोई काम न करें, जिससे धूल उड़े। घर के बाहर कूड़े को आग न लगाएं। जरूरी न हो तो घर से बाहर न निकलें, अगर निकलें तो मास्क पहनें। अगर हम सजग होंगे तो इस परेशानी से जल्द निपट पाएंगे।

पड़ोस

डॉ. घनश्याम बादल

हसीना केस में कूटनीति की अग्निपरीक्षा

शेख हसीना इन दिनों में भारत में शरणागत हैं। बांग्लादेश में घटित एक विशेष न्यायिक अधिकरण ने उन्हें आंदोलन को कुचलने एवं मानवता के विरुद्ध अपराध का दोषी बताकर मृत्यु दंड की सजा सुनाई है। उनके साथ-साथ उनके गृहमंत्री असद उज्जमा कमाल को भी फांसी की सजा दी गई है। इसका असर भारत की आंतरिक एवं अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर पड़ेगा। यदि उन्हें सरकार को सौंप दिया जाता है तो इससे भारत की शरणागत को रक्षा देने की संस्कृति पर बड़ा सवाल खड़ा होगा लेकिन यदि भारत मना करता है तो अंतरराष्ट्रीय कानून भारत के ख़िलाफ़ जाएगा। अब देखें कि भारत सरकार इस पशोपेश की स्थिति में किस कूटनीति का इस्तेमाल करती है।

भारत के सबसे निकट पड़ोसी बांग्लादेश में एक बार फिर उठापटक की आहट सुनाई देने लगी है। वैसे तो पिछले वर्ष जुलाई में वहां जिस तरीके से शेख हसीना की सरकार को छात्र आंदोलन के माध्यम से उखाड़ फेंका गया, वह भी अपने आप में हैरतअंगेज था। लगभग 15 वर्षों से बांग्लादेश पर शासन कर रही बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की बेटी और तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के खिलाफ पहले से ही महंगाई और दूसरी समस्याओं को लेकर काफी असंतोष था, लेकिन मुक्ति दाताओं के पोते-पोतियों को दिए जाने वाले आरक्षण के खिलाफ मुद्दा बनाकर एक उग्र आंदोलन हुआ। इसे रोकने में शेख हसीना की सरकार नाकामयाब रही और उसकी परिणति 1400 लोगों की मृत्यु के रूप में सामने आई। तब भी शेख हसीना की सरकार पर आरोप लगा कि उसने निर्ममतापूर्वक आंदोलनकारी पर गोलियां चलवाई जिससे अनेक छात्र-छात्राएं एवं निर्दोष लोग मारे गए। हो सकता है शेख हसीना को उस समय लगा हो कि आंदोलन का दमन करके उनकी सरकार सुरक्षित रह जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और हालात इतने बिगड़े कि शेख हसीना को न केवल प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा बल्कि देश छोड़कर भी भागना पड़ा। वे इन दिनों में भारत में शरणागत हैं। बांग्लादेश में घटित एक विशेष न्यायिक अधिकरण ने उन्हें आंदोलन को कुचलने एवं मानवता के विरुद्ध अपराध का दोषी बताकर मृत्यु दंड की सजा सुनाई है। उनके साथ-साथ उनके गृहमंत्री असद उज्जमा कमाल को भी फांसी की सजा दी गई है।

वैसे तो किसी देश में ऐसा कुछ घटित होना वहां का आंतरिक मामला है लेकिन यहां एक पेंच विशेष तौर पर फंसता है और वह है शेख हसीना का भारत में शरणागत होना और उनके साथ उनके शासनकाल के दौरान भारत के विशेष और सौहार्दपूर्ण संबंध होना। यह तथ्य किसी से छुपा नहीं है कि किस तरह 1971 में जब पाकिस्तान में जुल्फिकार अली भुट्टो की सरकार वहां के बंगालियों का दमन कर रही थी तब भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वहां सेना भेज कर शेख मुजीबुर्रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश का निर्माण करवा दिया था। लेकिन केवल 4 वर्ष के बाद ही 15 अगस्त 1975 में एक सैन्य एक तख्तापलट में शेख मुजीबुर्रहमान और उनका पूरा परिवार मार दिया गया और सत्ता एक हाथ से दूसरे हाथ में होती हुई अंततः जनरल जियाउर्रहमान के हाथों में आ गई थी जो बाद में एक राजनीतिक पार्टी बीएनपी खड़ी करके लंबे समय तक बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे। हालांकि एक राजनीतिक समस्या के हल के लिए चटगांव गए हुए जियाउर्रहमान का भी कत्ल हो गया था। यानी कह सकते हैं कि खून-खराबे के साथ सत्ता परिवर्तन बांग्लादेश का एक इतिहास है। शेख हसीना 1975 में भी इसलिए बच गई थी क्योंकि जब उनके परिवार की हत्या हुई, तब वे जर्मनी में थी। बाद में वह वहां से आकर भारत में रहीं और 1981 में उन्हें बांग्लादेश आवामी लीग का अध्यक्ष चुना गया। शेख हसीना ने लंबे समय तक जियाउर्रहमान और उनकी सरकार से लोहा लिया।

आखिरकार 1996 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं लेकिन 2001 में उन्हें जियाउर्रहमान की बेगम

खालिदा जिया ने चुनाव में परास्त कर सत्ता से बाहर कर दिया। वह 2001 तक वहां की प्रधानमंत्री रहीं लेकिन कुशल और व्यावहारिक राजनीतिज्ञ तथा जीवट वाली महिला के तौर पर शेख हसीना को जब ज़रूरत पड़ी तो वे खालिदा जिया के साथ भी मिलकर वहां की सरकारों से लड़ी किंतु दोनों में संबंध सांप और नेवले जैसा ही रहा। एक परिपक्व राजनीतिज्ञ के तौर पर शेख हसीना 2009 में फिर सत्ता में लौटी और उठापटकों के बीच 2024 तक सत्ता में आती-जाती रहीं। फिर वह सब घटनाक्रम हुआ जब उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के हाथों में अंतरिम सरकार के मुखिया के रूप में सत्ता है।

उनकी सरकार का दायित्व था कि फरवरी 2026 तक वे बांग्लादेश को एक निर्वाचित सरकार दे देंगे और आंदोलन में मासूमों के हत्या के दोषी लोगों को सजा भी दिलवाएंगे। कहने को यूनुस गैर राजनीतिक व्यक्ति हैं लेकिन सत्ता में बैठा हुआ व्यक्ति बिना राजनीति के रह नहीं सकता इसलिए उन्हें भी जनता को यह दिखाना है कि उन्होंने जन भावनाओं के अनुरूप दोषियों को उनकी नियति तक पहुंचा दिया है। शेख हसीना को मृत्यु दंड सुनाने वाली विशेष न्यायाधिकरण में इस सुनवाई का टेलीविजन पर प्रसारण यह बताता है कि यह केवल न्याय की बात नहीं अपितु राजनीति का भी बड़ा खेल है।

जहां यूनुस की सरकार जनता को यह संदेश देना चाहती है कि उसने बिना डरे और झुके हुए आंदोलन के मृतकों को न्याय दिलवाया है। वहीं उनकी कोशिश यह भी हो सकती है कि शेख हसीना और उनकी पार्टी 2026 में होने वाले चुनाव में भाग ही न ले पाए या उनकी हालत इतनी ख़राब कर दी जाए कि वह सत्ता में न लौट सकें। जहां न्यायाधिकरण कहता है कि उसके पास शेख हसीना और असद उज्जमा कमाल को फांसी की सजा दिए जाने के पीछे उपलब्ध ऑडियो, वीडियो आदि हैं, वहीं शेख हसीना ने इस निर्णय पर प्रतिक्रिया में कहा कि उन्हें अपनी बात कहने का मौका ही नहीं दिया गया और एक अलोकतांत्रिक तरीके से थोपी गई सरकार और उसके पिट्ठू के रूप में वहां के न्यायाधिकरण ने पहले से ही तय गए निर्णय को सुनाया है।

वहीं सरकार और न्यायाधिकरण का कहना है कि शेख हसीना ने सुनवाई के लिए उपस्थित होने से ही मना कर दिया था। ख़ैर सियासत में प्रतिशोध केवल बांग्लादेश में ही नहीं कई देशों में लिया जाता रहा है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे देश तो इसके ज्वलंत उदाहरण हैं लेकिन अब यहां पर मुख्य मुद्दा यह है कि निर्णय के तुरंत बाद बांग्लादेश की सरकार ने शेख हसीना को प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए बांग्लादेश को सौंप देने का आग्रह भारत की सरकार से किया है। अब गेंद भारत सरकार के पाले में है। एक ओर जहां भारत का नैतिक समर्थन शेख हसीना के प्रति है, वहीं बांग्लादेश के साथ भी हमारे पुराने राजनयिक संबंध हैं। यदि उन्हें सरकार को सौंप दिया जाता है तो इससे भारत की शरणागत को रक्षा देने की संस्कृति पर बड़ा सवाल खड़ा होगा लेकिन यदि भारत मना करता है तो अंतरराष्ट्रीय कानून भारत के ख़िलाफ़ जाएगा और दोनों देशों के बीच संबंध खराब होंगे जो पहले से भी बहुत अच्छे नहीं हैं। इसका असर भारत की आंतरिक एवं अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर पड़ेगा। अब देखें कि भारत सरकार इस पशोपेश की स्थिति में किस कूटनीति का इस्तेमाल करती है और उसके परिणाम आने वाले समय में क्या निकलते हैं।

(लेखक राजनीतिक समीक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

आत्ममंथन

राजीव भारद्वाज

हमें अपने बच्चों में और निवेश करना होगा

किसी भी देश की असली ताकत उसकी भावी पीढ़ी होती है। यानी देश के नौनिहाल, जो कल के वैज्ञानिक, शिक्षक, डॉक्टर, नेता और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। पर जब एक राष्ट्र बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारी भूलने लगता है, तो उसका भविष्य भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है। भारत एक युवा देश है। इसलिए यह सवाल आज, पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक है कि क्या हम सचमुच अपने बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके सपनों को साकार करने के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास कर रहे हैं, या केवल भाषणों और उत्सवों तक सीमित रह गए हैं? हर साल नवंबर का एक दिन बच्चों के नाम कर दिया जाता है। विद्यालयों में कार्यक्रम होते हैं, मंचों से बच्चों की मासूमियत पर कविताएं पढ़ी जाती हैं और सभी उनके अधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। परंतु अगले ही दिन फिर सब कुछ अपनी जस की तस वाली स्थिति में लौट आता है, जहां वही बच्चे स्कूल जाने के बजाय काम पर जाते हैं, सिग्नल पर भीख मांगते हैं, किसी ढाबे पर बर्तन धोते दिखाई देते हैं या बाल विवाह की बेड़ियों में जकड़ दिए जाते हैं। यह विरोधाभास अगर हमें झकझोरता नहीं तो इसका मतलब साफ है कि हम अपने भविष्य के साथ किस हद तक बेपरवाह हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी बाल जनसंख्या वाला देश है। यह आंकड़ा जितना गर्व का विषय है, उतनी ही गंभीर चिंता का भी। इतनी विशाल बाल आबादी का पोषण, शिक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए। हालांकि पोषण 2.0, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, एकलव्य मॉडल स्कूल, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, मिड-डे मील योजना, सर्व शिक्षा अभियान और आंगनबाड़ी की कई योजनाएं निश्चित रूप से सराहनीय हैं। लेकिन योजनाएं तब तक प्रभावी नहीं हो सकतीं जब तक उनमें पारदर्शिता, जवाबदेही और सामाजिक भागीदारी न हो। परंतु सवाल यह है कि क्या ये योजनाएं वास्तव में उस बच्चे तक पहुंच पा रही हैं जिसके नाम पर वे बनाई गई हैं? यूनिसेफ व अन्य एजेंसियों के साथ भारत सरकार की रिपोर्ट भी बार-बार यह चेतावनियां देती रही हैं कि अब भी लाखों बच्चे स्कूल से बाहर हैं। जाहिर है कि स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चे ट्रैफिकिंग गिरोहों के सबसे आसान टारगेट हैं। ऐसे ही स्वास्थ्य के मोर्चे पर भी तस्वीर उत्साहजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 के मुताबिक 5 साल से कम उम्र के करीब 32 फीसदी बच्चे कम वजन के हैं। यानी कुपोषण अभी भी स्वस्थ बचपन की जड़ें काट रहा है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और शहरी झुग्गियों में अस्वास्थ्यकर जीवन-स्थितियां बच्चों के लिए दोहरी मार है। यह तथ्य केवल आर्थिक गरीबी नहीं, बल्कि नीति-निर्माण की प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़ा करता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों को देखें तो, बाल दुर्व्यापार के मामलों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ज्यादा संजीदगी और संवेदनशीलता की जरूरत है। आज भी देश की लगभग एक चौथाई लड़कियों का विवाह 18 साल की उम्र से पहले हो जाता है। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि उनके स्वास्थ्य, शिक्षा व आत्मनिर्भरता के लिए ग्रहण है। जब किसी बच्ची का बचपन विवाह की रस्मों में खो जाता है, तो समाज की संवेदनशीलता पर गहरा प्रश्न उठता है। हालांकि सरकारों ने अपनी ओर से कई प्रयास किए हैं, लेकिन समय के साथ उनमें भी नई ऊर्जा और नवाचार की जरूरत है। समस्या केवल व्यवस्था की नहीं, मानसिकता की भी है। हम बच्चों को भविष्य तो मानते हैं, पर उन्हें वो सुरक्षित माहौल और अधिकार नहीं देते जिसके वे हकदार हैं। इसलिए उनके अधिकारों की रक्षा के विषय को जवाबदेही और सक्रियता की जरूरत है। नीति-निर्माण से लेकर बजट आवंटन और धरातल पर कार्यान्वयन तक, बच्चों को प्राथमिकता देने की जरूरत है। आज का भारत तकनीक, नवाचार और ज्ञान की शक्ति से संचालित विश्व को दिशा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। ऐसे में अगर हमें एक सशक्त, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण भारत बनाना है, तो हमें अपने बच्चों में और निवेश करना होगा और यह निवेश केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय और जवाबदेही का होना चाहिए। बाल दिवस महज औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन और यह सोचने का अवसर होना चाहिए कि हम अपने भविष्य के भारत को कैसा बनाना चाहते हैं। यदि हम एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र का सपना देखते हैं, तो उसकी नींव हर बच्चे के सपनों, अधिकारों और संभावनाओं को साकार करने से ही रखी जाएगी। हर मुस्कुराते बच्चे में एक उज्जवल भारत का चेहरा छिपा है। बस जरूरत है उसे अवसर, शिक्षा और सुरक्षा देने की।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ज्ञान पाना चाहते हैं तो अहंकार छोड़ दें

संकलित

दर्शन

गौतम बुद्ध यात्रा करते रहते थे और बीच-बीच में जहां ठहरते थे, वहां अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। बुद्ध के साथ उनका एक शिष्य हमेशा रहता था। उसका नाम था आनंद। एक दिन बुद्ध प्रवचन दे रहे थे और उस समय आनंद ने पूछा कि तथागत, आप जब प्रवचन देते समय ऊंची जगह पर बैठते हैं और सुनने वाले नीचे बैठते हैं, ऐसा क्यों है? बुद्ध ने आनंद की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आनंद पहले तुम ये बताओ कि क्या तुमने कभी किसी झरने से पानी पिया है? आनंद बोला कि हां, मैंने झरने से पानी पिया है। इसके बाद बुद्ध ने फिर पूछा कि तुमने पानी कैसे पिया? आनंद ने बुद्ध को बताया कि झरना ऊपर से बह रहा था और मैंने झरने के नीचे खड़े होकर पानी पिया था। बुद्ध ने आनंद से कहा कि बस यही तुम्हारी बात का जवाब है। अगर हम झरने से पानी पीना चाहते हैं तो हमें उस झरने के नीचे ही खड़े रहना पड़ेगा। ठीक इसी तरह प्रवचन भी एक झरने की तरह है। जहां ज्ञान का झरना बहाने वाला ऊंची जगह पर बैठते हैं और जो लोग ज्ञान के झरने का पान करना चाहते हैं, वे नीचे बैठते हैं। दरअसल, ज्ञान पाने का सबसे पहला नियम ये है कि हमें अहंकार छोड़ना पड़ेगा। नीचे बैठने से हमारे स्वभाव में जो विनम्रता आती है, अहंकार दूर होता है। इसके बाद ही हम किसी की ज्ञान की बातें ठीक से समझ पाते हैं।

श्रावण मास का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

संकलित

प्रेरणा

भारतीय मनीषियों ने काल गणना के प्रसंग में संस्कृत के 12 मासों को वैज्ञानिकता की पृष्ठभूमि में निर्धारित किया है, जिसमें श्रावण मास चैत्रादि मासों के क्रम में पांचवें मास के क्रम में स्वीकार किया है। संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से श्रवण नक्षत्र में अण प्रत्यय के योग से श्रावण शब्द बनता है, जिसका अर्थ है श्रवण से संबंधित। ध्यातव्य है कि ज्योतिष शास्त्र में श्रवण नक्षत्र का स्वामी भगवान विष्णु को माना गया है। जिस महीने में श्रवण नक्षत्र में पूर्णिमा होती है, उसे ही श्रावण मास कहते हैं। कुछ विद्वानों के मत से सृष्टि का प्रारंभ जल से हुआ है और सावन मास जल के लिए जाना जाता है। अतः यह सृष्टि का पहला महीना है। वेद कहते हैं- 'अप एव ससर्जादौ' अर्थात विधाता ने सर्वप्रथम जल का निर्माण किया। महाकवि कालिदास जी कहते हैं- या सृष्टिः स्त्रष्टुराद्या अर्थात ब्रह्मा की पहली सृष्टि जल ही है। सावन मास में सूर्य दक्षिणायन हो जाते हैं। कर्क राशि का सूर्य ही सावन मास है। इस महीने भगवान विष्णु जल का आश्रय लेकर क्षीरसागर में शयन करने चले जाते हैं। जल वृष्टि अधिक होने से पृथ्वी में कणों के गर्भांकुर फूट पड़ते हैं। गर्मी का ताप शांत हो जाता है। हृदयहारी वायु बहने लगती है। सभी चराचर जड़ चेतन जीव-जंतु हर्षित हो जाते हैं। प्रकृति का वातावरण सुरम्य हो जाता है। संपूर्ण जीव-जगत उल्लास से भर जाता है। ऊष्णता से संतप्त प्राणियों को शरण देने वाला श्रावण मास का शुभागमन परम आह्लाद देने वाला हो जाता है।

अंतर्मन

आज की पाती

पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से इंजन पर पड़ रहा असर

हाल के दिनों में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेण्डेड पेट्रोल (ई20) देशव्यापी स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। यानी अब से जो पेट्रोल आप गाड़ियों के लिए इस्तेमाल करेंगे, उसमें 20 प्रतिशत इथेनॉल मिला होगा। बता दें कि 2014 में पेट्रोल में केवल 1.5 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जाता था। इथेनॉल एक तरह का बायोफ्यूल है, जो मुख्य रूप से गन्ने की प्रोसेसिंग के दौरान बनता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे न सिर्फ फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता घटती है, बल्कि प्रदूषण भी कम होता है। पर इसका एक साइड-इफ़ेक्ट भी है। 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की ब्लेण्डिंग पर पुराने इंजन जल्दी घिसने लगते हैं।

- मुकेश अवस्थी, बिलासपुर

ट्रेंड

विधि विज्ञान प्रयोगशाला

'नया उत्तर प्रदेश' अपराध और अपराधियों को स्वीकार नहीं करता, अगर किसी ने अपराध किया तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ेगी। गोरखपुर में आज सरल, सुगम एवं त्वरित न्याय हेतु क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला के भवन का लोकार्पण किया।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

समस्याओं का समाधान

वर्षों से अटकी समस्याओं का हमारी सरकार समाधान निकाल रही है। आठ महीनों में ही डीटीसी के बेड़े में बड़ी संख्या में ई-बसें शामिल की हैं, जिससे दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को नई गति और स्वच्छ दिशा मिली है। हम लगातार नए-नए प्रोजेक्ट जनता को समर्पित कर रहे है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

जनता का विश्वास

लठैतवाद की लाठी, छद्मवाद का छल व जंगलराज की विरासत तीनों मिलकर जितना ज्यादा भ्रम का मायाजाल बुनते हैं, जनता का विश्वास उतना ही भाजपा और एनडीए के प्रति अडिग होता जाता है।

- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

हम करके दिखाते हैं

हमारे कर्मों में हमारे द्वारा किए गए वादे छिपे होते हैं। नए आसमान खोलने, आपके सपनों को क्षितिज तक ले जाने और उड़ान के दौरान आपका हाथ थामने के वादे। आपके सफर में हमसफर बन जाते हैं। नए आसमान आ गए हैं! हम करके दिखाते हैं!

- गौतम अदाणी, उद्यमी

करंट अफेयर

यूएई को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा अमेरिका

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वाशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेंगे। हालांकि, ट्रंप प्रशासन में इस बात को लेकर चिंता है कि इस तरह की बिक्री से चीन को उन्नत हथियार प्रणाली के पीछे की अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुंच मिल सकती है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को ये विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे। हम एफ-35 बेचेंगे।'' उन्होंने कहा, "वे हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं।" यह सात वर्षों से अधिक समय में क्राउन प्रिंस की पहली अमेरिका यात्रा होगी इसलिए उम्मीद की जा रही है कि वह अपनी इच्छाओं और मांगों की एक सूची लेकर आएंगे, जिसमें ट्रंप से अपने देश के लिए अमेरिकी सैन्य सुरक्षा के दायरे को परिभाषित करने का औपचारिक आश्वासन और अमेरिका में निर्मित दुनिया के सबसे उन्नत विमानों में से एक एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदने का समझौता शामिल है। तीन प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि रिपब्लिकन प्रशासन यह नहीं चाहता कि इस लड़ाकू विमान के सौदे से इजराइल की उसके पड़ोसियों के बीच गुणात्मक सैन्य बढ़त कम हो, खासतौर से ऐसे वक्त में जब ट्रंप अपनी गाजा शांति योजना की सफलता के लिए इजराइली समर्थन पर निर्भर हैं।

ऑफ बीट

वायु प्रदूषण में कमी मानव स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

उत्तरी गोलार्ध में सर्दी के मौसम की दस्तक के साथ ही बादलों से घिरे सर्द दिनों का भी आगमन हो गया है। बादल पर्यावरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न सिर्फ बारिश की बूंदें बरसाते हैं, बल्कि सूर्य की किरणों के धरती पर पहुंचने से पहले उन्हें अंतरिक्ष में परावर्तित भी करते हैं। हालांकि, 2003 से 2022 के बीच उत्तर अटलांटिक और उत्तर-पूर्व प्रशांत महासागर क्षेत्र के ऊपर के बादल कम परावर्तक हो गए, जिससे समुद्र की सतह पर धूप की पहुंच बढ़ गई और उसके तापमान में वृद्धि देखने को मिली। मेरे और मेरे सहकर्मियों के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि वायु गुणवत्ता सुधारने के वैश्विक प्रयासों ने बादलों की क्रिया में बदलाव लाकर अनजाने में जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दिया है। स्वच्छ आबोहवा मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद अहम है, लेकिन कण प्रदूषण की मात्रा घटने से बादलों के शीतलन प्रभाव में भी कमी आई है, जिससे ग्लोबल वॉर्मिंग की प्रक्रिया तेज हो गई है। बादलों पर कण प्रदूषण के स्तर में बदलाव और ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभाव का आकलन करने के लिए हमने अपने अध्ययन में दो दशक के उपग्रह डेटा का इस्तेमाल किया। ये डेटा दिखाता है कि उत्तरी गोलार्ध में वायु मंडल के सबसे निचले स्तर में पाए जाने वाले बादल 2003 के बाद से तेजी से कम परावर्तक होते गए हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-42422221 पर या सीधे मेल से aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

HF-Deluxe Pro

एक्स-शोरूम कीमत
~~₹63 688~~ ₹58 712#

GST लाभ
₹4 976

इंस्टेंट डिस्काउंट
₹10 000^

HDFC BANK क्रेडिट कार्ड
FESTIVE TREATS
Powered by pine labs

+

प्रतिदिन EMI
₹59$
से शुरू

डाउन पेमेंट
₹999$
से शुरू

विशेष कॉर्पोरेट ऑफर्स
₹2 200~
तक

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Hero GoodLife
पाएं जीतने का मौका
100% कैशबैक | 24 कैरट सोने का सिक्का
और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*

Additional offers on:
Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of HF Deluxe Kick in Chhattisgarh.

TOLL FREE
1800 266 0018

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलोदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोमुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिभौरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरूरः श्री गुरूनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झगरंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिमतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, चरोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंडरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुदः शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, हरपिनार- कांकेरः अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूरः रिशान सर्विसेज, 6267323235, मोहारा पादरः गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, कुड़कुदुरः दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमाः आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुरः दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोलीः शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकीः अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ाः साईं मोटर्स, 9754329434, राजिमः राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांवः जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसीवाः श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुरः माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामाः श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुढ़ियारीः श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखाराः प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाइल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

बस्तर अंचल के आदिवासी जनजाति बनाते हैं आत्माओं का घर

मोक्ष की कामना सनातन संस्कृति की पहचान है। मोक्ष शरीर, चेतन मन और अचेतन मन को शून्यता प्रदान करती है ऐसा माना जाता है, किंतु जनजातीय समाज में मोक्ष की कामना हमें देखने नहीं मिलती। वे जीवन की निरंतरता और जीवन मृत्यु के चक्र को मानता है। जीवन-पद्धति में जनजातियों का सामाजिक ढांचा प्रकृति, पूर्वजों और समुदाय की स्मृतियों से गहराई से जुड़ा होता है। इसी परंपरा का एक महत्त्वपूर्ण अंग है — वंशावली संधारण प्रणाली। यह केवल पारिवारिक नामों या पीढ़ियों का क्रमिक लेखा-जोखा भर नहीं है।

संस्कृति
स्वाती आनंद

बस्तर संभाग के कोंडागांव, बीजापुर, नारायणपुर जिले में रहने वाली जनजाति आज भी अपनी विशिष्टता को लिए हुए है।कम नहीं है अबूझ पहेली। जनजातीय दर्शन में पुनर्जन्म को जीवन-मृत्यु के स्वाभाविक चक्र के रूप में देखा जाता है। जनजातीय समाज मानता है कि आत्मा अमर है, जो शरीर त्यागने के बाद समाप्त नहीं होती, बल्कि पुनः अपने वंश या समुदाय में जन्म लेती है। यह पुनर्जन्म केवल मानव रूप में ही नहीं, बल्कि पेड़, पशु, पक्षी या किसी अन्य जीव रूप में भी संभव माना जाता है।

जनजातियों के अनुसार मृत्यु आत्मा का अंत नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत है। आत्मा कुछ समय " डूमा लोक " या " पेन लोक " में रहती है और उचित समय आने पर पुनः धरती पर लौट आती है। इसी विचार से जुड़ी है 'आना कुड़मा' की धारणा — जिसका अर्थ है " फिर से मानव रूप में लौटना। " जब किसी बच्चे में किसी पूर्वज के गुण, व्यवहार या निशान देखे जाते हैं, तो कहा जाता है कि वह " आना कुड़मा " होकर आया है। इस प्रकार जनजातीय दर्शन में पुनर्जन्म का विचार केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि वंश, प्रकृति और आत्मा के सतत संबंध की दार्शनिक अभिव्यक्ति है — जहाँ जीवन कभी समाप्त नहीं होता, बल्कि रूप बदलकर चलता रहता है।

लोक साहित्य
डा. पीसी लाल यादव

आंचलिक साहित्य में मिथक व्यापक रूप में मिलता है

लोक साहित्य में मिथक का प्रभाव व्यापक रूप में देखने को मिलता है। एक छत्तीसगढ़ी मिथक के अनुसार सूर्य और चन्द्रमा भाई बहन थे। मां बीमार थी और दावत में गए। सूर्य लोभी था और वह खूब खाया, पर अपनी मां के लिए कुछ भी नहीं लाया। चन्द्रमा ने अपनी मां का ख्याल रखा और दावत से मां के लिए कुछ भोज्य पदार्थ ले आए। सूर्य को मां ने श्राप दिया कि तूने बीमार मां का ख्याल नहीं रखा। इसलिए हमेशा जलता रहेगा। चूंकि चन्द्रमा ने मां का ख्याल रख संतृप्त किया इसलिए शीतल रहेगी। आज भी सूर्य तप कर सबको तपा रहा है और चन्द्रमा शीतलता प्रदान कर रहा है। सूर्य और चन्द्रमा पर एक और मिथक - चंद्रमा भूना हुआ बेल खा रहा था। सूरज ने उससे पूछा - तुम क्या खा रहे हो? चन्द्रमा ने जवाब दिया, अपने बच्चे। सूरज ने कहा -तो फिर मुझे थोड़ा दो। सूरज ने फल खाया और उसे मीठा लगा। इससे खुश होकर सूरज ने अपने सभी बच्चे खा लिए सिवाय एक के छोड़ जो बिजली की तरह भाग गया। वास्तविकता पता चलने पर सूरज ने चंद्रमा को श्राप दिया, तुम हमेशा जीते मरते रहोगे। बदले में चंद्रमा ने सूरज को श्राप दिया और सूरज की एक आंख फूट गई। इसलिए उसकी एक ही आंख है। साल के आठ महीने वह आंख नहीं धोता। इसके बाद वह आंख की गंदगी पोंछ डालता है और बहुत गर्म हो जाता है। चन्द्रमा और सूरज पर ही और कई मिथक प्रचलित हैं। इस तरह लोक साहित्य में समृद्ध मिथक की परम्परा हमें देखने मिलते हैं।

{पुस्तक समीक्षा}

छेरछेरा

कृति का नाम	छेरछेरा
कृतिकार	भोलाराम सिन्हा
समीक्षक	टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'
प्रकाशक	रूम टू रीड, नई दिल्ली
संस्करण	प्रथम, 2024

साहित्य शिक्षा में समाया हुआ है; और शिक्षा साहित्य में। इसी भाव प्रवण तथ्य के साथ शिक्षा के प्रति समर्पित, साहित्य का मशाल लिये शिक्षक युवा कहानीकार भोलाराम सिन्हा ने नन्हे बच्चों के लिए एक छोटी-सी कहानी लिखी है- छेरछेरा, जो एक सचित्र पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुआ है। यह चित्रकथा छत्तीसगढ़ के समस्त शासकीय प्राथमिक शालाओं में उपलब्ध है। इस कहानी को समग्र शिक्षा व रूम टू रीड इंडिया द्वारा चौदह भाषाओं में अनुवाद कराया गया है। उक्त कहानी छत्तीसगढ़ी ग्रामीण परिवेश पर आधारित है। ग्राम्यांचल संस्कृति को उजागर करती कहानी के प्रमुख पात्र दादी और पोती मीना हैं। लोकपर्व छेरछेरा को मीना अपनी सहेलियों के साथ छेरछेराने जाती है। वह दान में मिले अन्न को बेचती है, जिससे उसे कुछ पैसे मिलते हैं। फिर अपनी सहेली के साथ बाजार घूमने जाती है। घर लौटते समय अपनी दादी के लिए एक चादर खरीद कर लाती है। मुंशी प्रेमचंद की कहानी ईदगाह का स्मरण कराती यह कहानी बच्चों के लिए बड़ी रोचक एवं प्रेरक बन पड़ी है। कहानी में वत्सल तो है ही, मर्म भी है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

गांव की कहानी
सतीश शर्मा

नरेश्वर महादेव के नाम पर ग्राम नारी का नामकरण

धमतरी जिले के कुरुद विकासखंड में महानदी के तट में स्थित ग्राम नारी में स्वयंभू भगवान नरेश्वर महादेव के प्राकट्य से ही गांव का नाम जुड़ा हुआ है। ग्राम नारी में यह शिवलिंग शीतला माता के ठीक पार्श्व भाग और शीतला तालाब के सामने स्थित है। जनश्रुति के अनुसार वर्तमान नारी बस्ती में पहले बसाहट नहीं थी। यहां पहले झाड़-झरोखे से भरा हुआ, वीरान स्थान हुआ करता था। प्राचीन बस्ती भरेठी के एक खेत के चौरा में प्राचीन शीतला माता विराजमान हैं। अनुमान है कि महानदी के पास पानी की सहज उपलब्धता और कृषि के लिए सिंचित योग्य भूमि भी बस्ती स्थानांतरण का प्रमुख कारण रहा होगा। शिवलिंग का ऊपरी हिस्सा किनारे से एक छोर कटा हुआ प्रतीत होता है। एक सिरा सिर के समान पूर्ण है और किनारे भाग पर उभरी रेखा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। यह रेखा संकेत करती है कि शिवलिंग में शिव और शक्ति का युगल स्वरूप विद्यमान है। प्राचीन फोटो में यह वास्तविक रूप से स्पष्ट भी हो जाता है। जबकि वर्तमान में शिवलिंग के आधे से भी अधिक का हिस्सा पीपल वृक्ष के जड़ में बंधा हुआ है। अनुमान है भूमि से यह शिवलिंग 5 फुट से अधिक है। युगल स्वरूप होने की इसी प्राचीन

मान्यता से इनकी प्रसिद्धि व्याप्त है। इस कारण इसे अर्ध नारीश्वर महादेव कहा गया। समय के साथ उच्चारण की सुगमता के कारण नारीश्वर महादेव और अंततः नरेश्वर महादेव कहा जाने लगा। भगवान नरेश्वर महादेव के इस अर्ध नारीश्वर प्राकट्य के कारण ही गांव का नाम नारी पड़ा। यह नाम न केवल धार्मिक महत्व दर्शाता है, बल्कि क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को भी संजोए हुए है। छत्तीसगढ़ के भौगोलिक और राजस्व अध्ययन में उल्लेखनीय जानकारी यह है कि छत्तीसगढ़ में इस गांव के अतिरिक्त 'नारी' नाम का कोई दूसरा गांव राजस्व अभिलेख में नहीं है।

ऐतिहासिक : डा. प्रकाश पतंगीवार

अनेक प्राचीन साक्ष्य को संजोया बालोद जिले का गुरूर

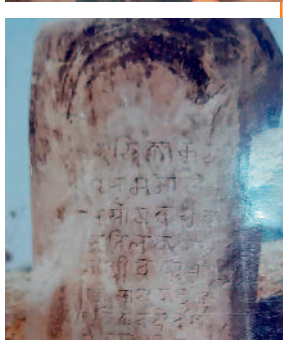

चित्रकला, मूर्तिकला, स्थापत्य कला, संस्कृति और साहित्य से किसी समाज का क्षेत्र विशेष की पहचान बनती है। खंडहर, भग्नमूर्तियां या पुरातात्विक धरोहरों से उस काल का पता चलता है। एक जमाना था जब आर्थिक या व्यावसायिक दृष्टि से बालोद गुरूर क्षेत्र काफी विख्यात था। यह जमाना था सोमवंशी नरेशों का। कांकेर राज्य के सोमवंशी नरेशों का क्षेत्र में आना जाना लगा रहता था। उनके द्वारा स्थापित मंदिरों व मूर्तियों के भग्नावशेष यहां स्थान स्थान पर बिखरे पड़े हैं। पुष्टि होती है कि बालोद गुरूर तक राज करने वाले सोमवंशी ने यहां विष्णु, हनुमान, गणेश इत्यादि की मूर्तियां स्थापित की थी, जो काल के गाल में समा कर अब भग्न रूप में दिखाई देते हैं। सन 1906 के पूर्व गुरूर , कांकेर राजवंश का ही हिस्सा था। इस क्षेत्र में सन 1192 में सोमवंशी नरेशों का प्रभुत्व कायम हुआ। कन्हर देव ने कांकेर गढ़िया राजा को मार कर इसे राजधानी बना ली। कलिंग के समीप होने के कारण बालोद गुरूर सीमा कहीं कहीं गुप्तकालीन पाषाण प्रतिमाएं प्राप्त हुई हैं।

परब विशेष
डॉ. नीलकंठ देवांगन

छत्तीसगढ़ में अगहन मास का महत्व

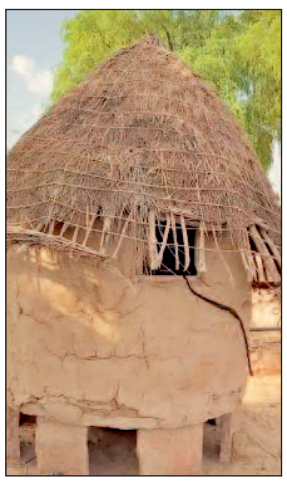

छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। यहां धान की फसल बहुतायत में होती है। पहले यह ओहांरी, सियारी का राज्य भी कहलाता था। रबी और खरीफ दोनों प्रकार की फसलों का भरपूर उत्पादन होता था। धान, गेहूं, कोदो, चना, अरहर, लाख, लाखड़ी, उड़द, मसूर की अच्छी खेती होती थी। सबके कोठी भरे होते थे। कोदो को तो पंद्रह बीस साल तक रखने पर भी खराब नहीं होता था। आवश्यकतानुसार दरवा कर भोक्कड़ भात खाते थे। भाटा, टमाटर के दिनों में अधिक खाना खिलाता है। अकाल, दुकाल के समय कोठी का अनाज काम आता था। जिनके पास नहीं होता था वह उधारी बाढ़ी से काम चला लेते थे। अगहन महीने में लक्ष्मी माई का प्रत्यक्ष दर्शन अन्न का रूप में होता। सबके मन खिले रहते। घर गद

बोलता, भरा भरा लगता। हर घर कोठी में अन्न रहता। जिस गांव में धान के संग ओनहारी फसल होता है वह गांव आज भी अगहन महीने में गद लगता है। अगहन महीना चाहे वह धान कोदो के लिए चाहे तीवरा चना भाजी के लिए हो, पहचाना जाता है।

सुरता: डा. डी. पी. देशमुख

अपनी काव्य सरिता से गुदगुदाने वाले सुरजीत नवदीप को भुलाया नहीं जा सकता

सुरजीत नवदीप हिन्दी और छत्तीसगढ़ी काव्य के सशक्त हस्ताक्षर थे।उनके काव्य के कथ्य और उनकी जीवन शैली में जरा भी फर्क नहीं था। बदन पर पाजामा-कुर्ता,सिर पर केसरिया पगड़ी, घनी दाढ़ी-मूंछ और होठों में तरल मुस्कान। जब वे किसी भीड़ से गुजरते थे तो लोग विस्मय में पड़ जाते थे कि सरदारों में ऐसा सरल व्यक्तित्व शायद ही कोई दूसरा मिले। सुरदीप नवदीप जी का जन्म 1 जुलाई 1937 को पंजाब के भावलदीप में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। देश बंटवारे के बाद उनका परिवार धमतरी से चार किलोमीटर दूर कंडेल ग्राम में आ बसा। उन्होंने एम.ए. हिंदी तक शिक्षा ग्रहण की थी। जब वे सातवीं पढ़ रहे थे तभी उनके मन में कविता के प्रति अभिरुचि जागी।

उनकी प्रारंभिक कविता की कुछ पंक्तियां इस प्रकार है-

इन खेतों में दाल दोरों
छीट दोरे बीज दी
ये धान के गुरमतिया, सुरमतिया
भेजरी अजान के

पिता को गुरुग्रंथ साहेब कंठस्थ था, पिता के श्लोकों के सहारे वे तुकांत कविता लिख जाते थे, तब उनकी उम्र छोटी थी। उनके आरंभिक कविताओं का विषय खेत व किसान होता था। आगे उनकी गणना अखिल भारतीय कवि-समुदाय में की जाने लगी।तब के काका हाथरसी, जगदीश सोलंकी, हरिओम प्रकाश, गोविंद व्यास, सोम ठाकुर, मदन पांडे जैसे कवियों के साथ अनेक मंचों में काव्य पाठ किये। निरंतर उनके काव्य संकलन का दायरा बढ़ते गया। सामाजिक, राजनीतिक विसंगतियों का विद्रुप चित्रण,संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं के विघटन जैसे विषयों पर व्यंग लिखते गए।हास्य व्यंग्य कविता की एक बानगी देखें-

पति-पत्नी के, संबंध बतलाइये
दाल में नमक अधिक है
चुपचाप खाइये।

पेशे से वे शिक्षक थे, वहां वो पूर्णतः अनुशासित और समय के पाबंद थे। कहा जाता है कि उनका सौम्य-सरल व्यक्तित्व, विद्यार्थियों के दिलों-दिमाग मे एक अमिट छाप छोड़ जाता था। किन्तु यह भी सच है कि आम आदमी पर जमाना लदता जा रहा था। शिक्षक तो अपनी सम्मान की ख्वाइश लिए हुये थे लेकिन कुछ विद्यार्थी ऐसे भी थे जो गंदी राजनीति के हाथों खेल रहे थे। इस संबंध में नवदीप जी के दो शब्द देखिये-

एक शिक्षकीय जीवन पर,,
ये शिक्षक,,जी हां
इसे राष्ट्रपति पुरस्कार
मिला हुआ है
ये नींव का पत्थर है,
पर हिला हुआ है।
और दूसरा,
आज के विद्यार्थी जीवन पर
इनके पढ़ाये हुए
नौवीं फेल छात्र,मंत्री बनकर
देश का झंडा चढ़ा रहे हैं
और ये गुरुजी, बीस साल से
कक्षा नौवीं पड़ा रहे है।

उनकी कविताओं की संख्या विशाल है। महत्वपूर्ण प्रकाशित ग्रंथों में ₹हवाओं में भटकते हुए हाथ₹(काव्य संग्रह), ₹लाजवंती का पौधा₹ (उपन्यास), आंसू हंसते हैं, भाई मुझे कम दिखाई देता है जैसे काव्य संकलन चर्चित रहे है।अखिल भारतीय मंचों में एक सशक्त संचालक के रूप में उनकी महती भूमिका रही है।

विविध स्तरों पर उनके सम्मान की लंबी फेहरिस्त है शासन स्तर पर छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के सदस्य में उनकी महती भूमिका को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। धमतरी निवासी आज वे हमारे बीच नहीं रहे , लेकिन उनकी कवि सुलभ प्रतिभा से सम्पूर्ण साहित्य जगत अलौकिक होता रहेगा।

जैकेट के शेष

अबूझ आतंक का .....

आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने की लगातार अपीलों के बावजूद हिड़मा हिंसा और उग्रवाद के रास्ते से नहीं हटा। हथियार न छोड़ने की जिद ने उसे भारी नुकसान पहुंचाया। उसके कई नजदीकी साथी मारे गए या पकड़े गए और यहां तक कि उसकी पत्नी मड़कम राजे उर्फ राजक्का भी माओवादी नेटवर्क में गहराई तक फंसती चली गई। दंडकारण्य स्पेशल जोन कमेटी मेंबर राजे ने भी प्रतिबंधित सीपीआई माओवादी संगठन में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। वह 1994-95 में बाल संगठन सदस्य रही, उसके बाद एसीएम जगरगुंडा (2002-3), किस्टाराम एसीएम (2006-7), पलाचलमा एलओएस कमांडर (2008), बटालियन मोबाइल पॉलिटिकल स्कूल की शिक्षिका (2009) और अंततः एमओपीओएस इंचार्ज तथा बीएनपीसी बटालियन पार्टी कमेटी सदस्य के रूप में सक्रिय रहीं।

मुख्यधारा में लौटकर शांतिपूर्ण व सार्थक जीवन जिएं : बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि बस्तर और पड़ोसी राज्यों में पुलिस और सुरक्षा बलों के निरंतर और समन्वित प्रयासों ने अंततः माड़वी हिड़मा की हिंसक विरासत का अंत कर दिया है। उसकी निष्क्रियता के साथ क्षेत्र में शांति स्थापना और सामान्य स्थिति बहाली का एक नया अध्याय प्रारंभ होता है। हिड़मा ने सरकार, पुलिस, सुरक्षा बलों और यहां तक कि अपने परिवार की बार-बार की अपीलों को भी अनदेखा किया और कभी हिंसा का रास्ता नहीं छोड़ा। यह शेष बचे कुछ माओवादी कैडरों और कमजोर नेतृत्व के लिए एक सबक होना चाहिए कि वे वास्तविकता स्वीकार करें और मुख्यधारा में लौटकर शांतिपूर्ण और सार्थक जीवन जिएं।

माओवादी आंदोलन को मिला करारा झटका : बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पैट्लिंगम ने बताया कि बस्तर में लगातार और समन्वित सुरक्षा दबाव के कारण माड़वी हिड़मा, राजे और उनका निकट समूह अपने सुरक्षित अड्डों को छोड़ने पर मजबूर हो गए थे। विश्वसनीय सूत्रों ने पुष्टि की थी कि वे पिछले कुछ महीनों से कर्रे गुट्टा पहाड़ियों और छत्तीसगढ़-तेलंगाना अंतरराज्यीय सीमा के आसपास छिपे हुए थे और दंडकारण्य में मिली लगातार पराजयों के बाद एक स्थान से दूसरे स्थान पर भागते फिर रहे थे। 18 नवम्बर को अल्लूरी सीतारामराजू जिले के आंध्र-छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र में उनकी भाग दौड़ अंततः समाप्त हो गई। 18 नवम्बर को मारेडुमिल्ली मंडल में कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान, माओवादियों और आंध्रप्रदेश पुलिस दल के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए, जिनमें सबसे प्रमुख माओवादी के सेंट्रल कमेटी सदस्य मदवी हिडमा भी शामिल था। माड़वी हिड़मा की मौत माओवादी विरोध अभियान के इतिहास की सबसे निर्णायक सफलताओं में से एक है, सिर्फ छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए है। माओवादी आंदोलन को एक बेहद करारा झटका है, जिसने अपना सबसे कुख्यात, जनविरोधी, आदिवासी-विरोधी, विकास-विरोधी और अमानवीय कमांडर खो दिया है। मुठभेड़ में निष्क्रिय किए गए माओवादी कैडरों की प्रारंभिक पहचान माड़वी हिड़मा सेंट्रल कमेटी सदस्य, मड़कम राजे (हिड़मा की पत्नी) एसजेडसीएम, लकमल डीवीसीएम, कमलू पीपीसीएम, मल्ला पीपीसीएम एवं देवे हिड़मा का पर्सनल गार्ड है।

हथियार व विस्फोटक ....

और माओवादी शीर्ष नेतृत्व का एक लंबे समय से सक्रिय आतंक का प्रतीक समाप्त हुआ।

16 की उम्र में ....

हिड़मा का जन्म छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले स्थित पूवर्ति गांव में 1981 में हुआ था। वह अभी पीएलजीए बटालियन नंबर एक का प्रमुख था, जिसे माओवादियों का सबसे घातक हमलावर इकाई माना जाता है। साथ ही सीपीआई माओवादी की सेंट्रल कमिटी का सबसे युवा सदस्य था। वह बस्तर क्षेत्र से सेंट्रल कमिटी में शामिल होने वाला एकमात्र आदिवासी सदस्य था। छत्तीसगढ़ में सिर्फ उस पर 50 लाख रुपए का इनाम था। माड़वी हिड़मा का असली नाम संतोष था।

रिसिन जहर मामले में ....

हमले के दौरान स्थिति इतनी बिगड़ गई कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप कर उसकी जान बचाई। मारपीट की सूचना मिलते ही सेल के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी तुरंत अंदर पहुंचे और डॉ. अहमद को कैदियों के चंगुल से बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही गुजरात एटीएस की टीम भी साबरमती जेल पहुंच गई है और हमले की वजह की जांच शुरू कर दी गई है। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि कैदियों ने अचानक हमला क्यों किया।

बाघों के निवास वाले ....

तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने योग्य प्रावधान भी शामिल हैं। साथ ही कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसी घटनाओं में अगर किसी व्यक्ति की मौत होती है, तो राज्यों को अनिवार्य रूप से 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देनी ही होगी।

एक पते से ....

मोबाइल नंबर और ईपीएफओ का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। ये कार्रवाई विश्वविद्यालय, उसके ट्रस्टीज और उससे जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच का हिस्सा है। ईडी की टीम ने यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी से भी पूछताछ की, वह पिछले कुछ दिनों से लापता बताए जा रहे थे। ईडी की टीम विश्वविद्यालय से संबंधित ट्रस्टियों और अन्य व्यक्तियों के परिसरों पर तलाशी ले रही है। वह दिल्ली में ओखला स्थित कार्यालय भी पहुंची थी। जांच टीम ने ग्रुप द्वारा यूजीसी और एनएएसी मान्यता को लेकर किए गए दावों में भी शुरुआती गड़बड़ियाँ पकड़ी हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

9 कंपनियां सिर्फ कागजों पर ही चल रहीं : जांच एजेंसियों की छापेमारी में पता चला है कि ग्रुप से जुड़ी 9 शेल कंपनियां एक ही पते पर रजिस्टर्ड हैं। जब अधिकारी वहां पहुंचे तो पाया कि ऑफिस में न कोई स्टाफ मौजूद था और न ही बिजली-पानी का कोई इस्तेमाल दिखा। इससे साफ लगता है कि इन कंपनियों की जमीन पर मौजूदगी सिर्फ कागज़ों में ही है।

एक ही मोबाइल नंबर, ईपीएफओ का कोई रिकॉर्ड नहीं : जांच में यह भी सामने आया कि कई कंपनियों में एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल का इस्तेमाल किया गया है। ईपीएफओ और ईएसआईसी में भी इन कंपनियों का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला, जबकि कागज़ों में इन्हें बड़े कारोबार वाली कंपनियाँ बताया गया था। इससे इन कंपनियों की गतिविधियों पर और ज्यादा शक गहरा गया है।

लालकिला ब्लास्ट का एपिसेंटर अल-फलाह : जांच एजेंसियों का कहना है कि अल-फलाह यूनिवर्सिटी लालकिला ब्लास्ट केस का एपिसेंटर बनकर सामने आई है। माना जा रहा है कि 14 लोगों की जान लेने वाले इस हाई-इंटेंसिटी ब्लास्ट की प्लानिंग इसी यूनिवर्सिटी कैंपस में की गई थी। एजेंसियां अब जब्त दस्तावेज़ों और डिजिटल रिकॉर्ड की विस्तृत फॉरेंसिक जांच करेंगी।

पाकिस्तान के ....

फिदायीन बनाने की फिराक में थे। दोनों लड़कों के मोबाइल तथा लैपटॉप में और कई आपत्तिजनक सामग्री मिली है, जिसका एटीएस जांच कर रही है।

क्लाउडफ्लेयर डाउन .....

मंगलवार शाम करीब 5:00 बजे से डाउन हुआ। क्लाउडफ्लेयर एक वेब इंफ्रास्ट्रक्चर और सिक्योरिटी कंपनी है। इसका काम वेबसाइटों और ऐप्स को साइबर अटैक, हैकिंग, और ट्रैफिक की वजह से धीमी गति से बचाना है। यह कंपनी 2010 में शुरू हुई थी।

कंपनी ने कहा सुधार कार्य जारी है : बता दें कि क्लाउडफ्लेयर ने कहा कि वे तकनीकी गड़बड़ी की जांच कर रहे हैं जो कई यूजर्स को प्रभावित कर रही है। कंपनी के अनुसार वाइडस्प्रेड 500 इरर आ रहे हैं, साथ ही क्लाउडफ्लेयर डैशबोर्ड और एपीआई भी ठीक से काम नहीं कर रहे। पूरी स्थिति समझने और समस्या को ठीक करने पर काम जारी है। **चैट जीपीटी हुई सही, एक्स में रही समस्या :** चेट जीपीटी की वेबसाइट भी डाउन हो गई। भारत में एक्स अकेला डाउन नहीं हुआ है। इसके साथ ही चैट जीपीटी की वेबसाइट भी कुछ समय के लिए डाउन हो गई।

पेज एक के शेष

ह्यूमन ट्रैफिकिंग...6 साल...

गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) ने संयुक्त रूप से यहां छापा मारा था। चार घंटे तक चली इस कार्रवाई में 14 से 17 साल की उम्र की 80 लड़कियां और 40 लड़के बाल श्रम से मुक्त कराए गए। इन्हें बेहद अमानवीय हालात में रखा और काम कराया जाता था। ये बच्चे मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, ओडिसा, मध्यप्रदेश, झारखंड और असम के जनजातीय इलाकों के हैं। स्थानीय एजेंट इन बच्चों को ट्रैफिकिंग के जरिए उनके गृह राज्यों से लेकर यहां लाए और काम पर लगा दिया। बीते 6 वर्षों से इन्हें यहां कैद जैसी हालत में रखकर काम करवाया जा रहा था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि कंपनी के डायरेक्टर मोनिका खेतान, विमल खेतान और विश्वप्रताप सिंह राणा हैं। अब इनके खिलाफ भी अपराध दर्ज कराया जाएगा। गौरतलब है कि यह वही मशरूम फैक्ट्री है, जहां से तीन माह पूर्व बाल मजूदरों को छुड़वाया गया था। उस वक्त उचित कार्रवाई नहीं होने के कारण आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए और उन्होंने पुनः बाल मजदूरों से काम लेना शुरु कर दिया।

कई बच्चे कुपोषित...

गए इन बच्चों की जानकारी राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर दी थी और कार्रवाई की मांग की थी। चिट्ठी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को सूचित किया। उन्होंने डीएसपी नंदिनी ठाकुर के नेतृत्व में एक टीम गठित कर तत्काल छापा मारा।

पुराने विस भवन में आखिरी...

तक की छूट दी गई है ताकि इस अवधि में वे अपने घरों में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर प्लांट स्थापित करा सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हर उपभोक्ता को सस्ती, सुचारू और भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना है। सोलर प्लांट स्थापना प्रक्रिया में समय लगने के कारण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 1 दिसंबर से नई योजना लागू की जा रही है, जिससे आम जनता के बिजली बिल में महत्वपूर्ण कमी आएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य शासन की ओर से सब्सिडी दी जा रही है। जिसके तहत 1 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट पर 15,000 रुपये तथा 2 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के प्लांट पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है। यह व्यवस्था राज्य में सौर ऊर्जा अपनाने को प्रोत्साहित करेगी और आने वाले समय में उपभोक्ताओं को हाफ बिजली से फ्री बिजली की ओर ले जाएगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह निर्णय न केवल जनता के बिजली बिल को कम करेगा बल्कि राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा।मुख्यमंत्री ने आगामी योजनाओं, उद्योगों में तेजी से बढ़ रही संभावनाओं और नागरिकों को मिलने वाले प्रत्यक्ष लाभों का विस्तार से उल्लेख किया। उनके अनुसार नई उद्योग नीति लागू होने के बाद बेहद कम समय में 7.83 लाख से अधिक नौकरी और निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जो राज्य के औद्योगिक भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य भी तेजी से प्रगति की दिशा में बढ़ रहा है। उद्योग, ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, कृषि और सामाजिक कल्याण सहित हर क्षेत्र में सुधार एवं विस्तार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। ऊर्जा उत्पादन और बिजली उपलब्धता को लेकर मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को सोलर एनर्जी की ओर ले जाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में अधिक से अधिक घरों को सोलर रूफटॉप से जोड़कर मुफ्त बिजली की दिशा में कदम बढ़ाए जाएंगे। इससे न केवल बिजली बिलों में कमी आएगी बल्कि राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता भी मजबूत होगी।

विधानसभा की उपलब्धि : विधानसभा की उपलब्धियों को लेकर श्री चंद्राकर ने कहा, 25 सालों में विधानसभा ने कई उपलब्धि हासिल की है। यह पहली विधानसभा थी, जिसे राष्ट्रपति ने संबोधित किया था। यहां बेल में आने पर स्वयं निलंबन की परंपरा को कायम किया गया, जिसका पालन हो रहा है। नक्सलियों को लेकर गोपनीय बैठक भी इस विधानसभा में हुई। रविवार के दिन भी विधानसभा की कार्यवाही चली। कोरम के अभाव में विधानसभा कभी स्थगित नहीं हुई। मार्शल का उपयोग कभी नहीं किया गया। श्री चंद्राकर ने बताया कि विधानसभा में कई ऐतिहासिक विधेयक पारित हुए। इन विधेयकों में खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2012, पंचायती राज अधिनियम, पंचायतों में स्वच्छता अभियान, साक्षरता और कुपोषण जैसे मामलों में भाजपा सरकार के समय काम किया गया। लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 24 और 14 घंटे तक अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की गई।

रिजेक्टेड सलाहकारों ने भूपेश के नाम का किया दुरुपयोग : श्री चंद्राकर ने कहा कि उसके बाद भूपेश बघेल का कार्यकाल आया। उनमें वो आग थी, और आज भी है। उनके निर्णय ग्राम्य जीवन को बदल सकते थे, अगर वे योजनाओं को बजटीय सपोर्ट देते। उन योजनओं को बजटीय सपोर्ट न होने के कारण नहीं चल पाईं। उनके सलाहकार ऐसे रिजेक्टेड लोगों को बनाया गया था, जिन्होंने उनके नाम का दुरुपयोग किया। उसके बाद राज्य में विष्णुदेव की पारी चल रही है। अभी शुरुआत अच्छी हुई है। प्रधानमंत्री ने उनके आदिवासी क्षेत्रों में किए गए कार्यों की सराहना की है। 11 हजार करोड़ से अधिक की सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

25 साल के सफर...

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कहा, आपके भीतर छत्तीसगढ़ के लिए काम करने की आग दिखती है, लेकिन योजनाएं संसदीय मंजूरी और बजट के अभाव में प्रभावित हुईं, जिसकी बदनामी आपको झेलनी पड़ी। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य गठन के इतिहास और उसमें भाग लेने वाले नेताओं के बारे में चर्चा की। राज्य बनने के बाद पहली विधानसभा जशपुर हाल में हुई। विधानसभा की पहली प्रोसिडिंग थी- जोगी जी अपने मंत्रिमंडल का परिचय कराएंगे कि नहीं। राज्य बनने के दौरान अजीत जोगी ने कई कार्य किए जिसमें एमपीएसआरटी को बंद करने, सीएसईबी की स्थापना, निजी विवि की स्थापना जैसे कई अच्छे कार्य हुए। वहीं उनके कार्यकाल में विधानसभा की शुरुआत अच्छी रही। विपक्ष के सदस्य बनवारी लाल अग्रवाल को उपाध्यक्ष बनाया गया, लेकिन नौ माह बाद उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उन्हें हटा दिया गया। उसके बाद परंपरा तोड़ते हुए सत्ता पक्ष की ओर धरमजीत सिंह को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बालको निजीकरण के मामले में मंत्रिमंडल ने स्वयं बेल में आकर रोकने का काम किया।

संसदीय यात्रा का...

भवन में संचालित रहा है। राज्य अपने युवा अवस्था में स्वयं के निर्मित विधान सभा भवन में अपनी आगामी संसदीय यात्रा का इतिहास लिखने जा रहा है।

नए भवन में ...

हो गई है और इसकी तैयारियां शुरू करने के निर्देश भी विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिए। एक दिन के विशेष सत्र में सबसे पहले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिवंगत पूर्व सदस्यों का उल्लेख किया, जिस पर सदन ने रजनीताई उपासने, बनवारी लाल अग्रवाल, राधेश्याम शुक्ला को श्रद्धांजलि अर्पित की। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पुराने भवन में आज आयोजित विशेष सत्र बेहद खास रहा। सत्र के दौरान छत्तीसगढ़ के 25 साल के संसदीय इतिहास को याद किया गया। एक दिन के विशेष सत्र की शुरुआत बीजेपी के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने की। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल को स्वर्णिम युग बताया।

छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, वृत्त - जगदलपुर

प्रथम निविदा आमंत्रण विज्ञापन 41

छ.ग गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र/ वृत्त - जगदलपुर के अंतर्गत संभाग दंतेवाड़ा में (1) अटल विहार योजनांतर्गत कोतापाल जिला - बीजापुर में गेन्ट्री साईन बोर्ड का निर्माण कार्य (2) सामान्य आवास योजनांतर्गत गीदम जिला-दंतेवाड़ा में गेन्ट्री साईन बोर्ड का निर्माण कार्य हेतु ऑफलाईन /मेनुअल निविदा एवं (3) अटल विहार योजनांतर्गत कोतापाल जिला-बीजापुर में गार्डन विकास कार्य एवं मुख्य द्वार का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in/ एवं http://eproc.cgstate.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता संभाग दंतेवाड़ा मो.नं. 9926887809 पर संपर्क करें।

S-45950/7 उपायुक्त

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.eT-WAT-Comml-01-2025, दिनांक : 13.11.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल में सिम्हाचलम, दुव्वाडा, जयपुर, बोब्बिलि और जगदलपुर ABSS स्टेशनों पर कलाकृति।

कार्य की अनुमानित लागत(रुपये में) : 99,95,870/-, EMD (रुपये में) : 1,99,900/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 04.12.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 10(दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-801/Q/25-26

आम सूचना

(कृषि भूमि जिसका खसरा क्रं-56/22, रकबा 0.289 हे., जो कि मौजा- टेमरी (4407259), प.ह.नं.-78, राजस्व निगम मंडल-रायपुर-1, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) स्थित के संबंध में आम सूचना ।)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को श्री हेमंत चिंद पिता शिवदास चिंद, निवासी- गोविंद नगर, पंडरी, रायपुर, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) से क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है, बयाना राशि का विक्रय इकरारनामा के अनुसार भूगतान किया जा चुका है और अब केवल विक्रय-विलेख का निष्पादन एवं पंजीयन शेष है। उक्त सम्पत्ति के सभी मूल दस्तावेज उपरोक्त विक्रेता के पास है।

अतः उपरोक्त सम्पत्ति से संबंधित जिस किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, प्रशासन व अन्य विधिक व्यक्ति आदि को उक्त संव्यवहार या उसके किसी भी भाग पर उजर, आपत्ति या दावा हो तो वह नीचे लिखे पते पर लिखित रूप में दावा व आपत्ति व संबंधित दस्तावेज को आज दिनांक से 07 दिवस के भीतर व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत करें अन्यथा मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त सम्पत्ति के पंजीयन की कार्यवाही सम्पन्न करा ली जावेगी तद् उपरांत किसी भी उजर, आपत्ति या दावा अमान्य, अवैध व शुन्य माना जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा।

सो सूचना जाने

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक- 16-11-2025

निखिल अग्रवाल (अधिवक्ता), मैनेजिंग पार्टनर, कम्पलीट लीगल साल्यूशंस एल.एल.पी, ऑफिस- c/o प्रथम तल, 11/2122, स्ट्रीट क्रमांक 05, रॉयल पार्लर के बाजू में, जगदीश होटल के पास, शंकर नगर, रायपुर - 492004 (छ.ग.), मो.- 8120998100, Email - nikhil@clsllp.com

आम सूचना

(कृषि भूमि जिसका खसरा क्रं-56/3 (शामिल 56/4, 56/7, 56/8, 56/9, 56/10, 56/11, 56/12), रकबा-0.762 हे., जो कि मौजा-टेमरी (4407259), प.ह.नं.-78, राजस्व निगम मंडल-सेरीखेड़ी, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) स्थित के संबंध में आम सूचना।)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को 1) याशिष चिंद पिता स्व. मनमोहन चिंद, 2) कविता चिंद पति स्व. अनिश चिंद, 3) कमलेश चिंद पति स्व. मनमोहन चिंद, 4) अलिशा चिंद पिता स्व. अनिश चिंद व 5) नाबालिक कबीर चिंद पिता स्व. अनिश चिंद वली एवं माता- कविता चिंद सभी निवासी गोविंद नगर, पंडरी, रायपुर, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) से क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है, बयाना राशि का विक्रय इकरारनामा के अनुसार भुगतान किया जा चुका है और अब केवल विक्रय-विलेख का निष्पादन एवं पंजीयन शेष है। उक्त सम्पत्ति के सभी मूल दस्तावेज उपरोक्त विक्रेता के पास है।

अतः उपरोक्त सम्पत्ति से संबंधित जिस किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, प्रशासन व अन्य विधिक व्यक्ति आदि को उक्त संव्यवहार या उसके किसी भी भाग पर उजर, आपत्ति या दावा हो तो वह नीचे लिखे पते पर लिखित रूप में दावा व आपत्ति व संबंधित दस्तावेज को आज दिनांक से 07 दिवस के भीतर व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत करें अन्यथा मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त सम्पत्ति के पंजीयन की कार्यवाही सम्पन्न करा ली जावेगी तद् उपरांत किसी भी उजर, आपत्ति या दावा अमान्य, अवैध व शुन्य माना जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा। सो सूचना जाने

रायपुर (छ.ग.) दिनांक- 16-11-2025

निखिल अग्रवाल (अधिवक्ता), मैनेजिंग पार्टनर, कम्पलीट लीगल साल्युशंस एल.एल.पी, ऑफिस- c/o प्रथम तल, 11/2122, स्ट्रीट क्रमांक 05, रॉयल पार्लर के बाजू में, जगदीश होटल के पास, शंकर नगर, रायपुर-492004 (छ.ग.), मोबाइल-8120998100, Email - nikhil@clsllp.com

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल अभियंता (सह)/द.पू. रेलवे, नागपुर, भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत, निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

क्र 1. निविदा सूचना संख्या: N-46-NGP-2025-2026
कार्य का नाम: (1) एडीईएन/एनआईआर एवं एडीईएन/सी डब्ल्यूए(120 दिन) अनुभाग में ट्रैक की सुरक्षा हेतु ठंड के मौसम में ट्रैक पर गश्त हेतु गश्ती दल को सहायक उपलब्ध कराना और (2) डीईएन (दक्षिण)/एनजीपी के अंतर्गत जी-सीएएफ अनुभाग में ट्रैक की सुरक्षा हेतु ठंड के मौसम में ट्रैक पर गश्त हेतु गश्ती दल को सहायक उपलब्ध कराना।
अनुमानित निविदा मूल्य: रु. 1,65,01,679/-
बयाना राशि: रु. 2,32,500/-

क्र 2. निविदा सूचना संख्या: N-47-NGP-2025-2026
कार्य का नाम: (1) एडीईएन/सी डब्ल्यूए के अधिकार क्षेत्र में मोड़ों पर गार्ड रेलिंग और चेक रेल का प्रावधान और (2) एडीईएन/एनआईआर के अधिकार क्षेत्र में गोंदिया-बालाघाट-कटंगी खंड में सेस, ट्रॉली रिफ्यूज, पक्की साइड ड्रेन का सुधार और पीएससी स्लीपर (यू/एस) के साथ बाउंड्री पोस्ट लगाना।
अनुमानित निविदा मूल्य: रु. 2,24,70,921/-
बयाना राशि: रु. 2,62,400/-

क्र. 3. निविदा सूचना संख्या: E-41-NGP-2025-2026
कार्य का नाम: सीनि.डीईएन/पूर्व/नागपुर के अधिकार क्षेत्र में 60 केजी/60 ईआई-आर 260 ग्रेड रेलों के लिए एटी वेल्डिंग पोर्शन की आपूर्ति, जिसमें कंप्रेस्ड एयर पेट्रोल प्री-हीटिंग सिस्टम, 3-पीस प्रीफेब्रिकेटेड (जिरकॉन वॉश्ड) मोल्ड्स का मैनुअल प्रेसिंग, तथा ऑटोमैटिक टैपिंग थिम्बल लगे सिंगल शॉट क्रूसिबल द्वारा रेल जॉइंट वेल्डिंग शामिल है।
अनुमानित निविदा मूल्य: रु. 1,15,10,880.36 /- बयाना राशि: रु. 2,07,600/-

उपरोक्त निविदाओं के लिए बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल 12.12.2025 को 3.00 बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इन निविदाओं के लिए मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। विवरण हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पूर्व) द.पू.म. रेलवे नागपुर

AAA/40/184

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल, राँची

निविदा रद्द सूचना

टेन्डर रेफरेंन्स नं0:– प0नि0वि0/राँची–39/2025–26

पथ प्रमंडल, राँची अन्तर्गत PRNo. 364965 से विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित IRQP Work in Mandar Chowk (on NH-75) to Burmu Road (कुल लम्बाई–14.80 कि0मी0) कार्य वर्ष 2025–26 कार्य के निविदा सूचना को अपरिहार्य कारणवश तत्काल रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल,राँची

PR 366328 Road Construction Dept Road Division Ranchi(25-26).D

College of Horticulture & Research Station, Saja, Bemetara
Mahatma Gandhi Udyanikee Evam Vanikee Vishwavidyalaya, Durg (C.G.)

No.:/CHRS-Saja/Estt./Acad./G.T./2025-26/866 Dated: 17/11/2025

ADVERTISEMENT FOR GUEST TEACHER

An Interview will be held at College of Horticulture & Research Station, Saja, Bemetara for engagement of Guest Teacher against the vacant positions in the discipline/subject viz. Agriculture Statistics and Computer Science (01 UR), Vegetable Science (01 UR), and Fruit Science (01 UR), up to 01.12.2025. Please visit the University Website www.mguvv.ac.in for further more details.

DEAN
CHRS-Saja, Bemetara

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, डालटनगंज

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय द्वारा निर्गत कोटेशन आमंत्रण सूचना, जिसका पी0आर0 नं0– PR 365289 Building(25-26)_D है को अपरिहार्य कारणों से कोटेशन की तिथि परिवर्तित करते हुए निम्नलिखित नई तिथि पढ़ा जाय :–

1. कोटेशन विक्री की तिथि एवं समय– 26.11.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक।
2. मुहरबंद लिफाफा कोटेशन प्राप्त की तिथि एवं समय–27.11.2025 को पूर्वाह्न 01:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक।
2. मुहरबंद लिफाफा कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय– 27.11.2025 को 03:30 बजे अपराह्न से

शेष शर्ते यथावत रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, डालटनगंज

PR 366273 Building(25-26).D

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की उत्तरवर्ती कंपनी)
कार्यालय- कार्यपालन यंत्री (सं. सं.) संभाग छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री. कं. लिमि. महासमुन्द

// आम सूचना //

महासमुन्द संभाग के अन्तर्गत कोमाखान क्षेत्र के आम जनता को सूचित किया जाता है कि 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कोमाखान (गोईनाबाहरा) से निकलने वाली नवीन 11 के. व्ही. कोमाखान डोमेस्टिक 2 सेग्रिगेशन फीडर (RDSS) लाईन का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें 33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र कोमाखान (गोईनाबाहरा) से ग्राम नवाडीह, बसुलाडबरी, घासीनगर, लिटियादादर, मोहबा, नवागांव से मौलीमुड़ा तक से होकर गुजरी हुई लाईनों का विद्युत प्रवाह दिनांक 19.11.2025 या उसके पश्चात कभी भी चालू किया जा सकता है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लाईनों से सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऑथोरिटी के सुरक्षा अधिनियम की कंडिका 58 एवं 60 के अनुसार कोई निर्माण न करें एवं पर्याप्त दूरी बना कर रखे, छेड़खानी न करें एवं किसी भी प्रकार से विद्युत लाईनो के संपर्क में आने का प्रयास न करें तथा दूरी बनाये रखें।

(पी.आर. वर्मा)
कार्यपालन यंत्री (सं/स) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं. लिमि. महासमुन्द

"असुविधा से बचने के लिए अपने विद्युत देयक का भुगतान समय पर करें।"

:: आम सूचना का खण्डन ::

संदर्भ क्र. दिनांक 18.11.2025

श्री दिविज छुट्टानी, अधिवक्ता द्वारा दिनांक 16.11.025 के दैनिक समाचार पत्र "हरिभूमि" में प्रकाशित आम सूचना का निम्नलिखित खण्डन करता हूँ :-

ग्राम - कोलर, तहसील - अभनपुर, जिला - रायपुर (छ.ग.) स्थित खसरा नंबर 161/5, रकबा 0.4580 हे. भूमि पूर्व में मौके पर उपलब्ध नहीं था और न ही नक्शे में बंटाकित है। उक्त भूमि के भू-स्वामी रूपनाथ साहू ने खसरा नंबर 161/5 को त्रुटिपूर्ण बंटाकन कराकर मेरे पक्षकार श्री ललित कुमार साहू के स्वामित्व एवं आधिपत्य की बंटाकित भूमि खसरा नंबर 161/37 एवं 161/25 के सीमा रेखा के भीतर नक्शा बंटाकित करवा लिया है। उक्त त्रुटिपूर्ण नक्शा बंटाकन को राजस्व अपीलीय न्यायालय एवं माननीय व्यवहार न्यायालय में चुनौती दी गई है जो वर्तमान में लंबित है। अतः वर्तमान में खसरा नंबर 161/5 मेरे पक्षकार के बंटाकित भूमि के भीतर सृजित होने के कारण मेरे पक्षकार के आधिपत्य व कब्जे में है। अतः खसरा नंबर 161/5 भूमि का नक्शा बंटाकन एवं आधिपत्य वर्तमान में विवादित होने के कारण उपरोक्त भूमि को क्रय किये जाने से क्रेता को कोई स्वत्व एवं आधिपत्य की प्राप्ति नहीं होगी। सो सूचना जानें ....

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक : 18.11.2025

(टी.एल. साहू)
अधिवक्ता,
पता: अवधपुरी नगर, भाठागाँव, रायपुर (छ.ग.) मोबा.नं. : 9302420509

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) CIN – U40108CT2003SGC015820
कार्यालय–कार्यपालन यंत्री, अ.उ.दा (संधा.)संभाग,पताः छ.ग.स्टेट पॉवर ट्रांस.कं.लिमि.,भिलाई
वेबसाइट :- www.cspc.co.in ई-मेल eeehtmaint.bhilai@cspc.co.in टेलीफोन नं :– टेलीफोन/फैक्स न.:- 0788.2281729

क्रमांक:52–3200/निविदा–वाहन/746 भिलाई, दिनांक :17/11/2025

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

'जीप श्रेणी अथवा समकक्ष वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध हेतु'

सहायक यंत्री, अति उच्च दाब (संधा.) उपसंभाग छ.ग.स्टेट.पा.ट्रां. कं.लिमि. गुरूर के कार्यालयीन कार्यो के लिए वाहन चालक सहित 01 नग जीप श्रेणी अथवा समकक्ष वाहन(टाटा सुमो,एस.यू.वी.) के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध (तीन वर्ष) हेतु पंजीकृत/उपयुक्त ठेकेदारों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्रं	वाहन का प्रकार	अवधि	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	कोटेशन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	कोटेशन खुलने की तिथि एवं समय
01	सहायक यंत्री अति उच्च दाब (संधा.) उपसंभाग, छ.ग.स्टे.पॉ.ट्रां.कं.लिमि.गुरूर के लिए वाहन चालक सहित 01 नग जीप श्रेणी अथवा समकक्ष वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध (एस.यू.व्ही.वाहन)	तीन वर्ष	10.12.25 03.00 बजे	10.12.25 03.00 बजे	11.12.25 03.30 बजे
02.	निविदा प्रपत्र की लागत रू. 2000/– (GST सहित) (वापसी योग्य नहीं)				
03.	अमानत राशि रू. 21000/–DD के रूप में RAO,CSPTCL, Raipur के नाम से स्वीकार किया जावेगा।				

निविदा प्रपत्र कार्यालय से क्रय किया जा सकता है। उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत, विज्ञप्ति समयावधि विस्तार संबंधित जानकारी व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://cspc.co.in से डाउनलोड की जा सकती है।(नोटः– आवश्यकतानुसार तिथि व समय परिवर्तीत की जा सकती है।)

कार्यपालन यंत्री
अति उच्च दाब(संधा.) संभाग छ.स्टे.पॉ.ट्रान्स.कं.लिमि. भिलाई

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें

झारखण्ड स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड
(झारखण्ड सरकार का उपक्रम)
का0: अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-प्रबन्ध निदेशक, झारखण्ड राज्य वन विकास निगम लि0, 455/A, रोड नं0-5, अशोक नगर, राँची
E-mail – md_jsfdc@yahoo.co.in / mdjsfdc@gmail.com TOLL FREE NO. 18008891131

ई–निविदा सूचना संख्या ल0 व0 प0 प0 (के0 प0)–02/2026

वर्ष 2026 मौसम में झारखण्ड राज्य में संग्रहित होनेवाली केन्दू पत्ती की अग्रिम बिक्री हेतु ई-निविदा
अतिअल्पकालीन ई-निविदा सूचना

विगत वर्ष की भांति वर्ष 2026 मौसम में झारखण्ड में संग्रहित होने वाली केन्दू पत्ती की प्रचयवार "शुद्ध एक मुश्त राशि" के आधार पर अग्रिम बिक्री हेतु ऑनलाईन ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें वेब पोर्टल www.jharkhandtenders.gov.in पर ऑनलाईन निम्न विवरण अनुसार प्राप्त की जायेंगी।

निविदा चक्र (निविदा रिफरेन्स सं0)	समय	निविदा अभिलेख डाउनलोड एवं समर्पण की तिथि	निविदा खोलने की तिथि
छठा चक्र (KL/6/2026)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	21.11.2025 24.11.2025	26.11.2025
सातवां चक्र (KL/7/2026)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	28.11.2025 01.12.2025	03.12.2025
आठवां चक्र (KL/8/2026)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	05.12.2025 08.12.2025	10.12.2025
नौवां चक्र (KL/9/2026)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	12.12.2025 15.12.2025	17.12.2025
दशवां चक्र (KL/10/2026)	प्रारम्भ 11.00 बजे पूर्वा0 अन्त 5.00 बजे अप0	19.12.2025 22.12.2025	24.12.2025

क्रेता पंजीकरण पत्र, निविदा शुल्क, सत्यंकर राशि, निविदाकार का करारनामा, आयकर विभाग द्वारा निर्गत PAN की अभिप्रमाणित प्रति, पिछले तीन लेखा वर्षों के आयकर रिटर्न की अभिप्रमाणित प्रतियाँ, GST निबंधन संख्या के प्रमाण–पत्र की अभिप्रमाणित प्रति, विगत् लेखा वर्ष के GST रिटर्न की प्रति तथा अपलोड किये गये अन्य दस्तावेज की एक–एक प्रति निविदादाता निविदा खुलने की तिथि के एक दिन पूर्व (3.00 बजे अपराहन्) तक प्रमण्डलीय प्रबन्धक के कार्यालय में जमा करेंगे। समस्त इच्छुक निविदाकारों को ऑनलाईन निविदा भरने हेतु Digital Signature Certificate प्राप्त करना अनिवार्य है।

विस्तृत जानकारी यथा निविदा प्रपत्र, लॉट सूची, निविदाकार का करारनामा, निविदा से संबंधित शर्ते एवं बंधेज आदि वेब साईट www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है। ऑनलाईन निविदा समर्पित करने के पूर्व निविदा प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लें। अधिक जानकारी के लिये वन निगम के प्रमण्डलीय/अंचलीय कार्यालयों से तथा वन निगम मुख्यालय के निम्न पदाधिकारी/कर्मी से भी सम्पर्क कर सकते हैं :–

(1) उप निदेशक (विपणन), राँची, 8986653797
(2) उप निदेशक (मुख्यालय), राँची, 9431402051
(3) श्री प्रसून कुमार, FPI, राँची, 9153989366
(4) TOLL FREE NO. 18008891131

ह0/–
अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक–सह–प्रबन्ध निदेशक, झारखण्ड राज्य वन विकास निगम लि0, राँची

PR 366366 Jharkhand State Forest Development Corp Ltd (25-26)_D

शब्द पहेली - 6052

बाएँ से दाएँ
1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब-2
19.सम्मान-2
20.पासों फेंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
35.खोट, दाग-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे
1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीडा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.बातलाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.घोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली- 6051 का हल

सूडोकू नवताल - 6062

मध्यम

सूडोकू नवताल - 6061 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र./निर्माण/2025 दिनांक 14.11.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Korba, Chhattisgarh (2nd Call)	878.93	28.11.2025 (T.No. 179579)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

टाटा स्टील कलिंगनगर संयंत्र के 10 वर्ष हुए पूरे

नई दिल्ली। टाटा स्टील ने ओडिशा में 50,000 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अपने कलिंगनगर संयंत्र के परिचालन के 10 साल पूरे होने की मंगलवार को जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि इस संयंत्र को 2015 में 30 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की प्रारंभिक क्षमता के साथ चालू किया गया था।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल, राँची

निविदा रद्द सूचना

टेन्डर रेफरेंन्स नं0:– प0नि0वि0/राँची–38/2025–26

पथ प्रमंडल, राँची अन्तर्गत **PRNo.364784** से विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित **Surface Renewal / Strengthening work of – (i) Argora Chowk to Kathal More Road, (ii) Itki Road to Shyama Prasad Mukherjee Nagar Road, (iii) Siramtoli Chowk to Bahu Bazar Via Chutiya Thana-Mahadev Manda Chutiya Road and (iv) Hinoo Chowk to Birsa Chowk road (कुल लम्बाई–10.93 कि0मी0) कार्यवर्ष 2025–26** कार्य के निविदा सूचना को अपरिहार्य कारणवश तत्काल रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल,राँची

PR 366325 Road Construction
Dept Road Division Ranchi(25-26).D

सोना 3,900 रुपए टूटा, चांदी में 7,800 रुपए की गिरावट

एजेंसी ▸▸। नई दिल्ली

अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने के बीच वैश्विक कीमतों में गिरावट के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 3,900 रुपये टूटकर 1,25,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली सोने की कीमत 3,900 रुपये गिरकर 1,25,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। चांदी की कीमतों पर भी दबाव रहा और यह 7,800 रुपये गिरकर 1,56,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। ऑग्मोंट की शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा, ''अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की घटती उम्मीदों के बीच, निवेशक इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों से फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिससे सोने और चांदी में भारी बिकवाली देखी जा रही है।''

शेयर बाजार में छह दिन से जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 278 अंक टूटा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में पिछले छह दिन से जारी तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच आईटी, धातु और पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स करीब 278 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 277.93 अंक की गिरावट के साथ 84,673.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 392.59 अंक तक लुढ़क गया था।

कार्यालय, उप संचालक कृषि जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

e-mail ID : ddabbazar.cg@gov.in

क्र./NMEO-OS/2025-26 / 3732 बलौदाबाजार, दिनांक 17-11-25

-:: सूरजमुखी संकर बीज प्रदाय हेतु निविदा ::-

संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़ रायपुर का पत्र क्र. / NFSM (OS)/01/2025-26 / 238 नवा रायपुर, दिनांक 22.09.2025 के माध्यम से नेशनल मिशन ऑन इडिबल ऑयल ऑयल सीड्स (NMEO-OS) एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (रफ्तार) योजनांतर्गत जिले को सूरजमुखी फसल हेतु खण्ड प्रदर्शन का लक्ष्य प्रदाय किया गया है। गवर्नमेंट ई-मार्केट (जेम) पोर्टल में सूरजमुखी संकर बीज उपलब्ध नहीं होने के कारण संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़ रायपुर का पत्र क्र. /NMEO (OS)/07/2025–26 / 312 नवा रायपुर, दिनांक 07.11.2025 के माध्यम से प्राप्त निर्देशानुसार **''सूरजमुखी संकर बीज'' 4.00 क्विंटल (अनुमानित राशि रुपये 4.97 लाख)** भण्डारण हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है।

निविदा प्रारम्भ तिथि - 19 नवम्बर, 2025 (समय प्रातः 10:00 बजे से)
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 25 नवम्बर, 2025 (समय सायं 5:30 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि - 26 नवम्बर, 2025 (समय दोपहर 12:00 बजे)

नियम व शर्ते :-

01. निविदा सीलबंद लिफाफे में निर्धारित तिथि तक पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही स्वीकार किया जावेगा।
02. सूरजमुखी संकर बीज 5 वर्ष की अंदर की किस्म हो।
03. उक्त किस्म छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अनुसंशित हो।
04. निविदा के संबंध में अन्य नियम एवं शर्ते तथा विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि एवं समय में शाखा प्रभारी (NMEO-OS & RKVY-RAFTAAR) कार्यालय, उप संचालक कृषि, जिला - बलौदाबाजार-भाटापारा से प्राप्त की जा सकती है।

S-45952/1

उप संचालक कृषि
जिला - बलौदाबाजार-भाटापारा

छत्तीसगढ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर जिला - जाजंगीर-चाम्पा (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्र. 2

निविदा सूचना क्र. 28 से 33 / व.ले. लि. / 2025-26 जांजगीर, दिनांक 12.11.2025 निविदा सिस्टम नं. 179023, 179024, 179025, 179026, 179029, 179030 (प्रथम आमंत्रण) जिसका जी. क्र. 252604730/6 दिनांक 14.11.2025 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

स. क्र.	पूर्व प्रसारित NIT	संशोधित NIT
1	अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक **19-11-2025** समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है। **नोट** : (1) निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। अन्य निविदा संबंधी शर्ते विभाग के साईट **https://eproc.cgstate.gov.in** में Live Tender **https://eproc.cgstate.gov.in** के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।	अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक **19-11-2025** समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है। **नोट :** (1) निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। अन्य निविदा संबंधी शर्ते विभाग के साईट में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। (2) निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.05.2025 (संशोधित 08.08.2025) के अनुसार है। (3) निविदाकार द्वारा अपने वित्तीय प्रस्ताव में GST जोडकर निविदा भरा जाना है।

नोटः- निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर
जिला - जांजगीर-चाम्पा (छ. ग.)

G-252604834/4

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सेतु मंडल रायपुर (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

दिनांक 17.11.2025

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा ''डी'' श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु तृतीय निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 27.11.2025 तक है।

एन.आई.टी क्र./निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 51 Tender No. 179814	Special Repair Work of Various Old Bridges in Khairagarh-Chhuikhdan-Gandai District Under P.W.D. Bridge Construction Sub-Division Rajnandgaon.	रू. 42.37 लाख
NIT NO. 53 Tender No. 179815	Special Repair Work of Various Old Bridges in Rajnandgaon District Under P.W.D. Bridge Construction Sub-Division Rajnandgaon	रू. 42.37 लाख
NIT NO. 52 Tender No. 179819	Special Repair Work of Various Old Bridges in Mohla-Manpur-Ambagarh-Chowki District Under P.W.D. Bridge Construction Sub-Division Rajnandgaon.	रू. 42.37 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिड केपेसीटी उपलब्धत्ता बाबत जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेग, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल नंबर एवं ई-मेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रुप से करें।

Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, सेतु मंडल,
रायपुर (छ.ग.)

G-252604848/3 आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र. 2 रामानुजगंज, जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 04.12.2025 (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
179266	06/ व.ले.लि / 2025-26 दिनांक 13.11.2025	लोधीडांड (लोधी) जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य।	287.54	प्रथम आमंत्रण
179267	07/ व.ले.लि / 2025-26 दिनांक 13.11.2025	सरना जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य।	281.92	प्रथम आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **20/11/2025** समय **17:31** बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा मे भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते - मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग
अंबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

G- 252604838/4

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

क्रमांक/1210/ADV/957/2025

नवा रायपुर, दिनांक : 17/11/2025

संक्षिप्त विज्ञापन

(1) छत्तीसगढ़ शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत ''सहायक प्राध्यापक (चिकित्सा महाविद्यालय)'' विभिन्न विषयों के 125 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने के लिए विज्ञापन क्रमांक 05/2025/परीक्षा/दिनांक 17/11/2025 जारी किए गए हैं, जो छत्तीसगढ़ संवाद के समाचार पत्र ''रोजगार और नियोजन'' के अंक दिनांक 19/11/2025 में विज्ञापन एवं अन्य जानकारी प्रकाशित है।
(2) विज्ञापित पदों की आवश्यक अर्हताएं, आयु सीमा, शुल्क, निर्देश, परीक्षा योजना, पाठ्यक्रम आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी ''रोजगार और नियोजन'' के अंक दिनांक 19/11/2025 में देखे जा सकते हैं।
(3) उपर्युक्त पद हेतु आवेदकों की अर्हता निर्धारण के लिए उच्चतर आयु एवं आयु में छूट की गणना की निर्धारित तिथि 1 जनवरी 2025 है, जिसके संदर्भ में ही आयु की गणना की जाएगी।
(4) ऑनलाइन आवेदन दिनांक 25/11/2025 मध्यान्ह 12:00 बजे से दिनांक 24/12/2025 रात्रि 11:59 बजे तक किया जा सकता है।
(5) आयोग के वेब-साईट www.psc.cg.gov.in में भी विज्ञापन एवं विस्तृत जानकारी देखी जा सकती है।
(6) आवदेक, उपरोक्त पदों हेतु आयोग के विज्ञापन क्र. 05/2025/परीक्षा/दिनांक 17/11/2025 में उल्लेखित कंडिकाओं के अनुसार ही ऑनलाइन आवेदन करें।
(7) रोजगार और नियोजन का उक्त अंक छत्तीसगढ़ संवाद के निम्न पते से भी प्राप्त किया जा सकता है:- संपादक, रोजगार और नियोजन, छत्तीसगढ़ संवाद, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ दूरभाष 0771-2512567.

सही/-सचिव
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नवा रायपुर अटल नगर

G-252604847/1

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार क्र. 1 से 2 हेतु दिनांक **01.12.2025** तक एवं सरल क्र. 3 से 13 हेतु दिनांक **08.12.2025** निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ. सू.क./ दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	395	बिलासपुर फायर स्टेशन कार्यालय भवन, फायर वाहन पार्किंग जल जलाशय वॉशिंग रेम्प एवं सुखाने हेतु होस टॉवर के निर्माण कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग क्र. 1, बिलासपुर। मद संख्या-67-4059-7716 बजट**	155.96
2	396	जिला अंतर्गत रायगढ़ के घड़ी चौक स्थित स्पोर्टस कॉम्पलेक्स के नवीनीकरण कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग रायगढ़। मद संख्या 8443 जमा मद**	47.04
3	397	केन्द्रीय जेल बिलासपुर में वीडियों कार्फ्रेसिंग कक्ष, कल्याण, विधि कार्यालय एवं वकील मुलाकात कक्ष निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग क्र. 1, बिलासपुर। मद संख्या 67-4059-8040 बजट**	17.17
4	398	जिला कोरबा विकासखण्ड पाली अंतर्गत ग्राम बोईदा में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन, विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग, कोरबा। मद संख्या-68-4202-3490**	118.77
5	399	13वीं बटालियन मुख्यालय खरहरी में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग, कोरबा। मद संख्या- 8443 जमा मद**	23.26
6	400	नगर पंचायत पाली कोरबा के बासपास मुख्य मार्ग के कि.मी. 3/8 में हो रहे जल भराव के निकासी हेतु मुख्य मार्ग पर पुल एवं नाली का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग, कोरबा। मद संख्या 8443 जमा मद**	103.32
7	401	जिला कोरबा के पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय हिन्दी/ अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बांकामोंगरा में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग, कोरबा। मद संख्या- 8443 जमा मद**	62.90
8	402	जिला कोरबा के विकासखण्ड पोडीउपरोड़ा अंतर्गत ग्राम माचाडोली में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग, कोरबा। मद संख्या- 8443 जमा मद**	66.12
9	403	जिला कोरबा के विकासखण्ड पोड़ीउपरोड़ा अंतर्गत ग्राम पचरा में उपस्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग, कोरबा। मद संख्या- 8443 जमा मद**	28.70
10	404	शासकीय टी. एस. एल. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जांजगीर के सेमीनार हॉल निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग, चांपा। मद संख्या-8443 जमा मद**	10.86
11	405	लाईवलीहुड कॉलेज कोरबा में बालक छात्रावास हेतु अधीक्षक आवास का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग, कोरबा। मद संख्या- 8443 जमा मद**	21.64
12	406	जिला कोरबा के विकासखण्ड करतला अंतर्गत ग्राम खरवानी में स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन कार्य। **प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग, कोरबा। मद संख्या- 8443 जमा मद**	11.84
13	407	जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के लोधिया से खपरापाली पहुंच मार्ग लं. 0.725 कि.मी.। **प्रथम आमंत्रण। संभाग रायगढ़। मद संख्या- 24-5054-2457**	82.86

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि.,बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

G- 252604852/4

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 सुरक्षा गार्ड 56 वेतन योग्यतानुसार (आवास फ्री) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, FF 6 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ 7747000019, 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

सफाई कर्मचारी

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति : चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू. 10,000/- खाने रहने की सुविधा. नशेड़ी संपर्क न करें- मो. 7225888800.(RO-6974)

ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- सदर बाजार हलवाई लाइन में ऑफिस कार्य करने हेतु ऑफिस बॉय की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें 9754808388. (RO-7386)

आवश्यकता है- महासमुंद स्थित कार्यालय में साधारण कार्यों हेतु न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण, 16-22 वर्षीय ऑफिस बॉय चाहिए। रहने, खाने की मुफ्त सुविधा सहित 7000/- मासिक। संपर्क करें: 9826126499. (RO-16565)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

वार्डन/कुक

आवश्यकता है- जैन गर्ल्स हास्टल,pachpedhi नाका रायपुर मे महिला वार्डन एवं भोजन बनाने वाले की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा।अनुभवी एवं जैन को प्राथमिकता। सम्पर्क करें 8959906595.(RO-7387)

टेलीकॉलर/मार्केटिंग

आवश्यकता है- कमलेश बिल्डकॉन LLP में टेलीकॉलिंग एवं रियल एस्टेट में काम करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की और अनुभवी मार्केटिंग टीम लीडर की। वेतन योग्यता के अनुसार पता - पुराना धमतरी रोड, डुंडा रायपुर संपर्क करें - मो. 9302310158, 8889820517.(RO-4036)

ऑफिस/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- फाफाडीह/जेल रोड, रायपुर में ऑफिस व फील्ड कार्यों के लिए अनुभवी ऑफिस स्टाफ चाहिए। बीड़ी-सिगरेट व शराब-गुटखा आदि निषेध है। संपर्क: 9300593000. (RO-7237)

गार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- सुरक्षा-कर्मी रसमडा हेतू सुरक्षा गार्ड / सुपरवाइजर की आवश्यकता है सेलरी 12500/-ग्रॉस एवं 11000/-नेट पी.एफ मेडीकल की सुविधा एवं रहते की सुविधा- 8871229000, 7909857240.(आरो न.-4118)

रिसेप्शनिस्ट/नर्स

आवश्यकता है- Receptionist, & OT नर्स की जरूरत। Receptionist को Computer की जानकारी होना अनिवार्य। Salary अनुभव के आधार पर। सम्पर्क करे- अग्रवाल प्लास्टिक सर्जरी सेन्टर, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर। 9575042809. (10am से 7pm)(RO-39190)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 21,000/- प्रतिमाह। रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी। जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें। पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222. (RO-18)

आवश्यकता है- रायपुर उरकुरा स्थित फैक्ट्री में (टाटा एस, पिकअप) चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है लाइसेंस सहित संपर्क करें मो - 7415626367.(RO-0083)

आवश्यकता है- एक अनुभवी कार ड्रायवर की जो कि आटोमेटिक गेयर वाली गाड़ी (एम.जी.हेक्टर) चला सके। समय सुबह 10 से रात 8.30 बजे तक। वेतन योग्यतानुसार। पता- सिंगापुर सिटी मारुति लाईफ स्टायल कोटा रोड रायपुर मो. 8871163116.(RO-0084)

आवश्यकता है- गायत्री नगर स्थित ऑफिसर को एक अनुभवी ड्राइवर की। 10वी पास जरूरी। आसपास के ड्राइवर को प्राथमिकता। संपर्क करें 8349933320, प्रातः 10 से शाम 7 बजे तक(RO-636)

आवश्यकता है- टेक्सी Crysta चलाने के लिए अनुभवी ड्रायवर की आवश्यकता है Amlidihh raipur CG 7470308181, 7697800066.(आरो -567)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मैनेजर/सुपरवाइर

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में मैनेजर, सुपरवाइजर, ड्राइवर की आवश्यकता स्थान कोलिहापुरी(टप्पा) राजनांदगांव, टेडेसर (राजनांदगांव), झलप (महासमुंद) वेतन योग्यतानुसार ऑफिस मालवीय नगर विद्यापीठ महिला हॉस्टल के पास दुर्ग छत्तीसगढ़ मिले समय 11:00 से 2:00 बजे मो.- 62677-76638, 97705-78172.(आरो न.-10302)

अकाउंटेंट/नर्स

आवश्यकता है- अकाउंटेंट (पार्ट टाइम), ओटी टेक्नीशियन, नर्स GNM कैलाश कान्ता हॉस्पिटल मिलने का समय दोपहर 12 से 02 ओवर ब्रिज के नीचे जोरा चौक रायपुर 9300734153, 07712994153.(Ro-565)

फार्महाऊस कार्य

आवश्यकता है- फार्म हाउस, भालूकोना राजनांदगांव वास्ते दो (परिवार वालों) की आवश्यकता है। कृषि सम्बंधित कार्यों का ज्ञान हो, रहना, बिजली व पानी फ्री। वेतन चर्चाअनुसार, सम्पर्क मो. - 96696-66601 प्रातः 10से 01तक (आरो न.-690)

कम्प्युटर ऑपरेटर

Wanted- Requirement Computer data entry operator for accounts ladies preferred contact:- hamara petrol pump durg (Ravi) 7879665758.(आरो नं.-1699)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ड्रायवर/कुक

आवश्यकता है- घरेलु कार्य हेतु कार ड्रायवर वेतन 13000/- खाना बनाने हेतु रसोईया वेतन 13000/- रहने की सुविधा संपर्क : श्री मेडिकल एजेंसी, रायपुर मों. 9300227050. (Ro-6569)

ऑपरेटर/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- ट्रैक्टर पार्ट्स शॉप में कंप्यूटर ऑपरेटर एवं पैकिंग कार्य हेतु लडको की आवश्यकता है सैलेरी योग्यतानुसार शीतला एजेंसी रिंग रोड नंबर 1 भांटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर 9826129026, 9300129026.(RO-0077)

नर्सिंग स्टॉफ

आवश्यकता है- स्टाफ नर्स बी.एससी नर्सिंग, जीएनएम और ओटी टेक्निशियन की आवश्यकता - अमृता हॉस्पिटल, टाटीबंध, रायपुर संपर्कः 7770003286 होस्टल उपलब्ध (RO-6572)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है, योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन - 10000(रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार नोट - नशेड़ी फ़ोन न करें मो. 9982589693, 8815522974. (Ro- 513)

गार्डनर

आवश्यकता है- घर, धनोरा, दुर्ग मे घरेलू, गार्डन एवं गार्ड सम्बंधित कार्य हेतु -इमानदार, और काम में निपुण परिवार वाले की आवश्यकता है। रहना, बिजली व पानी फ्री। वेतन चर्चाअनुसार, सम्पर्क मो :- 97541-44001 दोपहर 01से 04तक (आरो न.-691)

क्लासीफाईड

ऑपरेटर/दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में स्टाफ की आवश्यकता है कम्प्युटर पर बिलिंग के लिए कम्प्युटर ऑपरेटर तथा दुकान कार्य हेतु 10 से 15 लड़के चाहिए। मिलने का समय दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7259)

Home Buildup भवन निर्माण

भवन निर्माण- सिविल निर्माण परामर्श, पर्यवेक्षण, बिलिंग, अनुमान, परीक्षण एवं बिलिंग ऑडिट कार्य के लिए 28 वर्षों के अनुभव वाले सिविल इंजीनियर से सम्पर्क करें- 7587483116, 877773579 Email-ssm2502bridge@gmail(RO-39171)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

Finance फायनेंस

फाइनेंस - महालक्ष्मी फाइनेंस कंपनी समस्त प्रकार की लोन कृषि, बिजनेस, समूह लोन, पर्सनल, लेबर कार्ड, डेयरी फार्म, होम लोन आधारकार्ड पर (50000 - 30 लाख तक) .(2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क :- 8349203168.(RO-om)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकर व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के असत्य दावों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD — हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी — 01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME

1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 20/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply

5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS

Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com

Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

जर्मनी और नीदरलैंड की दमदार जीत, दोनों टीमों ने वर्ल्ड कप का टिकट किया पक्का

जर्मनी ने 1954, 1974, 1990 और 2014 में जीता था फुटबाल विश्व कप

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

जर्मनी और नीदरलैंड ने बड़ी जीत दर्ज करके अगले साल होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में जगह बना ली है। जर्मनी ने स्लोवाकिया को 6-0 से हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर विश्व कप के लिए हमेशा क्वालीफाई करने का अपना गौरवपूर्ण रिकॉर्ड कायम रखा। चार बार की चैंपियन जर्मनी की टीम 23वें विश्व कप में 21वीं बार फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अपनी चुनौती पेश करेगी।

जर्मनी ने 1930 में खेले गए पहले विश्व कप में भाग नहीं दिया था जबकि 1950 में उसे विश्व कप में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। जर्मनी का पुराना प्रतिद्वंद्वी नीदरलैंड भी अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले टूर्नामेंट में जगह बनाने में सफल रहा।

नीदरलैंड अपराजित रिकॉर्ड के साथ किया क्वालीफाई

नीदरलैंड की टीम ने लिथुआनिया पर 4-0 की जीत के साथ अपराजित रिकॉर्ड के साथ क्वालीफाई किया और वह अपने ग्रुप में पोलैंड से आगे रही। स्लोवाकिया और पोलैंड के पास अभी विश्व कप में जगह बनाने का मौका है। इसके लिए उन्हें प्लेऑफ में खेलना होगा, जिसका ड्रॉ गुरुवार को होगा। जर्मनी और नीदरलैंड के अलावा इंग्लैंड, फ्रांस, पुर्तगाल, क्रोएशिया और नॉर्वे यूरोप से विश्व कप में जगह बनाने वाली अन्य टीम हैं।

स्लोवाकिया से तीन अंक आगे रहा जर्मनी

स्लोवाकिया ने ग्रुप ए के पहले दौर के मैच में जर्मनी को 2-0 से हरा दिया था। यह विश्व कप क्वालीफाइंग में जर्मनी की केवल तीसरी हार थी, लेकिन इसके बाद उसने लगातार पांच मैच जीते और इसका समापन लीपजिग में स्लोवाकिया पर बड़ी जीत से किया। इस तरह से उसने शुरुआती मैच में मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। जर्मनी को इस मैच में केवल ड्रॉ की जरूरत थी और वह स्लोवाकिया से तीन अंक आगे रहा। जर्मनी की टीम ने 1954, 1974, 1990 और 2014 विश्व कप जीता था। नीदरलैंड की टीम अभी तक विश्व कप नहीं जीत पाई है। वह 1974, 1978 और 2010 में उपविजेता रही थी।

भारत में मेदवेदेव, रयबाकिना दिखाएंगे जलवा, 17 से टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी 17 दिसंबर से होने वाले विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में भारतीय प्रशंसकों के सामने अपना जलवा दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2022 में की गई थी और पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में किया जाता रहा है। मेदवेदेव और रयबाकिना के अलावा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

डब्ल्यूटीएल में शुरुआत करने के लिए रोमांचित : रयबाकिना

रयबाकिना ने कहा, 'मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हूं। मैं अपनी टीम के साथ कोर्ट पर हर पल का आनंद लेने के लिए तैयार हूं।' डब्ल्यूटीएल में चार टीमें राउंड-रॉबिन प्रारुप में खेलेंगी। प्रत्येक मुकाबले में पुरुष एकल, महिला एकल और दो युगल मैच खेले जाएंगे। राउंड रोबिन के बाद शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज का दूसरा मैच 22 को

कोच गंभीर ने जुरेल और सुदर्शन से कराई अजीब प्रैक्टिस, एक पैड पहनकर स्पिनरों का किया सामना

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में स्पिन गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष को देखते हुए साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल ने स्पिनरों के सामने एक पैड पहन कर लगभग तीन घंटे तक जमकर अभ्यास किया। यह वैकल्पिक अभ्यास सत्र था, जिसमें बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन ने अपने दाहिने पांव के पैड को निकाल कर अभ्यास किया। बाएं हाथ के स्पिनरों और ऑफ स्पिनरों के सामने अपने अगले पैर में पैड के बिना बल्लेबाजी करने का मतलब था कि उन्हें पिंडली या किसी भी खुले हिस्से पर चोट लगने से बचने के बारे में विशेष रूप से सतर्क रहना पड़ता है।

यह बल्लेबाजी अभ्यास की पुरानी पद्धति है, जिसमें कोच इस बात पर जोर देते हैं कि बल्लेबाज गेंद को रोकने के लिए अपने फ्रंट पैड की बजाय अपने बल्ले का अधिक उपयोग करें। इस तरह के अभ्यास के पीछे एक और कारण यह है कि भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों में बैकफुट पर जाने की प्रवृत्ति है। इस तरह के अभ्यास से उन्हें स्पिनरों को आगे बढ़कर खेलने में मदद मिलती है।

कोच गौतम की सुदर्शन पर कड़ी नजर

सुदर्शन की तरह जुरेल ने भी एक पैड निकाल कर अभ्यास किया। वह पहले टेस्ट मैच में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेले थे लेकिन अपेक्षित प्रदर्शन करने में नाकाम रहे थे। टीम प्रबंधन उन्हें गुवाहाटी में भी इसी भूमिका में अंतिम एकादश में रख सकता है। वैकल्पिक सत्र के दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सुदर्शन पर कड़ी नजर रखी, जो शुभमन गिल की जगह लेने के दावेदारों में से एक हैं। भारतीय कप्तान को गर्दन में ऐंठन के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर बैठना पड़ सकता है। इन दोनों बल्लेबाजों में तेज गेंदबाजों के सामने भी अभ्यास किया लेकिन वह उनके सामने सहज नजर नहीं आए। आकाशदीप की गेंद कई बार उनके बल्ले का किनारा लेकर गई और यहां तक कि नेट गेंदबाजों ने भी उन्हें मूवमेंट से परेशान किया। गंभीर और बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने ब्रेक के दौरान उनसे लंबी बातचीत की।

त्रिपुरा के खिलाफ पारी से जीता रेलवे राज चौधरी ने चटकाए 9 विकेट

वलसाड। रेलवे ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के एलीट ग्रुप-सी मुकाबले में त्रिपुरा के खिलाफ पारी और 117 रन से जीत दर्ज की। राज चौधरी इस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने मुकाबले में कुल 9 विकेट अपने नाम किए। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वलसाड स्थित सरदार वल्लभाई पटेल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में त्रिपुरा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए महज 136 रन पर सिमट गई। इस पारी में बाबुल डे ने 42 रन, जबकि विजय शंकर ने नाबाद 44 रन बनाए। विपक्षी टीम की ओर से राज चौधरी ने 9 ओवरों में 30 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, कुणाल यादव और आदर्श सिंह ने 2-2 विकेट निकाले। इसके जवाब में रेलवे ने अपनी पहली पारी में 9 विकेट खोकर 446 रन बनाए। इस पारी में मोहम्मद सैफ ने 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 158 रन बनाए, जबकि भार्गव मेराई ने 26 चौकों के साथ 160 रन जुटाए।

पायस-स्वास्तिका ने जीता राष्ट्रीय रैंकिंग खिताब

पंचकुला। दिल्ली के पायस जैन और पीएसपीबी की स्वास्तिका घोष ने यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट में कड़े मुकाबलों में जीत हासिल करके पुरुष और महिला एकल खिताब जीते। पुरुष एकल फाइनल में पायस ने रेलवे के आकाश की कड़ी चुनौती का सामना करते हुए 12-10, 10-12, 7-11, 11-9, 11-7, 11-8 से जीत हासिल की। महिला एकल फ़ाइनल में स्वास्तिका ने पश्चिम बंगाल की सिंड्रेला दास को छह गेम के रोमांचक मुकाबले में 12-10, 12-14, 12-10, 11-8, 9-11, 12-10 से हराया। असम के प्रियानुज भट्टाचार्य ने एम. बालामुरुगन को 4-1 से हराकर लड़कों के अंडर-19 वर्ग का खिताब जीता। लड़कियों के अंडर-19 फाइनल में पश्चिम बंगाल की सिंड्रेला दास ने तमिलनाडु की श्रेया आनंद को 4-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

ऑकलैंड डब्ल्यूटीए नहीं खेलेंगी नाओमी

यूनाइटेड कप के लिए भरी हामी

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। नाओमी ओसाका ने जनवरी में न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एएसबी क्लासिक डब्ल्यूटीए टेनिस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया है और इसके बजाय वह जापान के लिए यूनाइटेड कप में खेलेंगी। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ओसाका ने सितंबर में ऑकलैंड में 2026 का अपना सत्र शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी, जहां वह इस वर्ष की शुरुआत में फाइनल में पहुंची थी। ऑकलैंड टूर्नामेंट के निदेशक निकोलस लैंपरिन को बताया कि उन्होंने अपना मन बदल लिया है और अब वह ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपनी तैयारी शुरू करेंगी।ओसाका दो से 11 जनवरी तक पर्थ में होने वाले यूनाइटेड कप के लिए शिंतारो मोचिजुकी के साथ जापान की टीम में शामिल होंगी। जापान को ग्रुप चरण में ब्रिटेन और यूनान से खेलना है। वर्ष का पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन 18 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू होगा।

डेविस कप फाइनल्स से हटे अल्काराज

मैड्रिड। शीर्ष रैंकिंग वाले स्पेन के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों) की चोट के कारण इटली में होने वाले डेविस कप फाइनल्स से अपना नाम वापस ले लिया। अल्काराज ने कहा कि उन्होंने यह फैसला चिकित्सकों की सलाह पर लिया है। अल्काराज ने लिखा, ' मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मैं बोलोग्ना में होने वाले डेविस कप में स्पेन के लिए नहीं खेल पाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'मेरे दाहिने हैमस्ट्रिंग में सूजन है और चिकित्सकों ने मुझे खेल से दूर रहने की सलाह दी है।' 22 साल के खिलाड़ी ने कहा कि वह निराशा के साथ घर लौट रहे हैं।

भारत ए ने ओमान को 6 विकेट से हराया, सेमीफाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| दोहा

इंडिया ए राइजिंग स्टार्स एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई। उसने ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में ओमान को छह विकेट से हराया। भारतीय टीम को अंतिम-4 में जाने के लिए यह मैच जीतना जरूरी था। जितेश शर्मा की कप्तानी वाली टीम को 136 रन का लक्ष्य मिला था। उसने 13 गेंद बाकी रहते इसे हासिल कर लिया। हर्ष दुबे 53 रन के साथ सर्वोच्च स्कोरर रहे। इंडिया ए के ओपनर्स एक बार फिर से नाकाम रहे। प्रियांश आर्य ने दो चौकों से 10 रन बनाए लेकिन दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गए। वैभव सूर्यवंशी भी खुलकर नहीं खेल पाए। उन्होंने दो चौकों की मदद से 13 गेंद में 12 रन बनाए। वह फिरकी गेंदबाज जय ओडेड्रा के शिकार बने। नमन धीर ने जरूर तेजी से रन जुटाए। उन्होंने दो छक्कों व इतने ही चौकों से 19 गेंद में 30 रन की पारी खेली। इसके बाद दुबे और नेहाल वढ़ेरा (23) ने मिलकर 66 रन जोड़े। दोनों टीम को जीत के करीब ले गए। इस दौरान दुबे ने टी20 करियर का पहला अर्धशतक लगाया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए ओमान ने आगाज अच्छा किया। करन सोनावले (12) और कप्तान हम्माद मिर्जा (32) ने मिलकर पहले विकेट के लिए चार ओवर में 37 रन जोड़े। इनमें से 32 रन तो अकेले हम्माद के थे। उन्होंने 16 गेंद का सामना किया और तीन छक्के व दो चौके लगाए। इसके बाद वसीम ने मोर्चा संभाला और वे आखिरी तक डटे रहे।

हर टूर्नामेंट में पदक हासिल करना संभव नहीं : मनु

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार न रख पाने को झटका करार देते हुए हमवतन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। भाकर ने कहा कि वह 'हर दिन नहीं जीत सकतीं'। हाल ही में हुए इस टूर्नामेंट में 13 भारतीय पदक विजेताओं में मनु भाकर का शामिल न होना निशानेबाजी जगत के कई लोगों के लिए थोड़ा आश्चर्य की बात है।

सात्विक-चिराग ने चीनी ताइपे जोड़ी को 48 मिनट में हराया

एजेंसी ▶▶| सिडनी

भारत के स्टार शटलर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ 48 मिनट तक चले पहले दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-23, 21-16 से जीत हासिल की। महिला युगल में हालांकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को अपने पहले मैच में इंडोनेशिया की एफ कुसुमा और एम पुष्पितसारी की जोड़ी से 10-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक और चिराग की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी शुरुआती गेम में एक समय 2-6 से पीछे चल रही थी। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने 16-14 तक मामूली बढ़त बनाए रखी। भारतीयों ने पलटवार करते हुए 19-17 की बढ़त बना ली, लेकिन इसके बाद मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, (बाजार) रायपुर (छ.ग.)

फोन. नं. : - 2535780, 90, फैक्स : 0771-2227395
Website - www.nagarnigamraipur.nic.in

क्र - 485 / बा.वि./ न.पा.नि./ 2025 — रायपुर, दिनांक 18/11/2025

विभिन्न क्षेत्रों में निर्मित दुकानों के निविदा ऑफर आमंत्रण सूचना

नगर निगम रायपुर द्वारा जवाहर बाजार हॉल - 13, मोहबा बाजार की - 14, अग्रसेन मंगलम के बाजु की - 08, जवाहर बाजार की -03 दुकान, गांधी मैदान कांजी हाऊस की - 55, शास्त्री बाजार व्यवसायिक परिसर की - 84, नेताजी सुभाष स्टेडियम - 01 कुल - 178 दुकानों को 30 वर्ष के स्थायी पट्टे पर प्रथम 15 वर्ष की अवधि पूर्ण होने पर किराये में 25 प्रतिशत वृद्धि कर आगामी 15 वर्ष हेतु आबंटन किये जाने तथा स्वीकृति प्रीमियम राशि का वार्षिक 02 प्रतिशत किराये पर आबंटन हेतु दो लिफाफा पद्धति से निर्धारित प्रपत्र में स्पीड पोस्ट के माध्यम से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। धरोहर राशि का डी. डी. जो प्राधिकृत बैंक से आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से प्रथम लिफाफा में डी. डी. एवं द्वितीय लिफाफा में, निविदादर प्रस्तुत करना होगा। निविदा प्रकाशन दिनांक से दिनांक 29.12.2025 शाम 5:30 बजे तक राजस्व विभाग मुख्य कार्यालय को प्राप्त हो जाना चाहिए। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 31.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे बाजार विभाग नगर निगम रायपुर में खोली जावेगी।

क्र.	दुकान की क्रमांक	आरक्षण में श्रेणी	क्षेत्रफल (वर्गफुट में)	आफसेट दर	प्रीमियम राशि का 25 प्रतिशत अमानती राशि
1	2	3	4	5	6
जवाहर बाजार हॉल (13वीं निविदा)					
1	द्वितीय तल हॉल-2	अनारक्षित	2617.37	13349529	3337382
2	द्वितीय तल हॉल-3	अनारक्षित	2673.1	13633772	3408443
3	द्वितीय तल हॉल-5	अन्य पिछड़ा वर्ग	1431.08	7299023	1824756
4	द्वितीय तल हॉल -6	अनारक्षित	2673.1	13633772	3408443
5	द्वितीय तल हॉल-7	अनारक्षित	2617.37	13349529	3337382
6	तृतीय तल हॉल-1	अनारक्षित	2565.5	11234394	2808599
7	तृतीय तल हॉल-2	अन्य पिछड़ा वर्ग	2617.37	11462161	2865540
8	तृतीय तल हॉल-3	अनुसूचित जाति	2673.1	11707463	2926866
9	तृतीय तल हॉल-4	अनुसूचित जनजाति	1431.08	6267629	1566907
10	तृतीय तल हॉल-5	अन्य पिछड़ा वर्ग	1431.08	6267629	1566907
11	तृतीय तल हॉल-6	विधवा / परित्यक्ता	2673.1	11707463	2926866
12	तृतीय तल हॉल-7	अनुसूचित जाति	2617.37	11462161	2865540
13	तृतीय तल हॉल-8	अनारक्षित	2565.5	11234394	2808599
मोहबा बाजार (19वीं निविदा)					
14	प्रथम तल -01	अनारक्षित	195	881469	220367
15	प्रथम तल -02	अनारक्षित	195	881469	220367
16	प्रथम तल -03	अनारक्षित	195	881469	220367
17	प्रथम तल -04	अनुसूचित जनजाति	195	881469	220367
18	प्रथम तल -05	शिक्षित बेरोजगार	195	881469	220367
19	प्रथम तल -06	अनारक्षित	195	881469	220367
20	प्रथम तल -07	महिला	195	881469	220367
21	प्रथम तल -08	अनुसूचित जाति	195	881469	220367
22	प्रथम तल -09	अ.पि.वर्ग	195	881469	220367
23	प्रथम तल -10	अनारक्षित	195	881469	220367
24	प्रथम तल -11	अ.पि.वर्ग	195	881469	220367
25	प्रथम तल -12	अनुसूचित जाति	195	881469	220367
26	प्रथम तल -13	अनारक्षित	195	881469	220367
27	प्रथम तल -14	अनारक्षित	195	881469	220367
अग्रसेन मंगलम के बाजु (19वीं निविदा)					
28	पृष्ठ भाग प्रथम तल-4	अ.जा.	177.54	745313	186328
29	पृष्ठ भाग प्रथम तल -5	अ.ज.जा.	177.54	745313	186328
30	पृष्ठ भाग द्वि. तल-7	अ.जा.	177.54	601506	150377
31	पृष्ठ भाग द्वि. तल-9	अ.ज.जा.	177.54	601506	150377
32	पृष्ठ भाग द्वि. तल-15	अ.जा.	177.54	601506	150377
33	पृष्ठ भाग द्वि. तल-19	अ.पि.वर्ग	129.12	437459	109365
34	पृष्ठ भाग द्वि. तल-23	अ.ज.जा.	129.12	437459	109365
35	पृष्ठ भाग तृतीय तल हॉल	अनारक्षित	5767.3	12411230	3102808
जवाहर बाजार (9वीं निविदा)					
36	भूतल -44	अ.पि.वर्ग	109.75	1181817	295454
37	प्रथम तल - 15	विकलांग	114.59	832128	208032
38	प्रथम तल - 37	अ.ज.जा.	109.75	796981	199245
गांधी मैदान कांजी हाऊस (14वीं निविदा)					
39	लोवर ग्राउंड फ्लोर LGF-1	अनारक्षित	155	1512605	378151
40	लोवर ग्राउंड फ्लोर LGF-2	अनारक्षित	146.92	1433824	358456
41	लोवर ग्राउंड फ्लोर LGF-3	अनारक्षित	145.31	1642910	410728
42	लोवर ग्राउंड फ्लोर LGF-4	महिला	145.31	1642910	410728
43	लोवर ग्राउंड फ्लोर LGF-5	शिक्षित बेरोजगार	146.92	1661165	415291
44	लोवर ग्राउंड फ्लोर LGF-6	दिव्यांग	429.48	4855711	1213928
45	लोवर ग्राउंड फ्लोर LGF-7	अ.पि.वर्ग	174.37	1971492	492873
46	मैजेनाईन तल MF-1	अ.जा.	155	1428581	357145
47	मैजेनाईन तल MF-2	अ. जा.	146.92	1354176	338544
48	मैजेनाईन तल MF3-3	अनारक्षित	189.98	1751004	437751
49	मैजेनाईन तल MF-4	अनारक्षित	177.28	1633940	408485
50	मैजेनाईन तल MF-5	अनारक्षित	215.49	1986125	496531
51	मैजेनाईन तल MF-6	विध./परित्यक्ता	222.81	2053585	513396
52	मैजेनाईन तल MF-7	महिला	224.53	2069460	517365
53	मैजेनाईन तल MF-8	अ.पि.वर्ग	196.97	1815489	453872
54	प्रथम तल FF-1	महिला	163.07	1502987	375747
55	प्रथम तल FF-2	शिक्षित बेरोजगार	163.07	1502987	375747
56	अपर प्रथम तल UFF-1	अनारक्षित	149.83	1380962	345241
57	अपर प्रथम तल UFF-2	अनारक्षित	141	1299612	324903
58	अपर प्रथम तल UFF-3	अनारक्षित	144.98	1336319	334080
59	अपर प्रथम तल UFF-4	अनारक्षित	146.6	1351200	337800
60	अपर प्रथम तल UFF-5	वि./ परित्यक्ता	134.33	1238104	309526
61	अपर प्रथम तल UFF-6	अ.पि.वर्ग	427.46	3943480	985870
62	अपर प्रथम तल UFF-7	अ.पि.वर्ग	175.02	1613106	403277
63	अपर प्रथम तल UFF-8	अ. जा.	177.28	1633940	408485
64	अपर प्रथम तल UFF-9	अ.जा.	177.49	1633940	408485
65	अपर प्रथम तल UFF-10	अ.जा.	189.87	1750012	437503
66	अपर प्रथम तल UFF - 11	अनारक्षित	253.16	2333349	583337
67	अपर प्रथम तल UFF - 12	अनारक्षित	253.16	2333349	583337
68	अपर प्रथम तल UFF- 13	अनारक्षित	232.5	2142872	535718
69	अपर प्रथम तल UFF- 14	अनारक्षित	226.14	2084340	521085
70	द्वितीय तल SF-1	अनारक्षित	166.62	1445368	361342
71	द्वितीय तल SF-2	अनारक्षित	158.22	1372540	343135
72	द्वितीय तल SF-3	महिला	162.31	1408020	352005
73	द्वितीय तल SF-4	महिला	153.7	1333324	333331
74	द्वितीय तल SF-5	शिक्षित बेरोजगार	160.81	1394950	348738
75	द्वितीय तल SF-6	अ.पि.वर्ग	216.03	1873940	468485
76	द्वितीय तल SF-7	भूतपूर्व सैनिक	180.94	1569550	392388
77	द्वितीय तल SF-8	स्व. सं. से.	161.02	1396816	349204
78	द्वितीय तल SF 9	अ. जा.	147.89	1282904	320726
79	द्वितीय तल SF-10	अ. जा.	112.91	979452	244863
80	अपर द्वितीय तल USF-1	अनारक्षित	144.02	1249291	312323
81	अपर द्वितीय तल USF-2	अनारक्षित	164.04	1422690	355673
82	अपर द्वितीय तल USF-3	अनारक्षित	151.77	1316517	329129
83	अपर द्वितीय तल USF-4	अनारक्षित	144.45	1253026	313257
84	अपर द्वितीय तल USF-5	अनारक्षित	131.96	1144717	286179
85	अपर द्वितीय तल USF-6	अनारक्षित	426.14	3696519	924130
86	अपर द्वितीय तल USF-7	अ.पि. वर्ग	174.16	1510727	377682
87	अपर द्वितीय तल USF-8	अ.पि. वर्ग	177.17	1536871	384218
88	अपर द्वितीय तल USF-9	अ.ज.जा.	174.16	1510727	377682
89	अपर द्वितीय तल USF-10	अ.ज.जा.	180.18	1563014	390754
90	अपर द्वितीय तल USF-11	तृतीय लिंग	250.47	2172720	543180
91	अपर द्वितीय तल USF-12	महिला	232.82	2019594	504899
92	अपर द्वितीय तल USF-13	अनारक्षित	230.45	1999052	499763
93	अपर द्वितीय तल USF-14	अ.पि.वर्ग	220.76	1915020	478755
शास्त्री बाजार व्यवसायिक परिसर चुतर्थ निविदा					
94	भूतल -1	भू.पू. सैनिक	219.50	3317084	829271
95	भूतल-2	अनारक्षित	219.50	3317084	829271
96	भूतल-3	अनारक्षित	219.50	3317084	829271
97	भूतल-4	अनुसूचित जाति	219.50	3317084	829271
98	भूतल-5	अनारक्षित	219.50	3317084	829271
99	भूतल -6	अनारक्षित	240.70	3637458	909365
100	भूतल -7	अनुसूचित जनजाति	211.11	3190294	797574
101	भूतल-8	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	3317084	829271
102	भूतल-9	विकलांग	219.50	3317084	829271
103	भूतल -10	अनारक्षित	219.50	3317084	829271
104	भूतल -11	अनुसूचित जाति	219.50	3317084	829271
105	भूतल-12	अनारक्षित	219.50	3317084	829271
106	भूतल -13	अनारक्षित	219.50	3317084	829271
107	भूतल - 14	अनारक्षित	219.50	3317084	829271
108	भूतल - 15	विधवा	219.50	3317084	829271
109	भूतल - 16	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	3317084	829271
110	भूतल - 17	महिला	219.50	3317084	829271
111	भूतल - 18	अन्य पिछड़ा वर्ग	211.11	3190294	797574
112	भूतल - 18	अनुसूचित जाति	219.50	3317084	829271
113	भूतल - 20	महिला	219.50	3317084	829271
114	भूतल - 21	शिक्षित बेरोजगार	219.50	3317084	829271
115	प्रथम तल - 1	विधवा	219.50	2432718	829271
116	प्रथम तल - 2	अनारक्षित	219.50	2432718	829271
117	प्रथम तल - 3	अनारक्षित	219.50	2432718	829271
118	प्रथम तल - 4	अनारक्षित	219.50	2432718	829271
119	प्रथम तल - 5	अनारक्षित	219.50	2432718	829271
120	प्रथम तल - 6	अनुसूचित जाति	240.70	2667678	666910
121	प्रथम तल-7	अनुसूचित जाति	211.11	2329732	582433
122	प्रथम तल - 8	अनारक्षित	219.50	2432718	829271
123	प्रथम तल - 9	अनुसूचित जनजाति	219.50	2432718	829271
124	प्रथम तल - 10	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	2432718	829271
125	प्रथम तल - 11	शिक्षित बेरोजगार	219.50	2432718	829271
126	प्रथम तल - 12	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	2432718	829271
127	प्रथम तल - 13	अनारक्षित	219.50	2432718	829271
128	प्रथम तल - 14	अनारक्षित	219.50	2432718	829271
129	प्रथम तल - 15	भू.पू. सैनिक	219.50	2432718	829271
130	प्रथम तल - 16	महिला	219.50	2432718	829271
131	प्रथम तल - 17	अनारक्षित	219.50	2432718	829271
132	प्रथम तल - 18	अनुसूचित जाति	211.11	2329732	582433
133	प्रथम तल - 19	महिला	219.50	2432718	829271
134	प्रथम तल - 20	विकलांग	219.50	2432718	829271
135	प्रथम तल - 21	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	2432718	829271
136	द्वितीय तल-1	अनारक्षित	219.50	2138149	829271
137	द्वितीय तल-2	अनारक्षित	219.50	2138149	829271
138	द्वितीय तल-3	अनारक्षित	219.50	2138149	829271
139	द्वितीय तल-4	महिला	219.50	2138149	829271
140	द्वितीय तल-5	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	2138149	829271
141	द्वितीय तल-6	अनारक्षित	240.70	2344659	586165
142	द्वितीय तल-7	अनुसूचित जाति	211.11	2056422	514106
143	द्वितीय तल-8	अनारक्षित	219.50	2138149	829271
144	द्वितीय तल-9	अनुसूचित जाति	219.50	2138149	829271
145	द्वितीय तल-10	महिला	219.50	2138149	829271
146	द्वितीय तल - 11	शिक्षित बेरोजगार	219.50	2138149	829271
147	द्वितीय तल - 12	विधवा	219.50	2138149	829271
148	द्वितीय तल-13	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	2138149	829271
149	द्वितीय तल - 14	अनारक्षित	219.50	2138149	829271
150	द्वितीय तल-15	अनुसूचित जाति	219.50	2138149	829271
151	द्वितीय तल-16	अनुसूचित जनजाति	219.50	2138149	829271
152	द्वितीय तल-17	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	2138149	829271
153	द्वितीय तल-18	स्वा.स. सेनानी	211.11	2056422	514106
154	द्वितीय तल- 19	अनारक्षित	219.50	2138149	829271
155	द्वितीय तल - 20	अनारक्षित	219.50	2138149	829271
156	द्वितीय तल - 21	तृतीय लिंग	219.50	2138149	829271
157	तृतीय तल-1	अनारक्षित	219.50	1843580	829271
158	तृतीय तल-2	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	1843580	829271
159	तृतीय तल-3	अनारक्षित	219.50	1843580	829271
160	तृतीय तल-4	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	1843580	829271
161	तृतीय तल-5	अनारक्षित	219.50	1843580	829271
162	तृतीय तल-6	अन्य पिछड़ा वर्ग	240.70	2021639	5054010
163	तृतीय तल-7	तृतीय लिंग	211.11	1773113	443278
164	तृतीय तल-8	शिक्षित बेरोजगार	219.50	1843580	829271
165	तृतीय तल-9	अनारक्षित	219.50	1843580	829271
166	तृतीय तल-10	अनुसूचित जाति	219.50	1843580	829271
167	तृतीय तल-11	अनारक्षित	219.50	1843580	829271
168	तृतीय तल-12	अनुसूचित जनजाति	219.50	1843580	829271
169	तृतीय तल-13	स्वा.स. सेनानी	219.50	1843580	829271
170	तृतीय तल-14	अनारक्षित	219.50	1843580	829271
171	तृतीय तल-15	अनुसूचित जाति	219.50	1843580	829271
172	तृतीय तल-16	अनारक्षित	219.50	1843580	829271
173	तृतीय तल-17	महिला	219.50	1843580	829271
174	तृतीय तल-18	महिला	211.11	1773113	443278
175	तृतीय तल-19	अन्य पिछड़ा वर्ग	219.50	1843580	829271
176	तृतीय तल-20	अनारक्षित	219.50	1843580	829271
177	तृतीय तल-21	अनारक्षित	219.50	1843580	829271
नेताजी सुभाष स्टेडियम 13वीं निविदा					
178	भूतल - 09	अनुसूचित जनजाति	341	2589000	647250

विशेष :- आवेदन फार्म नगर निगम से जारी नहीं किये जायेंगे, वेबसाईट में प्रकाशित प्रारूप में ही निविदाकर्ता आवेदन करेंगे ।

(1) प्रत्येक दुकान के लिए अलग-अलग निविदा आवेदन पत्र धरोहर राशि के साथ जमा करना होगा । जिस नाम से निविदा आवेदन किया जावेगा उस नाम से ही निविदा स्वीकार की जावेगी। (2) प्रत्येक दुकान हेतु प्रस्तुत निविदा लिफाफा के ऊपर प्रति आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर का पता अंकित करना होगा, एवं प्रेषक का भी नाम पता अंकित करना होगा। दुकान का स्थान, दुकान क्रमांक एवं आरक्षण का उल्लेख लिफाफा के ऊपर करना होगा । लिफाफा के ऊपर दुकान का स्थान, दुकान क्रमांक एवं आरक्षण का उल्लेख नहीं होने पर निविदा लिफाफा नहीं खोला जावेगा। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
(3) आरक्षित वर्ग को आरक्षण से संबंधित प्रमाणित दस्तावेज अनिवार्यतः निविदा के साथ प्रस्तुत करना होगा। अन्यथा निविदा स्वयमेव निरस्त मानी जायेगी। (4) निविदा की समस्त शर्तें एवं नियम कार्यालयीन अवधि में राजस्व विभाग मुख्य कार्यालय, संबंधित जोन कार्यालय एवं नगर पालिक निगम रायपुर की वेब साईड WWW. nagarnigamraipur. nic.in से देखी जा सकती है।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

उपायुक्त बाजार
नगर पालिक निगम, रायपुर

चीन के इस तालाब में मछलियों को खिलाई जाती हैं 5000 किलो मिर्च

चीन की खेती और मछली पालन से जुड़े कई अनोखे किस्से अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन हुनान प्रांत के इस तालाब की कहानी लोगों को हैरान कर देती है। इंसानों को मिर्च खाते तो हम देखते ही आए हैं, पर क्या कभी ऐसी मछलियों के बारे में सुना है जो रोज लाल मिर्च चटखारे लेकर खाती हों? चांग्शा में स्थित यह तालाब इसी वजह से इंटरनेट पर खूब चर्चा में है।

बीजिंग। यहां की मछलियों को प्रतिदिन करीब 5000 किलो ताजी लाल मिर्च दी जाती है, और यही वजह है कि यह जगह जितनी अजीब लगती है, उतनी ही दिलचस्प भी है। चांग्शा के इस 10 एकड़ बड़े तालाब की देखभाल दो साथी कर रहे हैं जियांग शेंग, जो लगभग चालीस साल से मछलियों की परवरिश का अनुभव रखते हैं, और उनके पुराने स्कूल मित्र कुआंग के। दोनों बताते हैं कि तालाब में इस समय दो हजार से अधिक मछलियां हैं। वे हर रोज इतनी मात्रा में मिर्च खाती हैं कि किसी को भरोसा ही नहीं होता। जियांग और कुआंग के अनुसार, मछलियों को इंसानों वाली वही मिर्चें खिलाई जाती हैं-कोन पेपर और मिलेट पेपर। उनका कहना है कि मिर्च खाने से मछलियों के शरीर की बनावट में सुधार आता है, उनका मांस अधिक मुलायम और स्वादिष्ट हो जाता है, और उनकी स्केल्स में एक अलग तरह की चमक आ जाती है।

क्यों खिलाई जाती है ये मिर्च

शुरू में मछलियां इस नए खाने को देखकर थोड़ा हिचकीं, लेकिन धीरे-धीरे वे इस कदर इसकी आदी हो गईं कि अब घास की जगह मिर्च उन्हें ज्यादा भाती है। जियांग बताते हैं कि मछलियों की स्वाद पहचानने की क्षमता इंसानों जैसी नहीं होती। वे स्वाद से ज्यादा गंध के आधार पर अपने भोजन को पहचानती हैं। इसलिए, मिर्च का तीखापन उन्हें परेशान नहीं करता। उनका कहना है कि मिर्चों में मौजूद विटामिन और कैप्सैसिन मछलियों के शरीर के लिए फायदेमंद हैं। इससे उनका पाचन दुरुस्त रहता है, विकास बेहतर होता है और उनमें बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है। कैप्सैसिन परजीवियों को भी दूर रखता है, जिससे मछलियों पर संक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

पहले लोगों को लगता था मजाक

अब आसपास के किसान अपने खेतों से निकली बची हुई या खराब होने वाली मिर्चें मुफ्त में देने लगे हैं। इससे तालाब वालों का खर्च भी घट गया है और किसानों को भी फायदा है, क्योंकि उनकी फालतू मिर्चें अब बेकार नहीं जातीं। स्थानीय लोग बताते हैं कि यह प्रयोग पहले एक मज़ाक जैसा लगा था, लेकिन कुछ महीनों बाद जब मछलियों की बढ़त, रंग और स्वास्थ्य में फर्क दिखने लगा तो लोगों ने इसे गंभीरता से लेना शुरू कर दिया। अब यहां रोजाना कई लोग आते हैं, जो इस अनोखे तालाब को देखना चाहते हैं। सोशल मीडिया पर भी इस जगह के वीडियो तेजी से फैल रहे हैं, और लोग इसे दुनिया की सबसे अजीब, लेकिन दिलचस्प मछली पालन तकनीकों में से एक बता रहे हैं।

रोचक खबरें

दूल्हा-दुल्हन की एंट्री के वक्त सामने पड़े थे कफन ओढ़े लोग, मेहमानों की उड़ गई सिट्टी-पिट्टी

शादी-ब्याह में धूमधाम वाली एंट्री तो आपने बहुत देखी होगी। कभी दूल्हा घोड़ी पर आता है, कभी दुल्हन फूलों की बारिश के बीच। लेकिन, इस कपल ने जो कारनामा किया, उसने इंटरनेट पर लोगों की आंखें फटी की फटी छोड़ दीं। वीडियो की शुरुआत ही ऐसी होती है कि एक पल को लगता है जैसे किसी हॉरर फिल्म का ओपनिंग सीन हो। सामने कुछ बड़ा-सा सफेद लिपटा हुआ दिखाई देता है, बिल्कुल ऐसे जैसे किसी ने कफन ओढ़ा रखा हो। पहली नजर में तो किसी का भी कलेजा धक से बैठ जाए। तो आज की इस खबर में हम आपको इसी वीडियो के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं। कपल जैसे-जैसे स्टेज की तरफ बढ़ता है, जमीन पर बड़े-बड़े सफेद पैक नजर आते हैं। देखने वाले सोच रहे थे कि यह कोई शादी की एंट्री है या गलती से इन्हें किसी क्राइम स्पॉट पर ले आए हैं। माहौल ऐसा था कि मेहमान भी समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर हो क्या रहा है। तभी अचानक से वो सफेद पैक हलचल करने लगते हैं। कुछ सेकंड में ही नजर आने लगता है कि जिसके बारे में सबको लग रहा था कि यह 'डेड बॉडी' जैसा कुछ है, वह असल में कुछ और ही खेल है।

दूल्हा-दुल्हन की गजब हुई एंट्री : जैसे ही कपल नजदीक पहुंचता है, वे सफेद पैक जोर से फूलने लगते हैं और देखते ही देखते बैलून की तरह खड़े होकर एक खूबसूरत एंट्री गेट बन जाते हैं। तब सबको पता चलता है कि ये तो एयर बैग्स थे, जिन्हें खास तरीके से सरप्राइज एंट्री के लिए लगाया गया था। जिस चीज़ ने पहले सबको डरा दिया था, वही कुछ पलों बाद शादी का शानदार आर्च बनकर खड़ी थी। दूल्हा-दुल्हन के चेहरे पर मुस्कान थी और मेहमानों के चेहरे पर पहले डर की झलक, फिर समझ आने पर हंसी और हैरानी। सच कहें तो जिस तरह का ट्विस्ट इस एंट्री में था, उसे देखकर किसी की भी सांस रुक जाए। शुरुआत में ऐसा लग रहा था जैसे कोई अनहोनी होने वाली है। लेकिन कुछ ही सेकंड में पूरा माहौल बदल गया।

पैदा होते ही इस बच्चे का नाम गिनीज बुक में हुआ दर्ज

न्यूयार्क। कभी-कभी जिंदगी सबसे मुश्किल हालात में भी उम्मीद की एक हल्की-सी लौ दिखा देती है। ये कहानी है उसी रोशनी की...एक ऐसे नन्हे बच्चे की, जिसे डॉक्टरों ने उम्मीद से पहले ही 'असंभव' कह दिया था, लेकिन किस्मत ने उसकी स्क्रिप्ट कुछ और ही लिख रखी थी। अमेरिका के आइओवा सिटी में जन्मा छोटा-सा नैश आज दुनिया को ये संदेश दे रहा है कि, 'चमत्कार' कभी भी...कैसे भी हो सकता है। सिर्फ 283 ग्राम में जन्मा यह बच्चा दुनिया के सबसे प्रीमैच्योर यानी समय से पहले जन्मे बच्चे का खिताब पा चुका है।

2024 में सिर्फ 21 हफ्ते की गर्भावस्था में जन्मे नैश ने आते ही गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया। इतने कम हफ्तों में जन्म लेना आमतौर पर जीवन की संभावना बेहद कम कर देता है, लेकिन नैश...जिसका वजन उस समय एक कपकेक जितना भी नहीं था।..जिंदगी जी रहा है, बल्कि अब उसे पूरा एक साल का हो चुका है। उसकी मुस्कान, उसकी प्यारी सी आंखें और उसकी छोटी-छोटी हरकतें बताती हैं कि जिंदगी को कभी कम मत आंकिए।

6 महीने का संघर्ष और माता-पिता का अडिग विश्वास : एनआईसीयू में 6 महीने की लड़ाई आसान नहीं थी. माता-पिता मोल्ली और रैंडल पहले ही एक गर्भपात झेल चुके थे। डॉक्टरों ने इस बार भी साफ चेतावनी दे दी थी, 'जीवित रहने की संभावना बेहद कम है और अगर रहा भी, तो कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।' फिर भी मोल्ली ने उम्मीद का हाथ नहीं छोड़ा। लेबर को रोककर नैश का जन्म ठीक 21वें हफ्ते में करवाया गया...जहां डॉक्टरों ने एक नई मेडिकल सीमा को छुआ।

आखिरकार घर वापसी : छह महीने बाद, जब नैश अपने माता-पिता की गोद में घर लौटा, उसका चेहरा चमक रहा था। आज भी उसे ऑक्सीजन सपोर्ट और फीडिंग ट्यूब की जरूरत है। दिल में एक छोटा-सा दोष है।..जो डॉक्टरों के अनुसार वक्त के साथ ठीक हो सकता है। वो अभी रेंगता नहीं, लेकिन करवट लेता है, खुद को खड़ा करने की कोशिश करता है और अपनी हर मुस्कान से दुनिया को उम्मीद देता है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

फुटबॉल स्टेडियम जितना इलाका करता है कवर

ये है दुनिया का सबसे बड़ा पेड़, ढंक लेगा पूरा शहर!

आपने आजतक कई तरह के जंगल देखे होंगे। कोई जंगल कम पानी वाले पेड़ों से भरा होता है। किसी को रेन फॉरेस्ट कहा जाता है। लेकिन, क्या आपने कभी ये सोचा है कि एक अकेला पेड़ पूरा जंगल बन जाए? जी हां, ऐसा सच में हो चुका है और वो भी ब्राज़ील में। इसका नाम है 'काजू डो काजू' यानी काजू का सबसे बड़ा पेड़।

ब्रासीलिया। ये दुनिया का एकमात्र 'एक पेड़ वाला जंगल' है जो 8 हेक्टेयर यानी करीब 20 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है। ये इतना बड़ा इलाका है कि इसमें कि इसमें अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल स्टेडियम आराम से समा सकता है। ये पेड़ ब्राजील के रियो ग्रांडे डो नोर्टे राज्य के नताल शहर से सिर्फ 50 किलोमीटर दूर पिरांगी बीच के पास है। 1888 में एक मछुआरे ने सिर्फ दो काजू के पौधे लगाए थे। उनमें से एक पौधा बड़ा होते-होते अजीबोगरीब तरीके से फैलने लगा। आज वो दुनिया का सबसे बड़ा काजू का पेड़ है और गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी उसका नाम दर्ज है।

कैसे इतना फैल गया ये पेड़?

सामान्य पेड़ों की टहनियां नीचे की ओर झुकती हैं तो टूट जाती हैं, लेकिन इस पेड़ को एक दुर्लभ जेनेटिक म्यूटेशन है। इसकी शाखाएं जब जमीन को छूती हैं तो वहां से नई जड़ें निकल आती हैं और वो जगह नया तना बन जाता है। यानी ये पेड़ चलता-फिरता है। हर साल ये 6-8 मीटर और फैल जाता है। वैज्ञानिक इसे 'फाइटोक्रोमल एक्सपैंशन' कहते हैं। इस पेड़ का क्षेत्रफल 8.5 हेक्टेयर (85,000 वर्ग मीटर) है। इसकी ऊंचाई औसतन 10-12 मीटर (कुछ जगह 15 मीटर तक) है और इसमें कुल 5000 से ज्यादा तने हैं। हर नई जड़ नया तना बनाती है। इसमें लगभग 80 लाख पत्तियां हैं। और एक पेड़ से हर साल 80,000 काजू (करीब 2.5 टन) पैदा होते हैं। पेड़ इतना घना है कि इसकी छांव में 7000 लोग एक साथ बैठ सकते हैं।

बन गया है टूरिस्ट स्पॉट

लोग इस पेड़ को 'आलस्य का वृक्ष' भी कहते हैं, क्योंकि इसकी छांव इतनी घनी और ठंडी है कि जो भी इसके नीचे लेटता है, उसका उठने का मन ही नहीं करता। ये पेड़ पर्यटन का बड़ा केंद्र बन गया है। इस पेड़ के नीचे रेस्तरां, गिफ्ट शॉप, व्यू पॉइंट और वॉकवे बनाए गए हैं। हर साल 10 लाख से ज्यादा टूरिस्ट यहां आते हैं। ऊपर बने व्यूइंग डेक से देखो तो ऐसा लगता है जैसे हरा समुद्र फैला हो। लोकल लोग इसे 'दुनिया का आठवां अजूबा' कहते हैं। हालांकि, इसपर खतरा भी मंडरा रहा है। इतना बड़ा होने की वजह से अब इस पेड़ की जड़ें पास की सड़कों और इमारतों को नुकसान पहुंचा रही है। कई बार इसकी शाखाएं कारों पर गिर चुकी है। वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि अगर यही रफ्तार रही तो 50 साल में ये पूरा नताल शहर निगल लेगा। फिर भी ये प्रकृति का सबसे खूबसूरत चमत्कार है। एक पेड़ ने साबित कर दिया कि जंगल बनाने के लिए हजारों पेड़ों की जरूरत नहीं, बस एक सही जेनेटिक कोड काफी है।

एक-दूसरे से टकराती हैं प्लेटें, अचानक मच जाता है उथल-पुथल

टोक्यो। आपने महसूस किया होगा कि अचानक चलते-चलते धरती हिलने लगती है। कहीं पर पड़े हुए बर्तन खटखटाने लगते हैं। शहर की चकाचौंध में मशगूल लोगों के साथ जब ऐसा आलम होता है तो वो घबरा जाते हैं। अगर कोई बिल्डिंग के ऊपर रहता है तो वो जल्दी से नीचे भागकर खुद को बचाता है। जहां कहीं पर भी ऐसी स्थिति बनती है तो लोग उसे भूंकप कहते हैं, कभी आपने सोचा है कि भूकंप क्यों आते हैं?

क्यों आती है सुनामी : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप और सुनामी तीन प्रकार के भ्रंशों पर आते हैं। ये सामान्य, स्ट्राइक-स्लिप और रिवर्स या थ्रस्ट कहे जाते हैं। अगर सभी भ्रंशों पर भूकंप आ रहा है तो इससे सुनामी आने की संभावना रहती है। अधिकतर सुनामी और सबसे बड़ी सुनामी, रिवर्स भ्रंशों पर आए भूकंपों के कारण आती हैं।

कैसे आता है भूकंप

भूकंप सबडक्शन जोन में उत्पन्न होते हैं। जहां पर टेक्टोनिक प्लेटें टकराती हैं और एक प्लेट दूसरी के नीचे धंस जाती हैं तो वहीं पर भूकंप आते हैं। इसकी वजह से कभी-कभी भीषण तबाही मचती है। साथ ही साथ बता दें कि महासागरीय प्लेटों का टुकड़ा जब टूटता है तो यह ऊपर उछलता है, इसकी वजह से भी भूकंप आता है। बता दें कि 2,000 सालों में प्रशांत महासागर में आई 80 प्रतिशत से ज्यादा सुनामी भूकंपों की वजह से आई हैं।

आखिर क्यों सर्जन पहनते हैं सिर्फ नीले-हरे रंग का गाउन?

नई दिल्ली। ऑपरेशन थियेटर में घुसते ही सबसे पहली चीज जो नजर आती है वो है सर्जन का नीला या हरा गाउन. आपने कभी किसी सर्जन को लाल, पीला या सफेद गाउन पहने नहीं देखा होगा। आपको क्या लगता है, ये क्या महज इत्तेफाक है? क्या आपने कभी सोचा कि ये रंग क्यों फिक्स है? इस एक सवाल का जवाब आपके दिमाग की बत्ती जला देगा।

आफ्टरइमेज का खतरनाक खेल

जब आप घंटों लाल रंग (खून) देखते रहते हैं तो आंख की रेटिना थक जाती है। इसके बाद जब आप सफेद या हल्के रंग की तरफ देखते हैं तो दिमाग में लाल का उल्टा कलर यानी हरा दिखने लगता है। इसे पूरक प्रतिबिम्ब कहते हैं। पुराने समय में डॉक्टर सफेद कोट में ऑपरेशन करते थे। लाल खून देखते-देखते जब वो सफेद दीवार या सफेद गाउन पर नजर डालते थे तो पूरा कमरा उन्हें हरा दिखने लगता था। इससे चक्कर आते थे और हाथ कांपते थे। इस कारण कई बार सर्जन गलत कट लगा देते थे। 1914-1920 के बीच अमेरिका-यूरोप में कई सर्जिकल हादसे सिर्फ इसी वजह से हुए थे। इसे अवॉयड करने के लिए सर्जन्स को सफ़ेद की जगह हरे गाउन पहनाए जाने लगे।

आंखों को मिलता है 'आराम'

कई बार ऑपरेशन 8-10 घंटे तक चलता है। हरा-नीला रंग आंखों के लिए सबसे कम स्ट्रेनिंग होता है। ये 'कूल कलर्स' कहलाते हैं जो ब्लड प्रेशर और स्ट्रेस कम करते हैं। नासा भी अपने कंट्रोल रूम में हरे-नीले रंग का इस्तेमाल करता है, ताकि वैज्ञानिक घंटों फोकस रख सके।

बन गया है कोड

आज के समय में कई हॉस्पिटल्स कलर कोड इस्तेमाल करते हैं। इसमें अलग-अलग डिपार्टमेंट के लिए अलग कलर रखा गया है। जनरल सर्जरी के सर्जन्स हरा गाउन पहनते हैं। न्यूरो सर्जरी वाले नीला तो पीडियाट्रिक वाले गुलाबी या हल्का नीला गाउन पहनते हैं। इसकी भी खास वजह है। इससे मरीज को भी पता चल जाता है कि सामने कौन से विभाग का डॉक्टर है।

लाल और हरे-नीले का दुश्मनी वाला रिश्ता

कलर व्हील में लाल का सीधा दुश्मन हरा-नीला है। अगर बैकग्राउंड हरा-नीला होगा तो लाल खून उस पर सबसे ज्यादा अलग और क्लियर दिखेगा। सफेद या पीले पर खून 'ब्लेंड' हो जाता है और पता ही नहीं चलता कितना बह रहा है। नीले-हरे पर खून चमकता है। इससे सर्जन को तुरंत पता चल जाता है कि कहां ज्यादा ब्लीडिंग हो रही है।

35 दिन जंगल में रहीं अकेली, जिंदा रहने के लिए खा डाले 50 चूहे

बीजिंग। चीन के झेजियांग प्रांत के एक दूरदराज आइलैंड पर 1 अक्टूबर से जंगल में रहने की एक प्रतियोगिता शुरू हुई थी। लक्ष्य था..जितने दिन टिक सको, टिक कर दिखाओ। जंगल में हाई-प्रोटीन फूड ही झाओ की असली ताकत बना। वो 35 दिन तक केकड़े, सी अर्चिन, एबेलोन सबकुछ खाती रहीं, लेकिन सबसे हैरान कर देने वाला हिस्सा था।..50 चूहे पकाकर, भूनकर और कभी-कभी उनका जर्कों बनाकर खाना।

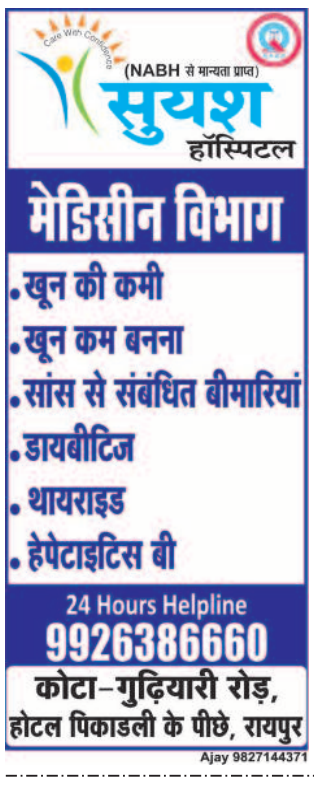

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com